बैसाख माह, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 93 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | बुधवार 27 अप्रैल 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

अब बच्चों को लगेगी कोरोना वैक्सीन

देश में 5 साल से 12 साल के बच्चों को लगाई जाएगी कोरोना रोधी वैक्सीन, दो वैक्सीन को मंजूरी

नई दिल्ली: देश में अब 5 से 12 साल आयु वर्ग के बच्चों को भी कोरोना की वैक्सीन लगाई जा सकेगी। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने स्वदेशी दवा निमार्ता कंपनी भारत बायोटेक की कोवैक्सीन और बायोलॉजिकल ई की कोबेवैक्स के आपात इस्तेमाल को मंजूरी प्रदान कर दे दी है। इसके साथ सीडीएससीओ ने 12 साल से ऊपर के बच्चों के लिए जायकोव डी की दो डोज को मंजूरी दी है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने ट्वीट करके कहा कि भारत की कोरोना से लड़ाई को अब और अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि मंगलवार को सीडीएससीओ ने 6 से 12 साल के उम्र के बच्चों के लिए कोवैक्सीन, 5 से 12 साल के उम्र के बच्चों के लिए कोबेवैक्स और 12 साल से ऊपर के बच्चों के लिए दो डोज वाली जायकोव डी को आपात इस्तेमाल करने के लिए मंजूरी दे दी है।

5-11 साल के बच्चों के लिए कॉबेवैक्स को मंजूरी: डीसीजीआई की सब्जेक्ट एक्सपर्ट कमेटी ने गुरुवार को 5-11 साल के बच्चों पर कॉबेवैक्स वैक्सीन के इमरजेंसी इस्तेमाल की सिफारिश की थी। मंगलवार को कॉबेवैक्स ने इसे भी मंजूरी दे दी है। कॉबेवैक्स हैदराबाद की कंपनी बायोलॉजिकल ई की ओर से स्वदेशी रूप से डेवलप की गई पहली आरबीडी प्रोटीन सब-यूनिट वैक्सीन है।

12-17 साल के बच्चों को कुल 13.05 करोड़ डोज लगे देश में बच्चों को कोरोना वैक्सीन लगाने की शुरूआत इस साल 3 जनवरी से हुई थी। शुरूआत में 15 से 17 साल के बच्चों को कोवैक्सिन ही लगाई जा रही थी। बाद में 16 मार्च को 12 साल से अधिक उम्र के बच्चों के लिए वैक्सीनेशन शुरू किया गया। हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक 12-14 साल ऐज ग्रुप के बच्चों के लिए कोरोना वैक्सीनेशन 16 मार्च 2022 को शुरू किया गया था। अब तक उन्हें 2.70 करोड़ (पहला डोज) और 37 लाख (दूसरा डोज) दी जा चुकी है। वहीं, 15-18 साल ऐज ग्रुप के बच्चों को वैक्सीन के 5.82 करोड़ पहला डोज और 4.15 करोड़ दूसरा डोज लगाया जा चुका है।

'जून के बाद आ सकती है चौथी लहर की पीक'

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री के सुधाकर ने मंगलवार को कहा कि विशेषज्ञों ने अनुमान व्यक्त किया है कि कोरोना वायरस की चौथी लहर जून के बाद चरम पर पहुंच सकती है और इसका असर अक्तूबर तक रहने की आशंका है। उन्होंने कोरोना के साथ जीना सीखने पर जोर देते हुए कहा कि टीकाकरण और मास्क जैसे एहतियाती उपायों का लगातार पालन जरूरी है। इस सवाल पर कि क्या कर्नाटक में चौथी लहर है, सुधाकर ने कहा कि यहां अन्य प्रदेशों के मुकाबले मामले बहुत कम हैं, ऐसे में फिलहाल यहां ऐसा कहना ठीक नहीं है।

बूस्टर खुराक लेने वाले 70 फीसदी लोग संक्रमण से बचे रहे

नई दिल्ली: कोरोना वायरस रोधी टीके की बूस्टर खुराक लेने वाले 70 फीसदी लोग इस महामारी की तीसरी लहर के दौरान संक्रमण की चपेट में नहीं आए। यह जानकारी एक नए अध्ययन में सामने आई है जो भारत में लगभग 6000 लोगों पर किया गया है। राष्ट्रीय टास्क फोर्स के को-चेयरमैन डॉ. राजीव जयदेवन के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन में कहा गया है कि तीसरी लहर में ऐसे 45 फीसदी लोग संक्रमित हुए जिन्होंने टीके की दो खुराकें तो ली थीं लेकिन बूस्टर खुराक नहीं ली थी। यह अध्ययन टीकाकरण करवा चुके 5971 लोगों पर किया गया है। 24 फीसदी लोगों की उम्र 40 वर्ष से कम थी और 50 फीसदी लोग 40 से 59 वर्ष आयु वर्ग के थे। सर्वे में शामिल होने वाले कुल लोगों में 45 फीसदी महिलाएं रहीं और 53 फीसदी स्वास्थ्य कर्मी थे।

प्रशांत किशोर ने कांग्रेस में शामिल होने से किया इनकार

पीके ने ठुकराया सोनिया का ऑफर: कहा- कांग्रेस को मेरी नहीं अच्छी लीडरशिप की जरूरत, संगठन में बड़े पैमाने पर बदलाव जरूरी

नई दिल्ली: चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर के कांग्रेस में शामिल होने की अटकलों पर विराम लग गया है। वह अब कांग्रेस में शामिल नहीं होंगे। कांग्रेस के प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने मंगलवार को ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किशोर ने खुद ही कांग्रेस में शामिल होने से इनकार कर दिया है। सुरजेवाला ने किशोर के प्रयासों और कांग्रेस को दिए गए सुझावों की सराहना की। सुरजेवाला ने ट्वीट कर कहा कि प्रशांत किशोर के साथ चर्चा और प्रेजेंटेशन दिए जाने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष ने एक इंपावर्ड एक्शन ग्रुप 2024 का गठन किया है। उन्हें इसका हिस्सा बनने और कांग्रेस में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था, लेकिन किशोर ने कांग्रेस में शामिल होने से इनकार कर दिया है। वहीं, प्रशांत किशोर ने भी खुद कांग्रेस में शामिल नहीं होने की पुष्टि की। किशोर ने ट्वीट कर कहा, मैंने इंपावर्ड एक्शन ग्रुप का हिस्सा बनने और कांग्रेस में शामिल होने तथा चुनावों की जिम्मेदारी लेने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। उन्होंने अपने ट्वीट में आगे कहा कि कांग्रेस में संरचनात्मक समस्याएं गहरी हैं। कांग्रेस में परिवर्तनकारी सुधारों की जरूरत हैं। मुझसे ज्यादा पार्टी को नेतृत्व और सामूहिक इच्छाशक्ति की जरूरत है। हालांकि, कांग्रेस सूत्रों की मानें तो प्रशांत किशोर खुद को कांग्रेस का अघोषित रणनीतिकार और कांग्रेस में दूसरे नंबर पर रहना चाहते थे, किंतु सोनिया ने उन्हें केवल इंपावर्ड एक्शन ग्रुप का हिस्सा बनने और चुनावों की जिम्मेदारी तक ही सीमित रखना उचित समझा।

प्रधानमंत्री आद को कोरोना की स्थिति पर मुख्यमंत्रियों से करेंगे संवाद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को दोपहर 12 बजे वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देश में कोविड-19 से संबंधित स्थिति पर चर्चा करने के लिए सभी मुख्यमंत्रियों के साथ बातचीत करेंगे। बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण देशभर में कोरोना की स्थिति पर प्रस्तुति देंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम ह्यमन की बातह्व में आगामी त्योहार ईद, अक्षय तृतीय, भगवान परशुराम जयंती और वैशाख बुध पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ये सभी त्योहार संयम, पवित्रता, दान और सौहार्द के पर्व हैं। उन्होंने कहा कि इन पर्वों को खूब उल्लास और सौहार्द के साथ मनाइए। इन सबके बीच, आपको कोरोना से भी सतर्क रहना है। मास्क लगाना, नियमित अंतराल पर हाथ धुलते रहना, बचाव के लिए जो भी जरुरी उपाय हैं, आप उनका पालन करते रहें।

खेती से अधिक लाभ लेने के लिए प्रयोगधर्मी बनें किसान: तोमर

नई दिल्ली। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि खेती को और अधिक लाभकारी बनाने के लिए किसानों को प्रयोगधर्मी बनना होगा। कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) सहित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिकों ने अनेक अनुसंधान किए हैं, जो भारतीय कृषि को सतत आगे बढ़ा रहे हैं। किसानों को अपनी कृषि भूमि पर इन अनुसंधानों का प्रयोग करते हुए बीजों की नई विकसित किस्मों का उपयोग करना चाहिए। तोमर ने मंगलवार को वर्चुअल माध्यम से किसानों की भागीदारी, प्राथमिकता हमारी अभियान को संबोधित करते हुए कहा कि कि केंद्र सरकार छोटे किसानों को बड़ा बनाने के लिए अनेक योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से निरंतर कार्य कर रही है। मंत्री ने कहा कि केवीके और कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (एटीएमए) विकसित प्रौद्योगिकियों को किसान समुदाय तक ले जाने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं। केवीके कृषि प्रगति में अग्रणी हैं, जिनका किसानों से सीधा संपर्क रहता है।

न्यूज फ्लैश

पाकिस्तान में कराची विश्वविद्यालय के पास विस्फोट, तीन चीनी नागरिकों सहित चार की मौत

कराची। पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर और सिंध प्रांत की राजधानी कराची में कराची विश्वविद्यालय के पास एक वैन में हुए विस्फोट ने पूरे इलाके को दहला दिया है। विस्फोट में तीन चीनी नागरिकों सहित चार लोगों की मौत हो गई। कई अन्य लोग घायल हैं। पुलिस ने मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका व्यक्त की है। जानकारी के मुताबिक कराची विश्वविद्यालय के पास स्थित चीनी भाषा शिक्षण केंद्र कन्फ्यूशियस इंस्टीट्यूट के सामने खड़ी एक सफेद वैन में पाकिस्तानी समय के अनुसार मंगलवार दोपहर एक बजकर 52 मिनट पर तेज धमाका हुआ। धमाके के बाद वैन में आग लग गई। लोगों ने वहां आग की लपटें और धुएं का गुबार उठते देखा। इस विस्फोट में कन्फ्यशियस इंस्टीट्यूट के निदेशक हुआंग गुइपिंग और उनके साथी डिंग म्यूपेंग व चेन साई की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

चिकित्सा शिक्षा में संपूर्ण भारतीय पद्धति को शामिल करने की मांग, हाई कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर कर चिकित्सा शिक्षा में संपूर्ण भारतीय पद्धति को शामिल कर एक इंडीग्रेटेड सिलेबस बनाने का दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की गई है। याचिका वकील और भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि अंग्रेजों के समय से चली आ रही चिकित्सा शिक्षा की अलग-अलग पद्धति की बजाय एलोपैथी, आयुर्वेद, योग, नेचुरोपैथी, यूनानी, सिद्धा और होम्योपैथिक का एक इंटीग्रेटेड सिलेबस बनाने का दिशा-निर्देश जारी किया जाए।

लू की चपेट में होगा आधा देश

अगले 5 दिन में 45 डिग्री पार जा सकता है तापमान, राजस्थान-बिहार-मध्यप्रदेश में खतरा सबसे ज्यादा

नई दिल्ली: देशभर में मौसम तेजी से करवट बदल रहा है। मौसम विभाग के लेटेस्ट अपडेट के मुताबिक राजस्थान, बिहार, मध्यप्रदेश, झारखंड में अगले 5 दिनों में लू का प्रकोप बढ़ने वाला है। यहां पारा 45 डिग्री से भी ऊपर जाने की संभावना है। यानी कुल मिलाकर आने वाले दिनों में आसमान से आग बरसने वाली है। वहीं दूसरी ओर पूर्वोत्तर और उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में बारिश और ओले गिर सकते हैं।

अगले 5 दिन आग सा तपेगा आधा उत्तर भारत: अगले 5 दिनों में विदर्भ, ओडिशा, बिहार और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, झारखंड, पश्चिम बंगाल, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में आसमान से आग बरसने की संभावना जताई गई है।

पूर्वोत्तर में बारिश वाला रहेगा मौसम: पूर्वोत्तर भारत में बारिश और तूफान की संभावना है। 30 अप्रैल तक अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय भारी बरसात और ओले गिरने का पूवार्नुमान है। जबकि जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में गरज के साथ छिटपुट वर्षा हो सकती है। वहीं पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में धूल भरी आंधी, तेज हवाओं के साथ हल्की वर्षा हो सकती है।

एमपी में 44 डिग्री पार जा सकता है पारा: 3 दिन की राहत के बाद मध्यप्रदेश में पारा फिर तेवर दिखाने लगा है। ग्वालियर-चंबल बेल्ट, प्रदेश के बुंदेलखंड और सतना-रीवा में 28 अप्रैल तक सबसे ज्यादा गर्मी होगी। 29 अप्रैल से भोपाल, इंदौर और जबलपुर समेत पूरा प्रदेश और भी ज्यादा तपने लगेगा। 29 अप्रैल से 19 मई तक खूब गर्मी होगी।

लू में झुलसेगा आधा राजस्थान- राजस्थान में तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी देखी जा सकती है।

इसी के साथ प्रदेश के 4 संभागों में लू और भयंकर गर्मी का अलर्ट जारी किया गया है। बीकानेर, जोधपुर, जयपुर, भरतपुर संभाग के जिलों में अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है।

'इग्नू के प्रोफेसर भगवान हनुमान की तरह अपनी शक्तियों से हैं अनजान'

नई दिल्ली: केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को कहा कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) को विश्व का ज्ञान केंद्र बनना चाहिए। उन्होंने विदेशों में शिक्षा को पहुंचाने के साथ-साथ देश के दूरदराज के क्षेत्रों में गरीब और वंचित वर्ग तक गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा पहुंचने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने का आह्वान किया। केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इग्नू के बाबा साहेब अम्बेडकर कन्वेंशन सेंटर में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के 35 वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। समारोह के दौरान 2 लाख 91 हजार 588 डिग्री में से 60,570 छात्रों को ब्लॉकचेन आधारित डिजिटल डिग्री के साथ-साथ छात्रों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया।

कोयले की किल्लत: हांफने लगे देश के कई राज्यों के थर्मल पावर प्लांट

नई दिल्ली: देश के कई राज्यों में बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर होने से बिजली संकट गहराता जा रहा है। राजधानी दिल्ली समेत 11 राज्यों में अब तक के सबसे उच्च स्तर पर है। देश के चार राज्यों में फिलहाल आठ से 10 दिन का कोयला ही मौजूद है। जबकि अन्य आठ राज्यों के थर्मल पावर प्लांट्स में कोयले का स्टॉक बहुत गंभीर स्तर पहुंच गया है। जानकारी के अनुसार, 10 अप्रैल से ही पावर प्लांट्स में कोयले की कमी हो रही है। 10 दिन में लगातार छह हजार मेगावाट बिजली की कटौती हो रही है। इससे राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, बिहार, उत्तराखंड और आंध्र प्रदेश सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में भयंकर गर्मी के पूवार्नुमानों, सभी औद्योगिक इकाइयों के कोविड पूर्व स्तर पर लौटने और कोयले की स्थिति देखकर कम से कम 15 राज्यों में बिजली संकट की आशंका जताई जा रही है। सेंट्रल पावर अथॉरिटी के अनुसार, देश में 173 पावर प्लांट्स हैं, इनमें फिलहाल नौ चल नहीं रहे हैं। जबकि 14 आयातित कोयले से चलते हैं। बाकि 150 में से 85 के पास महज 7-10 दिन का ही कोयला बचा हुआ है। 105 के पास भंडारण क्षमता का 25 फीसदी कोयला है।

हिमाचल: हाटी समुदाय को मिलेगा अनुसूचित जनजाति का दर्जा

नई दिल्ली: हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के गिरिपार क्षेत्र में रहने वाले हाटी समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने का रास्ता साफ हो गया है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हाटी समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने और इस क्षेत्र को अनुसूचित क्षेत्र घोषित किए जाने की तकरीबन 55 वर्ष पुरानी मांग को पूरा करने का रास्ता साफ हो गया है। उन्होंने संसद के मानसून सत्र में इससे संबंधित विधेयक संसद में पेश होने की संभावना जताई। हिमाचल भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में ठाकुर ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बीते सोमवार को मुलाकात हुई थी।

शाह ने उन्हें बताया कि एथिनोग्राफी रिपोर्ट पूर्ण है और जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में स्वीकृति मिलने के बाद संसद के आगामी सत्र में इसे पेश किए जान की उम्मीद है।

'देश की प्रेरक कहानियां लोगों को करेगी प्रेरित'

नई दिल्ली: केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने मंगलवार को प्रेरक कहानियों को प्रदर्शित करने वाली सात लघु वीडियो श्रृंखला 'आजादी की अमृत कहानियां' की शुरूआत की। ये वीडियो ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स के सहयोग से बनाया गया है।

इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य भारतीयों की प्रेरक कहानियों को सामने लाना है और ये कहानियां अधिक लोगों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित और सशक्त करेंगी। उन्होंने कहा कि नेटफ्लिक्स महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण, सतत विकास और महत्व के अन्य दिनों सहित विषयों पर पच्चीस वीडियो का निर्माण करेगा। नेटफ्लिक्स मंत्रालय के लिए दो मिनट की 25 लघु फिल्मों का निर्माण करेगा जिसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया जाएगा और दूरदर्शन नेटवर्क पर प्रसारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नेटफ्लिक्स और मंत्रालय पोस्ट-प्रोडक्शन, वीएफएक्स, एनिमेशन, म्यूजिक प्रोडक्शन के लिए भारत में क्रिएटिव इकोसिस्टम विकसित करने के लिए साझेदारी करेंगे। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि नेटफ्लिक्स और मंत्रालय भारत में फिल्म निमार्ताओं को आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विभिन्न विषयों पर प्रेरक सामग्री बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाओं और मास्टर कक्षाओं का आयोजन करना जारी रखेंगे। इस मौके पर महिला परिवर्तन निमार्ता बसंती देवी, पिथौरागढ़ की पद्म पुरस्कार विजेता पर्यावरणविद्, कोसी नदी को पुनर्जीवित करने में उनके योगदान के लिए जानी जाती हैं। साल 2017 में पांच दिनों में दो बार माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली दुनिया की पहली महिला होने के लिए पद्म श्री से सम्मानित अंशु जमसेनपा और भारत में पहली महिला फायर फाइटर हर्षिनी कान्हेकर भी मौजूद थीं।

सीतारमण ने उबर के सीईओ दारा खोसरोशाही से मुलाकात की, जिन्होंने भारत में कंपनी के निवेश और विस्तार योजना के बारे में जानकारी दी

वित्त मंत्री ने अमेरिकी निवेशकों को दिया भारत में निवेश का न्योता

नई दिल्ली/सैन फ्रांसिस्को:। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने निवेशकों को भारत में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने सैन फ्रांसिस्को में कारोबारियों और निवेशकों के साथ आयोजित बैठक के दौरान मंगलवार को उन्हें निवेश का आमंत्रण दिया। वह इन दिनों अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर हैं। वित्त मंत्री ने निवेशकों के साथ गोलमेज बैठक में कहा कि आने वाले कुछ साल में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में शुमार होगा। उन्होंने सिलिकॉन वैली स्थित कंपनियों के लिए भारत में अवसरों के बारे में बताया।

उन्होंने अमेरिकी सेमी कंडक्टर उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में उन्हें निवेश के लिए आमंत्रित किया। दरअसल, सरकार ने पिछले साल देश में सेमी कंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 76 हजार करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी थी। वित्त मंत्रालय ने ट्वीट कर बताया कि निर्मला सीतारमण के साथ आयोजित इस बैठक में एएमडी के मुख्य वित्तीय अधिकारी और कोषाध्यक्ष देविंदर कुमार, वेस्टर्न डिजिटल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डैन स्टीयर, माइक्रोन टेक में वैश्विक परिचालन के कार्यकारी उपाध्यक्ष मनीष भाटिया सहित कई दिग्गज कारोबारी शामिल हुए। सीतारमण ने उबर के सीईओ दारा खोसरोशाही से मुलाकात की, जिन्होंने भारत में कंपनी के निवेश और विस्तार योजना के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही वित्त मंत्री ने फर्स्टसोलर के सीईओ मार्क विडमार से भी मुलाकात की।

रेलवे टेंडर घोटाला मामले की सुनवाई टली

नई दिल्ली: दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने रेलवे टेंडर घोटाला मामले की सुनवाई टाल दी है। स्पेशल जज गीतांजलि गोयल ने इस मामले पर अगली सुनवाई 13 जुलाई को करने का आदेश दिया। मंगलवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट को सूचित किया गया कि ईडी और सीबीआई के मामले में सुप्रीम कोर्ट में जुलाई में सुनवाई होने वाली है। उसके बाद कोर्ट ने दोनों मामलों की सुनवाई 13 जुलाई को करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान आरोपितों लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव पेश नहीं हुए। जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया। 28 जनवरी, 2019 को कोर्ट ने ईडी की ओर से दर्ज केस में लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव को भी नियमित जमानत प्रदान की थी।

खबर संक्षेप

जसरा में आंख के अस्पताल के बाहर से मोटरसाइकिल हुई चोरी

जसरा। जसरा रेलवे क्रॉसिंग के पास स्थित काली प्रसाद का हाता स्थित आंख के अस्पताल के बाहर से एक मोटरसाइकिल चोरों ने पार कर दिया। पीड़ित ने घटना की सूचना पुलिस को दी है। जसरा काली प्रसाद का हाता में प्रयागराज स्थित सीतापुर अस्पताल से आंख के डॉक्टर प्रत्येक मंगलवार को मरीजों के इलाज के लिए आते हैं। मंगलवार को आंख के सैकड़ों मरीजों की भीड़ लगी रही। पांडर गांव के सत्येंद्र त्रिपाठी अपनी पत्नी का आंख का इलाज कराने के लिए मंगलवार को लगभग 11 बजे आए थे। आंख का इलाज कराने के बाद जब बाहर आए तो उनकी बाइक गायब थी । आसपास मोटरसाइकिल की खोजबीन की लेकिन पता नहीं चल सका। पीड़ित ने डायल 112 पर सूचना दी तो थोड़ी देर बाद डायल 112 के सिपाही मौके पर पहुंच गए। बाद में मोटरसाइकिल चोरी की लिखित सूचना पीड़ित ने घूरपुर थाने में दे दी । बताते चलें कि अस्पतालों के बाहर से अब तक एक दर्जन से अधिक बाइक चोरी की घटनाएं हो चुकी है। स्थानीय लोगों ने अस्पतालों के बाहर होने वाली चोरी को रोकने के लिए पुलिस व्यवस्था दुरुस्त किए जाने की मांग की है।

डीएम ने चौपाल लगाकर सुनी जनता की समस्याएं

अखंड भारत संदेश

प्राप्त आवेदनों का तीन दिनों के अंदर गुणवत्ता पूर्ण ढंग से सुनिश्चित करें निस्तारण, आम-जनमानस से जुड़े कार्यों में शिथिलता एवं लापरवाही कत्तई क्षम्य नहीं : जिलाधिकरी

ग्राम पंचायत पहाड़पुर विकास खण्ड सैदाबाद में जन समस्याओं के समाधान के लिए चैपाल समस्याओं को सुनते जिलाधिकारी

सैदाबाद प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री मंगलवार को ग्राम पंचायत पहाड़पुर विकास खण्ड सैदाबाद में जन समस्याओं के समाधान के लिए चैपाल कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। चैपाल कार्यक्रम में ग्राम प्रधान श्रीमती सन्ध्या मिश्रा से ग्राम सभा में संचालित योजनाओं की जानकारी लेते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण का बड़ा उदाहरण है, जिसमें महिलाओं की समस्या का समाधान के साथ-साथ योजनाओं का भी लाभ मिला होगा। उन्होंने वहां पर जन मानस से सचिव, पंचायत सहायक, एडीओ पंचायत आशा बहुंए, ए0एन0एम0 की उपस्थिति की जानकारी लेते हुए कहां कि जनता की समस्याओं का प्राथमिकता पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि लापरवाही या उदासीनता कत्तई क्षम्य नहीं होगा। उन्होंने ए0एन0एम से गर्भवती महिलाओं की जानकारी ली तथा दो साल से छोटे बच्चों की संख्या के बारे में जानकारी ली, जिसमें ए0एन0एम0 द्वारा बताया गया कि दो साल से छोटे 40 बच्चे है, जिनमें दो का वजन मानक से कम है, उसकी पारिवारिक स्थिति की जानकारी लेते हुए उसको पौष्टिक आहार उपलब्ध कराये जाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने कहा कि गांव में सभी लोगो को गभर्वती महिलाओं के लिए चलायी जा रही 102 नम्बर एम्बुलेंस सेवा की जानकारी होनी चाहिए, जिसको भी कोई परेशानी हो, वे 102 नम्बर पर कॉल कर नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र जाकर अपना उपचार करा सकती है। उन्होंने प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य से बच्चों की उपस्थिति की जानकारी ली तथा कितने शिक्षक कार्यरत है, जिसपर प्रधानाचार्य से बच्चों के नामांकन को और बढ़ाने के निर्देश दिये है तथा बच्चों के स्कूल में प्रार्थना सभा आयोजित किये जाये। उन्होंने ग्राम सभा में बने सामुदायिक शौचालय की उपयोगिता की जानकारी ली तथा साफ-सफाई निरंतर कराये जाने का केयर टेकर को निर्देश भी दिया है। जिलाधिकारी ने राशन की जानकारी लेते हुए कहा कि जो भी पात्र व्यक्ति है, उनको बिना भेदभाव के राशन उपलब्ध कराया जाये। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना की जानकारी लेते हुए 2020-21 में 6 पात्र व्यक्तियों को आवास दिया गया है, उन लाभार्थियों से वार्ता कर जानकारी ली कि आवास योजना के लाभ से पहले और अब में ज्यादा सुविधाजनक है कि नही। मनरेगा द्वारा कराये गये कार्यों की जानकारी लेते हुए लाभार्थियों से वार्ता की कि खेतों की उपज बढ़ा है कि नहीं समतलीकरण से, जिसपर लाभार्थी द्वारा बताया गया कि पहले से ज्यादा पैदावार हो रही है, तालाब के सौन्दर्यीकरण की जानकारी लेते हुए तालाब में पानी है कि नहीं, तालाब में पानी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रखने का निर्देश दिया है तथा पेयजल की समीक्षा करते हुए ग्राम सभा के लोगो से हैण्ड पम्प खराब है या सभी क्रियाशील है, जिसपर ग्राम सभा के लोगो द्वारा बताया गया कि सभी क्रियाशील है, पेयजल की कोई दिक्कत आदि नहीं है। उन्होंने डीडीओ को निर्देशित किया है कि जो भी हैण्डपम्प रिपेयर हो रहे है, उनका एक लागबुक बनाया जाये। उन्होंने निर्देश दिया है कि जो भी आम जनमानस सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिला है, उसें नोट कर शौचालय एवं आवास उपलब्ध कराया जाये। उन्होंने पेंशन योजनाओं की जानकारी लेते हुए वृद्धापेंशन, दिव्यांग पेंशन आदि जिनका भी किन्हीं कारणों से वंचित है, उन्हें जांच कर तत्काल लाभ प्रदान कराया जाये। बिजली की कोई दिक्कत आदि तो नहीं है कि जानकारी ली। उन्होंने जनता की समस्याओं को सुना तथा 03 दिनों के अंदर निस्तारण कराने के निर्देश दिये है। तत्पश्चात शहीद स्व. नन्द लाल यादव के परिजनों से मुलाकात की उन्हें किसी प्रकार की दिक्कत आदि तो नहीं है कि जानकारी ली। इस अवसर पर सीडीओ शिपू गिरि, डीडीओ ए0के0 मौर्या सहित सभी जनपद स्तरीय सम्बंधित अधिकारीगण एवं ग्राम पंचायत के आम जनमानस उपस्थित रहे।

न्यूज झरोखा

प्राचीन कुंआ आज भी सौंदर्यीकरण व साफ सफाई के नाम पर है शून्य

लालापुर। लालापुर क्षेत्र के पूरेकिन्नर मे प्राचीन कुंआ साफ सफाई को मोहताज है आज भी बताया जा रहा है की लगभग 60/70 साल पूर्व में ग्रामीणों ने जल के आशय से खुदवाया था जिससे पूरेकिन्नर गांव के निवासी पानी पीते थे हर वर्ष साफ सफाई हुआ करता था परन्तु पिछले कई वर्षों से सम्बंधित अधिकारियों क ध्यान ही नही जा रहा है जो आज भी चिन्ता का विषय बना है जबकि आज भी गांव के 50 प्रतिशत लोग इसी कुंए क पानी पीते हैं जिसको लेकर ग्रामीणों ने सम्बंधित अधिकारियों को इस प्राचीन कुंए के बारे मे अवगत कराया जाएगा ताकि इस कुंआ को सौन्दर्य करण के साथ साथ साफ सफाई की जा सके मौके पर मौजूद रहे रामकृष्ण द्विवेदी महेंद्र प्रताप सिंह शेष सिंह रोहित द्विवेदी दीपक द्विवेदी ओम सिंह आशीष द्विवेदी विराट पत्रकार समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

तालाब से जलकुंभी निकालने में जुटा नगर निगम

झूंसी। समाजसेवी की पहल पर नगर निगम ने रिवर सरफेस स्कीमर मशीन लगाकर चकहरिहरवन मे स्थित तालाब की साफ सफाई शुरू कराई है। मशीन से तालाब से जलकुंभी निकालने की कवायद की जा रही है। पूरे तालाब से जलकुंभी को निकाल कर तालाब को संवारा जाएगा। तालाब में जमा जलकुंभी से कीड़े मकोड़े मच्छरों से स्थानीय लोग परेशान थे साथ ही आए दिन जलकुंभी में छुट्टा जानवर भी फस जा रहे थे। समस्या को देखते हुए समाजसेवी विनोद शर्मा ने तालाब की सफाई के लिए नगर निगम के उच्चाधिकारियों से गुहार लगाई कई बार शिकायत के बाद सोमवार को जलकुंभी और इसी तरह की खरपतवार निकालने के लिए निगम ने अधिकारियों के निर्देश पर तालाब में रिवर सरफेस स्कीमर मशीन लगाकर नगर निगम कर्मी तालाब की सफाई जुट गए है। जानकारों की माने तो जलकुंभी से पानी में प्रदूषण बढ़ता है। जिसके चलते जलचरों को भी खतरा बना रहता है। जोनल अधिकारी मदन गोपाल यादव ने बताया कि तालाब की सफाई के बाद तालाब का सुंदरीकरण भी कराया जाएगा।

गांवों में कैम्प लगाकर स्कूलों में किया जा रहा टीकाकरण

जसरा। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जसरा द्वारा गांव गांव के स्कूलों में कैम्प लगाकर कोविड--19 जैसी वैश्विक महामारी से भचाव के लिए टीकाकरण किया जा रहा है। मंगलवार को 26गांवों में वैक्सीनेशन किया गया। इसी क्रम में जसरा के शंकरलाल पब्लिक स्कूल में 12 वर्ष से ऊपर के बच्चों का टीकाकरण किया गया। एएनएम नीशा पांडेय ने बताया कि कुल 104 बच्चों का वैक्सीनेशन किया गया है। सीएचसी अधीक्षक डा०तरुण पाठक ने बताया कि प्रतिदिन 1500 बच्चों का टीकाकरण हो रहा है। डा0पाठक ने बताया कि टीकाकरण जसरा के 26 गांवों में किया जा रहा है। कैम्प में 12 से 14 व 15+ का टीकाकरण हो रहा है। वहीं ग्रामीणों से अपील किया है कि अपने अपने बच्चों का वैक्सीनेशन अवश्य करायें जिससे कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से उन्हें बचाया जा सके। इस मौके पर स्वास्थ्य शिक्षाधिकारी सीमा सिंह,शशी केसरवानी, सोनू केसरवानी, डा0देवकीनंदन पंकज,महेन्द्र सिंह, बीपीएम पंकज मिश्र व दर्जनों एएनएम मौजूद रहीं।

मिजार्पुर प्राथमिक विद्यालय में चहक कार्यक्रम शुभारंभ

प्रतापपुर। विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय मिजार्पुर में मंगलवार को प्रभारी प्रधानाध्यापक अजीत कुमार पांडेय द्वारा रेडिनेस यानि चहक कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।विद्यालय में कक्षा 1 में पंजीकृत 13 बच्चो के सापेक्ष 8 बच्चो का स्वागत नोडल शिक्षिका रीना गुप्ता द्वारा तिलक लगाकर किया गया।नोडल शिक्षिका के देखरेख में प्रशिक्षित शिक्षक पहली कक्षा में नामांकित बच्चों को स्कूल की तैयारी सम्बन्धी गतिविधियों व क्रियाकलापों का संचालन करते हुए सप्ताह के प्रथम दिवस की गतिविधियों को सम्पन्न कराया।इस अवसर पर अभिभावक, शिशु मित्र आंगनवाड़ी कार्यकर्ती व विद्यालय के अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

पंचायतों को विकसित करने में सभी का सहयोग जरूरी

प्रतापपुर। जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतापपुर ब्लॉक के बेला खास में चौपाल का आयोजन किया गया जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, समाज कल्याण, पंचायती राज, राजस्व विभाग, बाल विकास, स्वयं सहायता समूह सहित आदि विभागों के काउंटर लगाकर लोगो की समस्याएं सुनी एवं मौके पर निस्तारण किया।इस मौके पर खण्ड विकास अधिकारी शुभम यादव ने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा ग्राम पंचायतों को विकास की हर कड़ी से जोड़ने के लिए प्रयासरत है जिसमे सरकारी अधिकारी, कर्मचारी के अलावा ग्रामीणों को भी विकास के कड़ी में अपना सहयोग प्रदान करने की जरूरत होती है ।एडियो पंचायत राजबहादुर यादव ने कहा कि गॉव के सदस्यों के साथ ग्रामीणों का सहयोग बराबर मिलना चाहिए जिससे गाँव का समुचित विकास हो सके।इस मौके पर विकास विभाग के सभी एडियो ग्राम पंचायत अधिकारी कुलदीप यादव,ग्राम प्रधान सविता देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

अतिक्रमण कारियों पर चला नगर निगम का हंटर

सड़क किनारे अवैध रूप से लगी दुकानों को हटवाते नगर निगम के कर्मचारी

अखंड भारत संदेश

झूंसी। जीटी रोड पर मंगलवार की शाम फुटपाथ विक्रेताओं पर नगर निगम का हंटर चला तो हड़कम्प मच गया। सड़क की पटरी पर अवैध रूप से लगी सब्जी, फल, चाय पान की दुकान लोग समेटने लगे। इस दौरान चालान व सामान जप्त करने की चेतावनी भी दी गई। नगर निगम ने मंगलवार को भी अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई शुरू की तो पटरी दुकानदारों में हड़कंप मचा गया। जोनल मदन गोपाल यादव के नेतृत्व में शास्त्री पुल से लेकर न्याय नगर गेट तक सड़क की पटरियों पर अवैध रूप से लगी सब्जी, फल, चाय पान की गोमती, ठेले हटवाये गए। घंटों चली कार्रवाई के दौरान रोड पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। बताते की कुछ दुकानदारों ने पीडीए द्वारा सड़क किनारे लगाई गई जाली को काटकर बाकायदा गेट लगाकर अपना गोदाम बना रखा था। सभी को कार्यवाही की चेतावनी दी गई साथ ही जोनल अधिकारी मदन गोपाल यादव ने बताया कि नगर आयुक्त के आदेश पर अतिक्रमण को रोकने के लिए प्रतिदिन सुबह-शाम 2 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी।

तहसील करछना के कचरी गांव में नाली पर अतिक्रमण को ध्वस्त करेगा प्रशासन

राजस्व विभाग व पुलिस प्रशासन को अतिक्रमण हटाने को तहसीलदार ने दिया निर्देश

करछना। प्रयागराज तहसील करछना के राजस्व गांव कचरी में नाली निर्माण हेतु आराजी संख्या 312 पर गांव के कुछ दबंग लोगों ने कब्जा कर लिया है उस पर दीवार खड़ी करके नाली को पूरी तरह से बंद कर दिया है जिससे गांव के जल निकासी परियोजना प्रभावित हो रही है ग्राम प्रधान धर्मराज सिंह की शिकायत पर राजस्व टीम ग्राम पंचायत कचरी में जाकर आराजी संख्या 312 नाली है खतौनी में व राजस्व अभिलेखों में दर्ज है जिस का सीमांकन कर आख्या प्रस्तुत की उस पर गांव के समर बहादुर पुत्र देवनारायण अमर बहादुर पुत्र राम सुचित संदीप कुमार पुत्र समर बहादुर आदि लोगों ने उक्त नाली की भूमि पर जबरन दीवार खड़ी करके कब्जा कर लिया है प्रधान की शिकायत पर हल्का लेखपाल जितेंद्र कुमार, एवं कानून सूर्यकांत शुक्ला पैमाइश के दौरान पाया कि समर बहादुर आदि दबंग लोगों ने मिलकर नाली पर दीवार खड़ी कर रास्ता अवरुद्ध कर दिया है मामले को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार करछना ने निर्देशित किया है कि राजस्व टीम पुलिस बल के साथ उक्त दबंगों द्वारा खड़ी की गई दीवार को ध्वस्त करा कर अवरुद्ध नाली मार्ग को खाली कराया जाए का दिशा निर्देश देते हुए तत्काल अतिक्रमण हटाने का कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

राम प्रसाद अध्यक्ष, दुखराज निर्विरोध बने महामंत्री

बारा तहसील में लेखपाल संघ का चुनाव सम्पन्न

बारा। तहसील बारा के लेखपाल संघ का चुनाव सकुशल तहसील के सभागार में संपन्न हुआ।चुनाव को सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला लेखपाल संघ के जिला मंत्री राजेंद्र प्रसाद शुक्ला को निर्वाचन अधिकारी एवं उनके सहयोग में जिला संगठन मंत्री डॉ रमाशंकर शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह, ऑडिटर दुर्गा प्रसाद एवं राम सिंह यादव पूर्व जिलाध्यक्ष की देखरेख में चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराई गई।जिसमें रामप्रसाद त्रिपाठी को निर्विरोध बारा तहसील के लेखपाल संघ का तहसील अध्यक्ष व महामंत्री दुखराज एवं गंगा प्रसाद को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अम्बरीष कुमार पांडे को कनिष्ठ उपाध्यक्ष, किरन पटेल को उपमंत्री, आशुतोष पांडेय को कोषाध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया।बैठक को संबोधित करते हुए वरिष्ठ लेखपाल संतोष मिश्रा ने अपने ओजपूर्ण उद्बोधन के द्वारा उपस्थित लोगों में खूब उत्साह एवं जोश भरा, जिससे पूरा तहसील परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।उपरोक्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राम चंद्र कुशवाहा,राम शिरोमणि शुक्ल,मिथिलेश मिश्रा,परमात्माराम पांडेय,अरुण प्रताप सिंह,मुन्नीलाल,डीपी सिंह, मंजेश सहित दर्जनों लेखपाल मौजूद रहे।

चौपाल में दी गयी विकास योजनाओं की जानकारी

चौपाल कार्यक्रम में बैठे अधिकारी

अखंड भारत संदेश

करछना। प्रयागराज विकास खंड करछना के ग्राम पंचायत भरहा के प्राथमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम ग्राम विकास पंचायत चौपाल में सहायक जिला विकास अधिकारी, विकास खंड करछना एडीओ पंचायत विवेक कुमार मिश्रा ,सहायक विकास अधिकारी रामेश्वर सिंह, सोनल शुक्ल सहायक विकास अधिकारी, द्वारा उपस्थित ग्रामीणों को गावों में कराएं जाने वाले विकास कार्यों कार्य की विस्तृत जानकारी दी, जिसमें समूह की महिलाओं को उनके उत्तरदायित्व के अंतर्गत गावों में कयी प्रकार के रोजगार से लाभ व रोजगार गारंटी योजना, आवास, शौचालय, आदि आंगनवाड़ी, आशा के उत्तर दायित्व से कयी कार्य किए जाते हैं, के अलावा बाल वकास परियोजना से सोनी देवी, पंचायत सचिव दरबारी लाल, संजीव श्रीवास्तव,महेश कुमार ,शिव ओम चौधरी, मनीष कुमार यादव, कमल सिंह, प्रधान जग जीवन ,अतुल मिश्रा सहित बड़ी संख्या में महिलाओं सहित गांव के गणमान्य लोगों ने चौपाल कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

रामनगर में ग्रामपंचायत भवन में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया

सिरसा। प्रयागराज मेजा क्षेत्र ब्लाक उरूवा ग्रामपंचायत रामनगर में पंचायत भवन में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यक्रम के अध्यक्षता ग्रामप्रधान श्रीमती संगीता नीरज यादव ने किया। ग्रामप्रधान श्रीमती संगीता नीरज यादव ने कहा कि गांव के लोगो की समस्या का निस्तारण करने के लिए ग्राम चौपाल कर्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों की समस्या मौके पर निवारण किया जाय।और इस योजना का लाभ सबको मिले और सबका विकास हो। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चिकित्सा अधिकारी प्रयागराज एवं खण्ड विकास अधिकारी उरूवा ब्रह्म पाल सिंह, सहायक विकास अधिकारी पंचायत सुदामा राम गावड़े, सहायक विकास अधिकारी साधन सहकारी समिति कामराज जयसवाल, जेई लघु सिंचाई प्रदीप अवस्थी एवं प्रभात श्रीवास्तव और समस्त ग्रामवासी आदि प्रमुख लोग उपस्थित रहे। और ग्रामवासियों ने अपनी-अपनी समस्या को बारी-बारी से रखा।

निष्ठावान कार्यकर्ता के रूप में दायित्वों का निर्वहन करेंगे तो आगे भी पार्टी कार्य लेती रहेगी : संतोष पटेल

घूरपुर। भारतीय जनता पार्टी यमुनापार जिले के तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण अभियान के दूसरे दिन सोमवार को जेपीएस महाविद्यालय गौहनिया मे दूसरे दिन के पहले सत्र मे पिछले छः वर्षों में अंत्योदयी सामर्थ्य एवं दूसरे सत्र मे भारत का बढ़ता सुरक्षा सामर्थ्य विषय पर जिला पदाधिकारीयों को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता काशी क्षेत्र महामंत्री संतोष पटेल ने कहा कि हम आप सभी सौभाग्यशाली है कि भाजपा जैसे विशाल पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ता बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। गौरवशाली कालखण्ड में इस अवसर का सदुपयोग निष्ठावान कार्यकर्ता के रूप दायित्वों का निर्वहन जारी रखेंगे तो सदैव पार्टी आपसे आगे कार्य लेती रहेगी। राजनीतिक दायित्व स्थाई नही है। अपने कार्यो से अपने और पार्टी को आगे का रास्ता बना सकते है। तीसरे सत्र में आत्मनिर्भर भारत मे मुख्य वक्ता यमुनापार जिला प्रभारी ओंकार केसरी ने कहा कि हम सब भाजपा के ध्वज वाहक है। भाजपा जितना यशस्वी वैभवशाली होगी हम उतना ही हम और हमारी मोदी-योगी की सरकारें अन्तोदयी पहल को मजबूती से रखकर पिछले पायदान पर खड़े व्यक्ति निरंतर सम्पूर्ण उत्थान कर सकेगी। चौथे एवं पांचवें सत्र को भाजपा प्रदेश सह-मीडिया प्रभारी हिमांशु दुबे ने मीडिया के व्यवहार एवं उपयोग एवं शोशल मीडिया के विषय को रखते हुए बताया कि हमारे पास राष्ट्र को परमवैभव की ओर ले जाने का कार्यक्रम है। जनसंचार मूलरूप से समाज मे संवाद का सशक्त माध्यम प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और डिजिटल मीडिया के माध्यम से निरंतर इसका प्रभाव विस्तार हो रहा है। शोशल मीडिया में विना प्रमाणिकता के पोस्ट को आगे नही बढ़ाना चाहिए। सदैव राष्ट्रहित,समाज हित में बात रखनी चाहिए। छठवें सत्र के मुख्य वक्ता किसान मोर्चा काशी क्षेत्र के उपाध्यक्ष रमाकांत विश्वकर्मा ने बदली हुई परिस्थितियों में भारत के दायित्व का वोध कराते हुए कहा पार्टी निर्माण में पंच निष्ठाएं को संकल्प रूप मे लेकर स्वास्थ्य लोकतंत्र के साथ मूल्यों पर आधारित राजनीति से भारत विश्व में परचम लहराने की ओर अग्रसर है। दूसरे दिन के सातवें व अंतिम सत्र में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विभूति नारायण सिंह ने भारत की मुख्य विचारधारा हमारी विचारधारा पर पदाधिकारियों को संबोधित किया। प्रशिक्षण वर्ग की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती ने करते हुए सभी अतिथियों का बुकें भेंटकर अंगवस्त्रम शाल भेंटकिया। स्वागत अभिनंदन करते हुए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यकर्ता यहां पाए विचारों को आत्मसात करेंगे तभी प्रशिक्षण की सार्थकता सिद्ध होगी। प्रथम द्वितीय सत्र का संचालन जिला उपाध्यक्ष राजेश्वरी तिवारी तृतीय सत्र का संचालन जिला महामंत्री पुष्पराज सिंह पटेल, चौथे-पांचवें संत्र मीडिया के व्यवहार एवं शोशल मीडिया सत्र का संचालन जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी, छठे संत्र का संचालन जिला मंत्री विनोद प्रजापति व सातवें चरण का संचालन जिला मंत्री शिवराम सिंह परिहार ने किया। जिसमें विधायक कोरांव राजमणि कोल, जिला कार्यक्रम संयोजक जिला उपाध्यक्ष त्रिवेणी प्रसाद पांडेय, ज्ञान सिंह पटेल, संतोष त्रिपाठी,जय सिंह पटेल, राजेश शुक्ला, विक्रमादित्य मौर्य,विजय शंकर शुक्ला,प्रकाश शुक्ल प्रचंड,शतीश विश्वकर्मा,पीसी.पांडेय,आर के शर्मा, अनीता मिश्रा, तारा शंकर पाण्डेय, आदेश सिंह, सलिल तिवारी,आदि के साथ भारी संख्या में मोर्चा, प्रकोष्ठ,विभाग के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उपरोक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने दी।

घर-घर गूंजे एक ही नारा, साक्षर बने देश हमारा

अखंड भारत संदेश

बीआरसी शंकरगढ़ से बच्चों ने निकाली जागरुकता रैली, प्रमुख ने किया रवाना, 6 से 14 वर्ष के बच्चों का नाम लिखवाने और रोजाना स्कूल भेजने की अपील

जागरूकता रैली निकालते बीआरसी शंकरगढ़ के बच्चे।

शंकरगढ़। स्कूल चलो अभियान के तहत मंगलवार को विकास खंड शंकरगढ़ के बीआरसी से एक जागरुकता रैली निकाली गई।क्षेत्र पंचायत प्रमुख निर्मला देवी और खंड शिक्षाधिकारी अखिलेश वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। बीआरसी से निकली रैली पुरानी बाजार, रामभवन चौराहा, सदर बाजार होते हुए वापस बीआरसी पहुंची। इस दौरान रैली में शामिल बच्चों, शिक्षकों और स्थानीय लोगों ने छह से 14 वर्ष आयु के सभी बच्चों का नामांकन करवाने और स्कूल भेजने की अपील की गई।

नगर पंचायत शंकरगढ़ के विभिन्न मोहल्लों का भ्रमण के दौरान बच्चों ने - घर-घर गूंजे एक ही नारा, साक्षर बने देश हमारा और हर घर में चिराग जलेगा, हर बच्चा स्कूल जाएगा, जैसे नारे के साथ लोगों को जागरुक किया। प्रमुख निर्मला देवी ने कहा कि आज के इस युग में शिक्षा के महत्व और जरूरत से हर कोई वाकिफ है। इसलिए जरूरत है बच्चों को स्कूल भेजने की और उन्हे पठन-पाठन से जोड़ने की। सभी अभिभावक अपने पाल्यों का नाम परिषदीय विद्यालयों में लिखवाएं और नियमित स्कूल भेजें। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा स्कूल जाने से वंचित नहीं रहना चाहिए। जागरुकता रैली के पश्चात एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें ब्लाक प्रमुख निर्मला देवी, बीईओ अखिलेश वर्मा, प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, अध्यापक, अभिभावक मौजूद रहे। इस दौरान सभी से स्कूल चलो अभियान की सफलता का आह्वान किया गया। इंचार्ज बीईओ अखिलेश वर्मा ने कहा कि किसी भी अभियान की सफलता तभी संभव है, जब उसमें जनसामान्य का जुड़ाव भी शामिल हो। संगोष्ठी में विभिन्न गांवों से आए प्रधान, बीडीसी समेत अन्य लोगों ने विचार रखे। खंड शिक्षा धिकारी ने आपरेशन कायाकल्प के तहत टाइलीकरण, शौचालय, सौंदर्यीकरण, इंटरलाकिंग आदि कार्य पर प्रकाश डाला और स्कूल चलो अभियान के तहत सभी जनप्रतिनिधियों से सहयोग की अपेक्षा की। इस दौरान बीईओ द्वारा कई प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों, सभासदों को अंगवस्त्रम देकर सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष बृजेश सिंह, प्रधान पुष्पराज सिंह, डा. मंगलेश सिंह, गुलाब सिंह, शैलेंद्र सिंह, फैजान अहमद, सभासद सुजीत केसरवानी, बीडीसी केके त्रिपाठी, नृपेंद्र सिंह, मनमोहन सिंह, सचिन कुमार, विवेकानंद, वंदना केसरवानी, सुनील पटेल, नेपाल सिंह, सत्यप्रकाश सिंह, आशुतोष, अमर सिंह, प्रदीप सिंह, सत्यप्रकाश सिंह, शुभांक पांडेय, विजय सिंह आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

विवाहिता ने फांसी लगाकर कर ली आत्महत्या

झूंसी। स्थाई थाना क्षेत्र में एक 26 वर्षीय महिला ने पंखे चुल्ले में रस्सी का फंदा बाध कर फांसी लगा ली। महिला की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया सूचना मिलने पर पहुची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा महिला के फाँसी पर झूलने का कारण नही पता चल सका। शेरडीह गांव निवासी रमेश यादव श्रमिक है मंगलवार को वह काम करने शहर गया हुआ था बताया जाता है कि उसकी पत्नी विद्या देवी 26 कमरे के अंदर पंखे में रस्सी का फंदा बाध फाँसी लगा कर आत्महत्या कर ली। परिजनों की नजर फंदे पर झूलती विद्या पर पड़ी तो घर में कोहराम मच गया। पति रमेश को विद्या के मौत की खबर दी गई तो वह रोते बिलखते घर पंहुचा। वही पहुची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। विद्या के आत्महत्या करने का कारण पता नही चल पाया। विद्या देवी को दो बेटी भी हैं बड़ी बेटी आकृष्टि 4 वर्ष छोटी आकृति उम्र 2 वर्ष।

मंडलायुक्त व पीडीए बीसी त्रिवेणी पुरम कॉलोनी में निष्क्रिय सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का किया निरीक्षण

त्रिवेणी पुरम कॉलोनी में रहने वाले लगभग 3600 परिवारों की सीवेज संबंधित समस्या के निराकरण को दिए आवश्यक दिशा निर्देश, पंपिंग स्टेशन की भूमि को छोड़कर बाकी की भूमि को प्रयागराज विकास प्राधिकरण करेगा विकसित

अखंड भारत संदेश

झूंसी प्रयागराज। त्रिवेणी पुरम कॉलोनी में रहने वाले लगभग 3600 परिवारों की सीवेज संबंधित समस्या के निराकरण के दृष्टिगत मंडलायुक्त संजय गोयल ने मंगलवार को कॉलोनी स्थित निष्क्रिय सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया तथा उसे अति शीघ्र उपयोग में लाने के निर्देश दिए। इस क्रम में उन्होंने वहां निर्मित पंपिंग स्टेशन का जीर्णोद्धार करने का कार्य नमामि गंगे टीम को सौंपा एवं कॉलोनी से उत्पन्न हो रहे स्लज के ट्रीटमेंट का कार्य अति शीघ्र शुरू करने हेतु एक कार्य योजना तैयार करने के भी निर्देश दिए। अभी तक त्रिवेणी पुरम एसटीपी संबंधित कार्यों की जिम्मेदारी गंगा प्रदूषण की थी पर अब पंपिंग स्टेशन के जीर्णोद्धार के साथ-साथ राइजिंग मेन पाइप एवं ग्रेविटी सीवर लाइन बिछाने का कार्य एनएमसीजी द्वारा किया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान मैप देखते मंडलायुक्त व अधिकारी

इसके अतिरिक्त कॉलोनी में उत्पन्न हो रहे स्लज को छतनाग में निमार्णाधीन एसटीपी में पंपों के माध्यम से भेजने एवं वहां पर उसका शोधन कराने का कार्य भी एनएमसीजी द्वारा किया जाएगा। साथ ही जहां-जहां भी सीवेज पाइपलाइन चोक हैं अथवा सफाई की आवश्यकता है, उसे कराने का कार्य भी नमामि गंगे को दिया गया है। सभी कार्यों को अति शीघ्र शुरू कराने हेतु संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक अनुमोदन लेते हुए टेंडर निकालने का कार्य अति शीघ्र करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में त्रिवेणीपरम कॉलोनी स्थित इस एसटीपी के जिस भाग में पंपिंग स्टेशन बना है उस स्थान को छोड़कर बाकी की भूमि को विकसित करने की जिम्मेदारी प्रयागराज विकास प्राधिकरण को दी गई है। इसके दृष्टिगत भी मंडलायुक्त ने एक कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं।तत्पश्चात मंडलायुक्त ने छतनाग में निमार्णाधीन सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का भी निरीक्षण किया एवं उससे संबंधित आवश्यक जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त रवि रंजन, प्रयागराज विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष अरविंद कुमार चौहान समेत अन्य सभी अधिकारी गण उपस्थित रहे।

न्यूज झरोखा

हरियाली कृषि विकास संस्थान की बैठक संपन्न

सोरांव। मंगलवार को विकास खंड बहरिया के सभागार में संस्था के राष्ट्रीय सचिव दिनेश यादव की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि बीडीओ बहरिया सुनील कुमार सिंह की गरिमामई उपस्थिति में एक बैठक संपन्न की गई। बैठक में राष्ट्रीय सचिव दिनेश यादव द्वारा बताया गया कि ब्लाकों में सभी ग्राम पंचायत स्तर पर एक एक वसुंधरा बहू बनने के लिए महिलाओं का चयन होना है। यह महिलाएं गांव गांव जाकर किसानों को जैविक खाद के प्रयोग के प्रति किसानों को जागरूक करेंगे। साथ ही राष्ट्रीय सचिव ने संस्था के जिला प्रबंधक रामजी यादव से ब्लॉक के सभी ग्राम पंचायतों के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी सुनील सिंह द्वारा उक्त संस्था की सराहना करते हुए जिला प्रबंधक रामजी यादव को सभी ग्राम पंचायतों में सक्रिय महिलाओं को जोड़ने के दिशा निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा वसुंधरा की जिम्मेदारी गांव-गांव जाकर जैविक खाद के प्रयोग करने के तरीके व उसके फायदे व नुकसान के बारे में विस्तृत जानकारी देनी होगी। संस्थान द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रोफार्मा में किसानों का पूरा विवरण लिखना होगा। जिससे किसान का पंजीकरण हो सके। इस मौके पर एडवोकेट अनिल कुमार एमडी दिनेश यादव, डीडीओ मुकेश प्रजापति, प्रदीप कुमार , सुषमा कुमारी, पंकज कुमार, तथा वसुंधरा बहुएं उपस्थित रही।

एंटी रोमियो अभियान : छात्राओं को किया जागरूक

करछना। प्रयागराज जिले में एस एस पी प्रयागराज अजय कुमार पांडे के निर्देशन में चलाए जा रहे एंटी रोमियो अभियान के अंतर्गत मंगलवार को करछना थाना क्षेत्र में एंट्री रोमियो प्रभारी उमाकांत यादव एवम् महिला कांस्टेबल यूवी अंशारी के द्वारा जगह जगह महिलाओं और पढ़ने वाली छात्राओं को जागरूक करते हुए उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली साथ ही साथ उनके निस्तारण के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य और अभिभावकों से बात चीत की गई ,इस दौरान स्कूल के छात्र एवं छात्राओं तथा शिक्षक शामिल रहे ।

सचिव,प्रधान संग सफाई कर्मियों को बीडीओ ने किया सम्मानित

साहब! बाहर सराय गांव में कोई जाए और महाबली में लगे 500 पौधो को न देखें तो सफर बेकार

सोरांव। जहां एक तरफ सफाई कर्मियों को गांव से नदारत रहने और गांव को साफ सुथरा न करने की बातें अक्सर सुनी जाती हैं। वहीं सोरांव ब्लॉक के जिले में चर्चित ग्राम सभा बाहर सराय में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करने खंड विकास अधिकारी धीरेंद्र कुमार पहुंचे। तो गांव में नाली, खड़ंजा, स्कूल, महाबली परिसर में लगाय गए 500 से अधिक पौधों का भी निरीक्षण, पंचायत भवन आदि का निरीक्षण भी किए। तथा गांव ने साफ सफाई देखकर खुश हो गए। इतना ही नहीं तुरंत ग्राम पंचायत के जिम्मेदार अधिकारी अखिलेश कुमार और ग्राम प्रधान मनोरमा देवी को उपहार देकर तथा गांव में तैनात सफाई कर्मी छेदी लाल तथा सुरजीत कुमार को अंगवस्त्र(साल) देकर सम्मानित किए। इस मौके पर सचिव अजय कुमार यादव, प्रधान पति राम गणेश मौर्य, धर्मेंद्र कुमार, समशेर पटेल आदि दर्जनों लोग मौजूद रहे।

बेलन नहर प्रखंड की ओर से तालाबों में भरा जा रहा पानी

मेजा रोड। गर्मी को देखते हुए क्षेत्र के कई गांवों में इस समय नहरों से तालाबों में पानी भरा जा रहा है। बेलन नहर प्रखंड की ओर से रामनगर और माण्डा राजबहा के माध्यम से माइनरों द्वारा गांवों के तालाबों तक पानी पहुंचाया जा रहा है। मेजाखास, जरार, मरहा, तिगजा, खौर, पौसिया दुबे, पौसिया चौहान, जानकीगंज, बंधवा, बिर्तिया, मेजारोड, सोरांव, बकचूंदा, मटिही, रामनगर, मिश्रपुर, तरवाई, हुल्का, परानीपुर, कुंवरपट्टी, केशवपट्टी, मदरा, औंता, अखरीशाहपुर, नेवढ़िया, ऊंचडीह, आहोपुर, नहवाई आदि गांवों में तालाब तक पानी पहुंच गया है। ग्रामीणों ने बताया कि भीषण गर्मी के चलते सभी तालाब सूख गए हैं। ऐसे में तालाब भर जाने से पशुओं, पक्षियों को राहत मिलेगी वहीं किसानों को गर्मी में बोई जाने वाली फसलों की सिंचाई के लिए पानी मिलेगा।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

हाइवे पर खड़े ट्रक के पहिये से भिड़ी शिक्षक की बाइक गंभीर रूप से घायल

घूरपुर। क्षेत्र के घोघापुर गांव में मंगलवार की सुबह एक लकड़ी लदे ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी ।जिससे बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई । मौके पर पहुंची पुलिस ने बाइक सवार युवक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ।औद्योगिक थाना क्षेत्र के भरौहा गांव निवासी आशीष कुमार भारती (22) पुत्र रामजग भारतीय मंगलवार की सुबह अपनी बाइक से कहीं जा रहा था। घूरपुर थाना क्षेत्र के घोघापुर गांव पहुंचा था कि एक लकड़ी लदे बेकाबू ट्रक ने आशीष की बाइक में जोरदार टक्कर मार दी ।जिससे बाइक सवार आशीष कुमार की मौके पर ही मौत हो गई ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है । घटना की सूचना होते ही आशीष के परिजनों में कोहराम मच गया।

घूरपुर। विद्यालय की छुट्टी के बाद बाइक से घर जा रहे एक शिक्षक की बाइक इरादतगंज हाइवे किनारे खड़े ट्रक के पहिये से भिड़ गई। जिससे शिक्षक सड़क पर गिरकर बुरी तरह से घायल हो गए । सूचना पर पहुंचे अन्य शिक्षकों ने घायल शिक्षक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। जसरा ब्लॉक के सरसेड़ी प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक महेंद्र कुमार सिंह पटेल मंगलवार की दोपहर विद्यालय बंद होने के बाद अपनी बाइक से शहर स्थित घर के लिए निकले थे ।अभी उनकी बाइक घूरपुर बाजार को पार कर इरादतगंज बाजार में स्थित धर्मकांटा के सामने पहुंची थी कि अचानक हाइवे के किनारे खड़े एक ट्रक के पहिये से उनकी बाइक भिड़ गई । जिससे शिक्षक महेंद्र बाइक समेत सड़क पर गिर गए जिससे उनके सीने सहित शरीर के कई भागों में गंभीर चोटें आ गई । घटना की सूचना शिक्षकों को हुई तो मौके पर कंचन सिंह,डॉ एसपी सिंह,सुमन्त तिवारी सहित कई लोग पहुंचे और शिक्षक को कार में लादकर शहर के अस्पताल ले गए।

मांडा में विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

मेजा रोड। पारिवारिक कलह से आजिज विवाहिता ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंचे मायके पक्ष के लोगों ने कार्रवाई की मांग पर अड़ गए। करीब दो घंटे के बाद पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज सकी ।मेजा थाना क्षेत्र के कुर्की कला गांव निवासी रमेश यादव ने थाने में तहरीर दी कि उसकी चचेरी बहन मीना देवी (25) की शादी छह साल पहले मांडा थाने के बकुलिया गांव निवासी अमरेश यादव के साथ हुई। मंगलवार सुबह दस बजे रमेश को किसी ने फोन से सूचना दी कि उनकी बहन मीना ने फांसी लगाकर जान दे दी है। जब वे परिजनों के साथ बकुलिया गांव बहन के घर पहुंचे तो उसका शव दरवाजे पर तख्त पर रखा था। परिजनों व पड़ोसियों का कहना है कि विवाहिता ने चुल्ले में साड़ी से लटककर फांसी लगा ली थी। उसे बचाने के लिए फांसी से उतारा, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। लगभग दो घंटे तक परिजनों ने मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर पुलिस को पोस्टमार्टम के लिए शव नहीं दिया। इंस्पेक्टर मांडा अरुण कुमार ने बताया कि पंचनामा के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पूरे मामले में जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मीना देवी को दो बेटे युवराज (5) व प्रतीक (3) हैं। मीना के पति अमरेश खेती किसानी करते हैं।

क्षेत्र के विकास में पंचायत प्रतिनिधि सहयोग करें : मुकेश कुमार कोल

क्षेत्र पंचायत की बैठक : मूल भूत समस्याओं के निदान में पंचायतें तेजी लाएं : बीडीओ

अखंड भारत संदेश

कोरांव। क्षेत्र पंचायत कोरांव की खुली बैठक इंद्र प्रस्थ गार्डन कोरांव में संपन्न हुई। जिसमें बीडीसी मेंबर्स और ग्राम प्रधानों ने भाग लिया। साथ ही स्वास्थ्य,कृषि,बिजली,शिक्षा, पशु चिकित्सा विभाग,पंचायतीराज विभाग के डीसी पाठक तथा जिला पंचायत सदस्य ओंकार नाथ केसरी मौजूद रहे। बैठक की सदारत ब्लॉक प्रमुख कोरांव मुकेश कुमार कोल ने की तथा संचालन अवर अभियंता आर ई एस कोरांव जयनारायण सिंह ने किया। बैठक में अन्य कई विभाग के अधिकारी नदारद रहे। बैठक में सदन की कार्यवाही पिछली कार्यवाही पढ़ कर सुनाने के बाद ध्वनिमति से आगे बढ़ाई गई। सदस्यों ने सदन में अपने अपने ग्राम पंचायतों क्षेत्र पंचायतों के विभिन्न विकास कार्यों से संबंधित प्रस्ताव प्रस्तुत किए। जिसे।प्रमुख और सचिव खंड विकास अधिकारी मुकेश कुमार सिंह ने कार्यवाही में सूची बद्ध कर अग्रिम कार्यवाही का आश्वाशन दिया। सभी अधिकारी अपने अपने विभाग के बारे में सदन में जानकारी दी। कथित प्रतिपक्ष नेता सदन उमांशंकर सिंह पटेल ने पक्ष रखा कि सर्व।प्रथम जिन जिन क्षेत्रों में अभी तक विकास कार्य क्षेत्र समिति द्वारा नही कराई गई है वहां पहले विकास कार्य वरीयता से कराए जाएं। और किसी भी सदस्य प्रधानों की अनदेखी न हो। जिस पर सभी सदस्यों ने सदन में।स्वागत किया। सचिव खंड विकास अधिकारी मुकेश कुमार सिंह ने सभी सदन में उपस्थित सदस्यों अतिथियों का खैर मकदम किया। साथ ही प्रमुख का माल्यार्पण कर स्वागत भी किया। मुकेश कुमार सिंह बीडीओ ने सभी को बड़ी शालीनता पूर्वक आश्वस्त किया। सभी प्रश्नकर्ताओ का बखूबी जवाब देकर संतुष्ट किया। और विकास परक योजनाओं के क्रियान्वयन में पंचायतों के सहयोग का आश्वाशन दिया। और विकास से संबंधित सारी योजनाएं सरकार की मंशानुसार क्रियान्वित किए जाने का आश्वधान दिया। तथा जानकारियां दी। पेयजल संकट नाली आदि की साफ सफाई तथा वाटर सप्लाई जैसे विकास कार्यों की ओर जोर दिया।

क्षेत्र पंचायत कोरांव की खुली बैठक

चौपाल लगाकर दी गई विभिन्न योजनाओं की जानकारी

अखंड भारत संदेश

सहसों। विकासखंड सहसों के ग्राम सभा बभनकुईयां में मंगलवार को राजस्व पंचायती राज और ग्राम विकास के ग्राम स्तरीय कर्मियों द्वारा ग्राम प्रधान अशोक कुमार के समन्वय से एक ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। जिसके माध्यम से ग्रामीण जनता को स्थानीय समस्याओं का समाधान कराया गया। इस चौपाल में समस्त विभागों द्वारा अपनी अपनी योजनाओं से संबंधित लाभार्थी परक योजनाओं के पंजीकरण एवं समस्याओं के निस्तारण की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर मौजूद मुख्य अतिथि विधायक प्रवीण पटेल ने कहा इस चौपाल के माध्यम से सभी ग्राम सभा के निवासियों को जो जिस स्तर का है उसे वैसा लाभ मिलेगा। जैसे वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, शादी अनुदान, प्रधानमंत्री आवास, मुख्यमंत्री आवास आदि

चौपाल में मौजूद विधायक प्रवीण पटेल व अन्य।

योजनाओं से संबंधित पंजीकरण किया जाएगा। चौपाल में उपस्थित ब्लाक प्रमुख गीता सिंह ने कहा ग्रामीण पात्र लाभार्थियों के लिए शासन की मंशा है कि समाज के सबसे निचले व्यक्ति को सरकार की योजनाओं का लाभ मिले इस लिए सरकार ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए समय समय पर ऐसा आयोजन करती रहती है। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी सहसों बबिता गुप्ता ने चौपाल मे आए हुए ग्रामीणों को शासन द्वारा चल रही योजनाओं के बारे मे विस्तार से बताया। इस मौके पर मत्स्य विकास अधिकारी सुषमा जी, आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट अधिकारी अजय कुमार श्रीवास्तव, आयुर्वेदिक विभाग के तीर्थराज, सहायक विकास अधिकारी कृषि ओंकार नाथ यादव, सीडीपीओ बहादुरपुर अशोक चंद्र, बीटी देवनारायण पाल, एबीटी दीपक चतुवेर्दी व रमाकांत, समाज सेवी शिव नारायण सिंह गप्पू , पशु चिकित्सा अधिकारी सहसों डॉक्टर अनिल कुमार यादव, ग्राम विकास अधिकारी हेमंत सिंह, ग्राम विकास अधिकारी पंचायत नरेंद्र कुमार सहित ग्रामीण पात्र लाभार्थी मौजूद रहे। इसी तरह विकासखंड सहसों के ही ग्राम सभा मनापुर उर्फ बगई कला में ग्राम प्रधान प्रताप बहादुर सिंह के समन्वय में चौपाल लगाकर समस्त योजनाओं के बारे में ग्रामीण पात्र लाभार्थियों को जानकारी प्रदान की गई तथा उपस्थित लाभार्थियों का विभिन्न योजनाओं में पंजीकरण भी किया गया। चौपाल में ग्राम पंचायत सचिव आसमा सिंह सहित कृषि विभाग, चिकित्सा विभाग, उद्यान विभाग, समाज कल्याण विभाग, बैंक स्टाफ, पशु विभाग, फसल विभाग, पीडब्ल्यूडी विभाग, ग्राम पंचायत विभाग एवं सिंचाई विभाग के अधीनस्थ अधिकारीगण तथा ग्राम सभा के पात्र लाभार्थी ग्रामीण जानकारी के लिए उपस्थित रहे।

बड़ोखर में संपन्न हुई चौपाल ग्रामीणों की समस्याओं का हुआ निदान

रत्योंरा। विकासखंड कोरांव के ग्राम पंचायत बड़ोखर में किसान चौपाल के माध्यम से किसानों व ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गई। चौपाल में जिला कृषि अधिकारी सुभाष मौर्य के अलावा सहायक विकास अधिकारी कृषि कोरांव सुरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, ग्राम विकास अधिकारी इंद्र बहादुर सिंह, ग्राम प्रधान नन्हे सिंह समेत कई अन्य विभागीय अधिकारी कर्मचारी व भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों को चौपाल में रासायनिक खादों के प्रयोग के बजाय जैविक खादों के प्रयोग पर बल दिया गया। साथ ही साथ जैविक खाद से उत्पादित सब्जियों के सब्जियों के स्टाल भी लगाए गए थे। चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों को जैविक खेती के लिए प्रेरित किया गया। इसी प्रकार ग्राम विकास विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की ग्रामीणों को जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री आवास, शौचालय, मुख्यमंत्री आवास आर योजनाओं में कौन से और कैसे व्यक्ति पात्र होंगे आदि के लिए भी जागरूक किया गया।

दिन भर गायब रही बिजली पानी के लिए तरसे ग्रामीण

झूंसी। ग्रामीण इलाकों में की जा रही अघोषित बिजली कटौती से लोग बेहाल है। बिजली कटौती की वजह से ग्रामीण निकालो में पानी की भी समस्या उत्पन्न हो गई है मंगलवार को दर्जनों गांव में पूरे दिन बिजली गायब रही। गर्मी बढ़ने के साथ बिजली की खपत भी बढ़ गई है लेकिन ग्रामीम इलाको में 5 से 6 घंटे असमय बिजली कटौती की जा रही है। जिससे लोग बेहाल है। मंगलवार को कोटवा फीडर से जुड़े दर्जनों गांवों में पूरे दिन बिजली नही आई जिसकी वजह से ग्रामीणों ने पेड़ की छाव में दिन कटा साथ ही पानी के लिए हैण्ड पम्प व कुओ का सहारा लेना पड़ा। ग्रामीणों की माने तो कुछ दिनों से बिजली आपूर्ति बेपटरी हो गई है बिजली आने और जाने का कोई समय निर्धारित नहीं है कभी दिन तो कभी पूरी रात बिजली गायब रहती है। रात में घंटों बिजली गुल होने की वजह से गर्मी व मच्छरों के डंक की वजह से करवट बदल बदल कर रात गुजारनी पड़ रही है।

जंघई बाजार में जाम लगने के कारण नागरिकों में आक्रोश

अखंड भारत संदेश

जंघई। जंघई हंडिया मुख्य मार्ग पर लगने वाले जाम से आवागमन करने वालों के अलावा मुख्य बाजार में दुकानें संचालित करने वाले दुकानदारों की दुकानदारी भी प्रभावित हो रही है। जंघई बाईपास, स्टेट बैंक एवं बैंक आफ बड़ौदा, जंघई कालोनी आदि स्थानों पर सड़क पर अतिक्रमण के कारण, वाहनों को सड़क पर खड़ा करने के कारण रोज जाम लगता है।आम नागरिकों एवं बाजार में खरीददारी करने वाले ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।जंघई बाजार में पार्किंग न होने के कारण लोग सड़क पर बाइक चार पहिया वाहन खड़ा करके बाजार में खरीददारी करने चले जाते हैं। मुख्य बाजार काफी व्यस्त होने के साथ ही बेहद सकरा है जिससे छोटे-छोटे वाहन ही इस

जघंई बाजार में लगा भीषण जाम

रास्ते से बड़ी मुश्किल में निकल पाते हैं। ऐसे में यदि कोई बड़ा वाहन इस रास्ते से निकल जाए तो जाम लगना तय होता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि दोपहर बाद जाम की परेशानी और बढ़ जाती है दरअसल स्थानीय ग्रामीण बाजार खरीददारी करने आते हैं एवं बसों, ट्रकों के अलावा ऑटो, मैजिक वाहन, स्कूल वाहन बड़ी संख्या में बाजार में प्रवेश करते हैं। जो ज्यादातर मुख्य बाजार से निकलते हैं इस कारण मुख्य बाजार में जाम के हालात पैदा हो जाते हैं।पैदल चलने वाले, दो पहिया वाहन एवं साइकिल सवार कई बार गिर कर चुटहिल हो जाते हैं जाम लगने के कारण लोगों को परेशानी होती है।

बाणसागर के पानी से लहलहाएगी बासमती और काला जीरा

अखंड भारत संदेश

कोरांव क्षेत्र के किसानों के खिले चेहरे

रत्योंरा। यमुनापार के कोरांव में भी अब समय से धान की खेती होगी। धान का कटोरा कहे जाने वाले कोरांव के किसान बासमती, विष्णुभोग, सोनाचूर और काला जीरा धान की खेती समय से कर सकेंगे। बाणसागर परियोजना के तहत इस क्षेत्र में तैयार की गई नहर में पानी का संचार शुरू हो गया है। नहर में जल के प्रवाह के साथ ही इस क्षेत्र के किसानों की उम्मीद भी अब परवान चढ़ने लगी है।

कोरांव के पांच से सात हजार किसान करते है बासमती धान की खेती : पानी की कमी के कारण बासमती की पैदावार प्रभावित होती थी लेकिन अब बाणसागर परियोजना बासमती उत्पादन में मील का पत्थर बनेगी। मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश की इस सिंचाई परियोजना के तहत प्रयागराज के कोरांव व मेजा में सिंचाई का पानी आने लगा है। इस साल अभी से बाणसागर परियोजना की नहरें लबालब हैं।

खाड़ी देशों में पंसद किया जाता है कोरांव का बासमती चावल : कोरांव के बासमती और काला जीरा जैसे प्रमुख किस्म के चावल को खरीदने के लिए अलग-अलग राज्य के व्यापारी आते हैं। किसानों ने बताया कि कोरांव का बासमती खाड़ी देशों के खूब पसंद किया जाता है। इसके लिए अमेजन जैसी कई कंपनियां आगे आई हैं। कई कंपनियों ने तो यहां मिनी वेयर हाउस तो कई नामी-गिरामी कंपनियां बासमती की धान की खासतौर से कुटाई के लिए राइस मिल स्थापित कर चुकी हैं। किसानों का कहना है कि सिंचाई का साधन न होने के कारण ट्यूवेल और बारिश के सहारे धान की नर्सरी डाली जाती थी। लेकिन साल मई में ही इसकी नर्सरी डाल दी जाएगी। सिंचाई विभाग के अधिकारी ने बताया कि कोरांव में बासमती की नर्सरी को तैयार होने में चार हफ्ते से ज्यादा समय लग जाता है। इसलिए जून के दूसरे सप्ताह तक इसे रोपने के लिए पहले ही नर्सरी तैयार करनी होगी। किसानों की मांग पर बाणसागर परियोजना की नहरों को अभी से खोल दिया गया है जिससे किसान खेतों को तैयार करने में जुट जाएं।

20 हजार हेक्टेयर में होती है बासमती की खेती : जिले में 1.85 लाख हेक्टेयर में धान की खेती होती है। कोरांव में 18 हजार हेक्टेयर में लगभग पांच हजार किसान बासमती धान की खेती करते हैं। बासमती धान का अभी तक लगभग तीन हजार टन उत्पादन होता है, अब रकबा बढ़ाने के साथ ही अगेती फसल से उसे तीन गुना करने का लक्ष्य है। जिला कृषि अधिकारी सुभाष मौर्य ने कहा कि बाणसागर परियोजना शुरू होने से मेजा और कोरांव के किसानों को धान की खेती करने में अब सुविधा होगी। पानी की उपलब्धता के कारण बासमती धान की बेहतर खेती किसान कर सकेंगे। इससे पैदावार दो गुना तक बढ़ जाएगी। इस क्षेत्र के किसानों को पानी की समस्या से नहीं परेशान होना पड़ेगा। बासमती के अलावा,सोनाचूर, विष्णुभोग और काला जीरा जैसे प्रमुख किस्म के धान की खेती भी अधिक होगी।

शिक्षा के प्रति जागरूकता तथा मेहनत से ही मिल सकती है प्रगतिः कौशल किशोर

विरसिंहपुर में केन्द्रीय शहरी विकास राज्य मंत्री ने किया प्रतिमा का अनावरण

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्र के विरसिंहपुर गांव मे मंगलवार को केन्द्रीय शहरी विकास राज्य मंत्री कौशल किशोर तथा क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना ने समाजसेविकाओं स्वर्गीया रामदुलारी सरोज व रामपती सरोज की प्रतिमा का समारोह पूर्वक अनावरण किया।

वीरांगना ऊदा देवी स्मारक संस्थान के तत्वाधान मे प्रतिमा अनावरण समारोह मे केन्द्रीय मंत्री कौशल किशोर व विधायक आराधना मिश्रा मोना ने नारी सशक्तीकरण के क्षेत्र मे प्रभावी भूमिका को लेकर महिलाओं को सम्मानित भी किया। समारोह को बतौर मुख्यअतिथि संबोधित करते हुए केन्द्रीय शहरी विकास राज्य मंत्री कौशल किशोर ने कहा कि रामदुलारी सरोज व रामपती सरोज ने समाज के हर वर्ग के दबे कुचले लोगों की मदद कर नारी सशक्तीकरण के क्षेत्र मे प्रेरणास्पद योगदान दिया। उन्होनें समारोह मे गरीब तबके के लोगों से आजादी के अमृत महोत्सव के तहत अंग्रेजों द्वारा थोपी गयी नशे की प्रवृत्ति से बाहर आने के भी संकल्प लिये जाने का आहवान किया। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आजादी की दूसरी लड़ाई देश के नौजवानों को विदेशी शक्तियों द्वारा नशे के जरिए अर्कमण्य बनाने से बाहर लाने की लड़े जाने की आवश्यकता है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने भी रामपती तथा रामदुलारी के द्वारा सामाजिक उन्नयन की दिशा मे अपने जीवनकाल में सार्थक प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन सह संयोजक पूर्व प्रधान रामयश सरोज व आभार प्रदर्शन पूर्व जिपंस शक्ति सरोज ने किया।

समारोह को संबोधित करते केन्द्रीय शहरी विकास राज्य मंत्री कौशल किशोर।

राहगीरों के लिये ठंडा पेयजल उपलब्ध कराना एक पुनीत कार्यः सीओ सिटी

कुसुमी क्रासिंग पर डा0 रेहाना की याद में लगा सार्वजनिक वाटर कूलर

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राज्य महिला आयोग की पूर्व सदस्या मरहूमा डा0 रेहाना सिद्दीकी की याद में मंगलवार को अयोध्या-प्रयागराज राजमार्ग पर स्थित कुसुमी क्रासिंग के समीप उनके पुत्र आसिफ सिद्दीकी व अर्शलान सिद्दीकी ने पेयजल समस्या के निदान के लिये एक ठंडे पानी की मशीन (वाटर कूलर) स्थापित किया, जिसका उद्घाटन करते हुए सीओ सिटी अभय कुमार पाण्डेय ने करते हुए कहा इस भीषण गर्मी में ठंडा पेयजल उपलब्ध कराना एक पुनीत कार्य है। इससे राहगीरों व इस मार्ग से आने-जाने वालों को गर्मी में बहुत राहत मिलेगी।

बता दें कि डा0 रेहाना सिद्दीकी एक संघर्षशील महिला रही। वह गरीबों, मजबूरों की सदैव मदद करती रही हैं। उनके पुत्र आसिफ सिद्दीकी व अर्शलान सिद्दीकी अपनी माता के पदचिन्हों पर चलते हुए इस पाक महीने में राहगीरों के लिये वाटर कूलर की व्यवस्था सार्वजनिक लोगों के लिये की है। इस मौके पर समाजवादी पार्टी के नेता शशिकांत शुक्ला के अलावा दिवाकर सिंह एडवोकेट, मनीष सिंह, अजय कुमार, विपिन यादव, कमलेश यादव, मो0 फैज अंसारी आदि लोग मौजूद रहे।

वाटर कूलर का उद्घाटन करते सीओ सिटी अभय कुमार पाण्डेय।

पट्टी में लेखपाल पर पचास हजार रुपये रिश्वत लेने का आरोप

पीड़ित ने उपजिलाधिकारी पट्टी को दिया शिकायती पत्र

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। नवीन परती की जमीन को एक व्यक्ति से खाली करा कर दूसरे व्यक्ति को देने और उसके नाम करने के मामले में उप जिलाधिकारी पट्टी को शिकायती पत्र देकर पीड़ित व्यक्ति ने लेखपाल पर पचास हजार रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है। पीड़ित का कहना है कि उसने पैसा देने से इनकार किया तो लेखपाल उसके विपक्षी को उक्त जमीन उसके नाम कर रहा है।

पट्टी तहसील क्षेत्र के भैदपुर गांव का रहने वाला विजय बहादुर पुत्र रामबली मंगलवार की दोपहर पट्टी तहसील पहुंचा। उप जिलाधिकारी पट्टी को दिए गए शिकायती पत्र में उसने आरोप लगाया कि उसके क्षेत्र का रहने वाला लेखपाल उससे पचास हजार रिश्वत के रूप में मांगा, जिस पर उसने इंकार कर दिया। पीड़ित ने शिकायती पत्र में बताया कि नवीन परतीकी जमीन पर उसका बहुत पुराना कब्जा था। उक्त जमीन को लेखपाल खाली कराकर के उसके विपक्षी को उस पर कब्जा करा रहा है। पीड़ित का कहना है कि जब इस बात के लिए उसने आपत्ति जताई तो लेखपाल ने उससे पचास हजार रुपये की मांग की। पीड़ित ने रिश्वत देने में असमर्थता जताई जिस पर उसने आरोप लगाया कि लेखपाल विपक्षी से पैसा लेकर उक्त नवीन परती की जमीन पर कब्जा करा रहा है। शिकायती पत्र देकर पीड़ित ने अवैध कब्जा हटाने तथा संबंधित लेखपाल पर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उप जिलाधिकारी शिकायत पत्र लेकर मामले की जांच में जुटे हुए हैं।

धारदार हथियार तथा लाठी-डंडों से पीटकर युवक की निर्मम हत्या, भोर में हुई हत्या से क्षेत्र में सनसनी

युवक की मौत पर जुटी पुलिस व ग्रामीणों की भीड़।

अखंड भारत संदेश

पटटी, प्रतापगढ़। घर से लगभग सौ मीटर दूर बाग में युवक के सिर पर धारदार हथियार तथा लाठी-डंडों से पीट कर हत्या कर दी गई। शौच के लिए निकले ग्रामीणों ने जब युवक का शव देखा तो शोर मचाया। थोड़ी देर में वहां पर सैकड़ों ग्रामीण जुट गए। सूचना पर पुलिस पुलिस मौजूद लाठी-डंडे तथा साक्ष्य को अपने कब्जे में लिया। पट्टी तहसील के आसपुर देवसरा थाना अंतर्गत नौरंगाबाद गांव का रहने वाला सुनील दो भाइयों में छोटा है। उसके पिता राजेन्द्र कुमार की मौत बहुत पहले हो चुकी थी। वह इं.. द्वितीय वर्ष का छात्र था। रोज की तरह वह खाना पीना खाकर अपने कमरे में लेट गया। सुबह के समय उसकी लाश उसके घर से लगभग सौ मीटर दूर बाग में मिली। सुबह ग्रामीण शौच के लिए निकले तो खून से सने एक कपड़े से उसका शव ढका गया था। शक होने पर ग्रामीणों ने उसे हटाया तो अचंभित रह गए। शोर शराबा सुनने पर परिजन दौड़े पुलिस को सूचना दी गई तो मौके पर पुलिस पहुंची है और मामले की छानबीन में जुट गई है।

आशनाई में युवक की हत्या की जताई जा रही आशंका

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। युवक सुनील बीए द्वितीय वर्ष का छात्र था ऐसा माना जा रहा है कि उसकी हत्या आशनाई में हुई है। वह अपने साथ एक कपड़ा भी ले गया था आरोपियों ने उसकी हत्या करने के बाद उसी कपड़े से उसके शरीर को ढक दिया था। सुबह ग्रामीणों ने देखा तो परिजनों ने उस कपड़े को सुनील का ही बताया। ऐसे में इस बात की आशंका जताई जा रही है कि सुनील की हत्या आशनाई में हुई है वहीं ग्रामीण अभी तक पुलिस के सामने हत्यारों को खोजने तथा अपनी मांगों को रखने के लिए अड़े हुए हैं। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि मृतक की मां गांव के एक व्यक्ति का नाम हत्यारे के रूप में ले रही है।

चार अदद देसी बम के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। थाना हथिगवां उप निरीक्षक रोहित सिंह ने अपने हमराही के साथ क्षेत्र चेकिंग के दौरान थाना क्षेत्र के कैमा पुलिया के पास से मुखबिर की सूचना पर मो0 अलबसर पुत्र मो0 अजमल हुसैन निवासी ग्राम परेवा नारायनपुर थाना हथिगवां को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चार अदद नाजायज देशी बम बरामद किया। अभियुक्त के खिलाफ मु0अ0सं0 79/22 धारा 4/5 वि0प0अधि0 का अभियोग पंजीकृत कर न्यायालय भेजा।

पट्टी में सेवानिवृत्त शिक्षकों को किया गया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी नगर स्थित राम राज इंटर कॉलेज में मंगलवार की दोपहर सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित करने का कार्यक्रम रखा गया, जिसमें एक दर्जन से अधिक शिक्षकों को अंगवस्त्रम देकर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पट्टी नगर के कई शिक्षक तथा गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पट्टी नगर स्थित राम राज इंटर कॉलेज परिसर में शिक्षकों के सम्मान समारोह से पहले सुंदरकांड का पाठ कराया गया। सम्मान कार्यक्रम में रामराज शुक्ला के द्वारा जनपद में स्थापित विद्यालय तथा महाविद्यालयो के सेवानिवृत्त शिक्षकों के सम्मान समारोह में मुख्य रूप से राम कुमार पांडे, शीतला गंज के अध्यापक उमेश प्रसाद त्रिपाठी, मांधाता के गंगा प्रसाद मिश्र, पट्टी के जगदंबा प्रसाद श्रीवास्तव, पट्टी के संगम लाल शुक्ला, सीताराम इंटर कॉलेज ऐलाही के ज्ञान चंद्र मिश्रा, कमल कुमार त्रिपाठी विजय कुमार तिवारी, श्याम शंकर उपाध्याय, विनोद कुमार शुक्ला सहित दर्जनभर शिक्षकों को सम्मानित किया गया। एक अप्रैल से राम राज इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य का पद ग्रहण करने वाले रमेश चंद्र मिश्रा को भी सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के बाद लोगों को शीतल पेय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वाटर कूलर का शुभारंभ किया गया ,जिसके मुख्य अतिथि पट्टी तहसीलदार मनोज कुमार राय तथा नायब तहसीलदार पवन सिंह तथा रजिस्टार मनोज मिश्रा मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन कर रहे श्याम किशोर शुक्ला ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र के निमार्ता होते है। उनका सम्मान करना समाज का प्रथम कर्तव्य है। कार्यक्रम में पट्टी नगर के सैकड़ों शिक्षक व संभ्रांत लोग मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित करते श्याम किशोर शुक्ला।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में मौजूद भाजपा पदाधिकारी।

तीन चरणों में विभाजित है भाजपा का विकासः कौशलेन्द्र

भाजपा का तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भाजपा का तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम के वर्गाधिकारी पूर्व जिलाध्यक्ष गणेश नारायण मिश्र एवं अध्यक्षता हरिओम मिश्र ने की। प्रशिक्षण वर्ग का शुभारम्भ कौशलेन्द्र पटेल अध्यक्ष निछड़ा वर्ग आयोग के द्वारा श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीपप्रज्ज्वलन के साथ वर्ग गीत नवीन पर्व के लिये नवीन प्राण चाहिये से प्रारम्भ हुआ। उद्घाटन सत्र भाजपा का इतिहास और विकास और हमारा विचार परिवार पर बोलते हुए कौशलेन्द्र ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के विकास को तीन चरणों में विभाजित करके देखना चाहिये। सदस्य महिला आयोग सुमन सिंह ने कहा कि 2014 के महासमर में नरेन्द्र भाई मोदी के नेतृत्व सरकार बनी और भारत माता की जय वन्देमातरम् उद्घोष का विस्तार हुआ। ओम प्रकाश त्रिपाठी पूर्व जिलाध्यक्ष ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिये हमारी सरकार ने 20 लाख करोड़ रुपए के विषेश आर्थिक पैकेज की घोषणा किया। राघवेन्द्र नाथ शुक्ल मीडिया प्रभारी ने कहा कि 2014 और 2019 में देश की जनता ने हमें सेवा का अवसर दिया इससे हमें अपने विस्तार का मौका मिला है। जिला प्रभारी नागेन्द्र रघुवंशी ने कहा कि सोशल मीडिया पर कार्य करना एक हुनर है और एक कला भी प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता को समझनी चाहिये। जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्र ने कहा कि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार अपना पांच साल का कार्यकाल पूर्ण करके दूसरी बार सरकार में आ चुकी है। क्षेत्रीय महामंत्री सुशील त्रिपाठी ने कहा कि अविश्वास के इस वैश्विक दौर में भारत ने जरूरतमंद देशों के प्रति मित्रता का हाथ बढ़ाया है। इस वर्ग में प्रमुख रूप सदर विधायक राजेन्द्र मौर्य नगर पालिका अध्यक्षा प्रेमलता सिंह, रानीगंज पं अध्यक्ष मीरा गुप्ता, सिटी चेयरमैन अनिल मौर्य, राकेश सिंह पट्टी प्रमुख एलडीबी चेयरमैन सुबेदार सिंह वेदप्रकाश सिंह शिव प्रकाश मिश्र सेनानी, राजेश मिश्र राजन, राजेश सिंह आशीष श्रीवास्तव, पवन गौतम, सतीश चैरसिया महामंत्री आठो उपाध्यक्ष एवं जिला मंत्री, सभी विभाग एवं प्रकोष्ठ के संयोजक, क्षेत्रीय महिला मोर्चा कोषाध्यक्ष प्रतिभा सिंह प्रमिला शुक्ला, यशोदा, आशुतोष सिंह सभासद दिन्नू सिंह मौजूद रहे।

महिला को मारने तथा चोरी करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। चार दिन पहले वृद्ध महिला के घर में घुसकर धमकी देकर मारने पीटने तथा कीमती जेवरात उठा ले जाने के मामले में वृद्ध महिला की तहरीर पर कंधई पुलिस ने चार आरोपियों पर गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। पट्टी तहसील के कंधई थाना अंतर्गत कोठियाही गांव की रहने वाली सुशीला देवी पत्नी हनुमान सिंह ने इस संबंध में शिकायती पत्र दिया था, जिसमें उसने बताया था कि बीते 21 अप्रैल को दोपहर के समय उसके पड़ोसी अजीत प्रताप सिंह पुत्र रूद्र प्रताप सिंह आदित्य प्रताप सिंह पुत्र अजीत प्रताप सिंह, उत्कर्ष प्रताप सिंह पुत्र अजीत प्रताप सिंह, राजकुमारी पत्नी रूद्र प्रताप ने घर में घुसकर धक्का-मुक्की करते हुए पीड़ित वृद्ध महिला को लाठी डंडा तथा हाथों से जमकर मारा पीटा था। पीड़ित महिला ने आरोप लगाया था कि उसके सोने के जेवरात आरोपी उठा ले गए। 80 साल की महिला को आरोपियों ने मारपीट कर जख्मी कर दिया था पीड़ित महिला की तहरीर पर पुलिस ने मंगलवार को सभी चारों आरोपियों पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की विवेचना में जुटी हुई है।

पट्टी में जहरीले जंतु के काटने से एएनएम की मौत

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अमरगढ़ में थी कार्यरत

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। अपने घर में दोपहर के समय सो रही एएनएम को किसी जहरीले जंतु में डस लिया जिसके बाद वह अचेत हो गई। आनन-फानन में परिजन उसे पट्टी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां पर डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद उसे जिला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। रास्ते में जाते समय एएनएम की मौत हो गई जिससे परिजनों में कोहराम मच गया।

पट्टी तहसील क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरगढ़ में तैनात एवं प्रेमवती (57) पत्नी छेदीलाल सेन पट्टी तहसील के रेडीगारापुर बाजार में अपना मकान बनाकर रहती थी। सोमवार की शाम को अपने घर पर थी, तभी घर में घुसे किसी जहरीले जंतु ने प्रेमवती को डस लिया, जिससे वह अचेत हो गई। आसपास के लोग प्रेमवती को सेठ पन्नालाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पट्टी ले आए जहां पर डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद जिला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जिला मेडिकल कॉलेज पहुंचने से पहले ही प्रेमवती ने दम तोड़ दिया। प्रेमवती की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मृतका के बेटे राकेश चंद्र सेन ने इस संबंध में पट्टी कोतवाली में महिला की मौत की सूचना तथा पोस्टमार्टम के लिए तहरीर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर के पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया वही महिला के मूल निवास आवास विकास कॉलोनी प्रतापगढ़ में प्रेमवती की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

डिग्री कालेज कालाकांकर में वितरित हुआ टैबलेट

परियावां, प्रतापगढ़। मदन मोहन मालवीय पी जी कालेज कालाकांकर में महाविद्यालय की प्रबंधिका राजकुमारी रत्ना सिंह ने परास्नातक कक्षाओं के 23 छात्र/छात्राओं को टेबलेट का वितरण किया। पूर्व सांसद ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह उत्तर प्रदेश सरकार के विद्यार्थियों के लिये महत्वपूर्ण योजना है। टैबलेट के माध्यम से विद्यार्थी गण ज्ञानवर्धन के साथ साथ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकते हैं। प्राचार्य डॉ शिवम श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम संचालन अध्ययन केंद्र समन्वयक श्री भूपेश सिंह ने किया। इस अवसर पर राजभवन मैनेजर डॉ धनश्याम यादव व महाविद्यालय के शिक्षक डॉ सूर्यभान सिंह ,डॉ इंदुरेखा सिंह, प्रीति सिंह, प्रदीप सिंह, डॉ रेखा सिंह, डॉ उग्रसेन सिंह, डॉ विनीता सिंह, डॉ हवलदार सिंह डॉ रामकरन,डॉ सृष्टि कुशवाहा, ज्योति गुप्ता, सर्वेश सिंह, डॉ उमा सिंह, प्रीति सिंह, एस पी सिंह, अनिल सिंह एवं कालेज के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

पट्टी पुलिस का गुड वर्क, अधेड़ को दुर्घटना में तड़पता देख अस्पताल पहुंचाया

अज्ञात बोलेरो चालक की टक्कर से घायल हुआ था अधेड़

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। लोगों की सुरक्षा के लिए सजग रहने वाली डायल 112 पुलिस सिर्फ मारपीट, लड़ाई झगड़े तक ही सीमित नही है, समाज मे पुलिस का खौफनाक चेहरा कभी-कभी उनके गुड वर्क से सकारात्मक चेहरा भी दिखता है।मंगलवार को सड़क हादसे में तड़प रहे एक अधेड़ को देखकर डायल 112 पुलिस ने बिना एम्बुलेंस का इंतजार किये बिना डायल 112 वाहन से अस्पताल पहुंचाया जिसकी लोग प्रसंशा कर रहे है। पड़ोसी जनपद सुल्तानपुर के चांदा थाना अंतर्गत रजवा भानपुर गांव का रहने वाला मोतीलाल अपनी पत्नी को बाइक से लेकर पट्टी दवा कराने के लिए मंगलवार की दोपहर आ रहा था। पट्टी बीबीपुर नहर के समीप जैसे वह पहुंचा पट्टी की तरफ से चांदा जा रही एक अज्ञात बोलेरो चालक ने मोतीलाल के बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया,

अज्ञात बोलेरो चालक ने मोतीलाल के बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया, जिससे वह पत्नी सहित सड़क के किनारे गिर गया और तड़पने लगा वहां पर थोड़ी देर में लोगों की भीड़ जुट गई।

जिससे वह पत्नी सहित सड़क के किनारे गिर गया और तड़पने लगा वहां पर थोड़ी देर में लोगों की भीड़ जुट गई। किसी ने एंबुलेंस को फोन किया लेकिन एंबुलेंस नहीं पहुंची तो वहां से गुजर रही डायल 112 पर तैनात कांस्टेबल अनूप मिश्रा ने अधेड़ मोतीलाल को तड़पते हुए देखा तो वाहन रोक दिया।

होमगार्ड हरकेश यादव की मदद से मोतीलाल और उनकी पत्नी को दोनों ने वाहन में लादकर सेठ पन्नालाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पट्टी ले आया गया और दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया जिस पर मोतीलाल ने दोनों पुलिसकर्मियों को हाथ जोड़कर धन्यवाद दिया। जहां एक तरफ पुलिस का नकारात्मक चेहरा लोगों के सामने दिखाई देता है वही पुलिस की दरियादिली और गुड वर्क के कारण लोग अनूप मिश्रा और हरकेश यादव की प्रशंसा करते हुए नहीं थक रहे हैं।

न्यू रीवरडेल स्कूल में टीकाकरण कैम्प कल

प्रतापगढ़। न्यू रीवर डेल स्कूल, नरसिंह भान का पुरवा में 28 अप्रैल दिन गुरुवार को सुबह 11 बजे से सायं तीन बजे तक 12 वर्ष से ऊपर की आयु के सभी लोगों का टीकाकरण कैम्प का आयोजन किया गया है। साथ ही बूस्टर डोज भी लगया जायेगा। सभी लोग टीकाकरण कैम्प में शामिल होकर इसका लाभ उठाएं।

खबर संक्षेप

कविता के माध्यम से सिखाए जाते हैं बच्चों को नित नए संस्कार

कौशांबी। विकासखंड मंझनपुर अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय टेंवा प्रथम में चहक कार्यक्रम के तहत कक्षा-1के बच्चों का स्वागत विद्यालय के शिक्षकों द्वारा किया गया। बच्चों को गुब्बारे देकर एवं स्वागत गीत गाकर स्वागत किया गया। बच्चों को कागज से गेंद बनाना सिखाया गया स्कूल रेडिनेस कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को " चंदा मामा दूर के" कविता गतिविधि के माध्यम से सिखाया गया। बच्चों को अच्छी सी कहानी भी सुनायी गयी कार्यक्रम से छात्र बहुत खुश हुए। बच्चों की गतिविधि का संचालन सहायक अध्यापक अजय कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया श्री श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु नए–नए तरीके अपनाकर गतिविधियों के द्वारा मानसिक शारीरिक शैक्षिक विकास निरंतर किया जाता रहता है इस बात की चर्चे क्षेत्र में बनी रहती है अभिभावक प्रशंसा करते रहते हैं।

अज्ञात महिला की हुई शिनाख्त

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के टेवा पुलिस लाइन के पास मंगलवार को सड़क हादसे में मृतक महिला की परिजनों ने पहचान कर ली है परिजनों के मुताबिक ऊषा देवी 45 वर्ष पत्नी फकीरे सरोज निवासी गौसपुर टिकरी थाना मंझनपुर के रूप में महिला की पहचान की गई उषा देवी दमा बीमारी से पीड़ित थी दमा श्वास की दवा लेने वह करारी थाना क्षेत्र के लहना गांव अपने बुआ के यहां जा रही थी तभी अज्ञात वाहन से दुर्घटना होने से उषा देवी की मौके पर मौत हो गई है परिजन कल से महिला की खोजबीन कर रहे थे कपड़ों के माध्यम से पति और पुत्री ने उषा देवी को अपने मां के रूप में पहचान की है।

30,000 नकदी गहने चोरों ने किया पार

कौशाम्बी। महेवा घाट थाना अंतर्गत सरसवा गांव का मजरा कठारे गांव में सोमवार रात छितानी कोरी के परिजन खाना खा पीकर सो रहे थे छत के रास्ते से घुसे चोरों ने कमरे के अंदर रखे 30,000 नगदी बक्से में रखे कीमती गहने और दो संदूक चोरों ने पार कर दिया जैसे इसकी जानकारी सुबह परिजनों को हुई तो हड़कंप मच गया सूचना पर पहुंची इलाकाई पुलिस भी छानबीन में जुट गई है।

छत पर सो रहा युवक गिरा इलाज के दौरान हुई मौत

युवक की मौत के बाद परिजनों में मचा रहा कोहराम
कड़ा धाम कोतवाली क्षेत्र के गडरिया पुर की घटना

अखंड भारत संदेश

अझुवा कौशाम्बी। कड़ा धाम कोतवाली क्षेत्र के गडरिया पुर गांव में बीती रात एक युवक छत पर सो रहा था आधी रात को अचानक छत से नीचे गिर गया है घायल अवस्था में परिजन इलाज के लिए युवक को अस्पताल लेकर गए लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अनूप साहू उम्र लगभग 27 वर्ष पुत्र पंचम लाल निवासी गडरिया पुर थाना कड़ा धाम बीती रात छत पर सो रहा था आधी रात को युवक पेशाब करने के लिए उठा पूरी तरह से नींद से जाग ना पाने के चलते युवक अचानक छत से नीचे गिर गया जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया परिजनों को जानकारी होने पर घर में कोहराम मच गया आनन फानन घायल युवक को परिजनो ने कड़ा के सीएचसी अस्पताल में भर्ती कराया गंभीर स्थित होने पर डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल के लिए रिफर कर दिया जहां पर उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई है युवक की मौत होने पर परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

युवक की मौत के बाद रोते बिलखते परिजन

किसान भागीदारी प्राथमिकता हमारी अभियान 01 मई 2022 तक संचालित

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के सभी लाभार्थियों को किसान क्रेडिट कार्ड से संतृप्त किया जायेगा

कौशाम्बी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के सभी लाभार्थियों को के0सी0सी0 (किसान क्रेडिट कार्ड) से संतृप्त करने हेतु ह्णकिसान भागीदारी प्राथमिकता हमारीह्ण अभियान 24 अप्रैल से 01 मई 2022 तक चलाया जा रहा है। इस अभियान में सभी ऐसे किसान जिन्होंने अभी तक के0सी0सी0 (किसान क्रेडिट कार्ड) नही बनवाया है, वे अपने जमीन के दस्तावेज के0वाई0सी0 के साथ किसान क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं। भारत सरकार के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय द्वारा देश में सभी किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों को किसान क्रेडिट कार्ड से संतृप्त करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही पशुपालक एवं मत्स्य पालक किसानों को भी क्रेडिट कार्ड से संतृप्त किया जायेगा। सभी किसानों को प्रधानमंत्री जन-धन योजना के अंतर्गत सामाजिक सुरक्षा योजनाओं यथा-प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना में नामांकन भी कराया जायेगा।

प्रदेश सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए संकल्पित

कौशाम्बी। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित अनुसूचित जाति एवं सामान्य वर्ग की पुत्रियों हेतु शादी अनुदान योजना के अन्तर्गत अनु0जाति एवं सामान्य वर्ग जिनकी वार्षिक आय ग्रामीण क्षेत्र में रू0 46080 तथा नगरीय क्षेत्र में रू0 56460 से अधिक न हो, के पुत्रियों की शादी अनुदान हेतु रू0 20 हजार की एक मुश्त धनराशि दिये जाने का प्राविधान है। शादी अनुदान हेतु इच्छुक पात्र ऑनलाइन आवेदन करने के उपरान्त आवेदन पत्र की हार्डकापी समस्त संलग्नकों सहित सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय एवं नगरीय क्षेत्र से सम्बन्धित उपजिलाधिकारी कार्यालय में जमा कर सकते हैं। खण्ड विकास अधिकारी/उपजिलाधिकारी द्वारा आवेदक के पात्रता का सत्यापन अपने क्षेत्रीय कर्मचारियों से कराते हुये पात्रता की दशा में अनुदान स्वीकृति की संस्तुति कर ऑनलाइन फारवर्ड करने के साथ ही समस्त आवेदन पत्रों की हार्डकापी अपनी संस्तुति सहित जिला समाज कल्याण कार्यालय में उपलब्ध कराया जाता है। जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा पी0एफ0एम0एस0 सर्वर से रिस्पान्स के फलस्वरूप लॉगिन पर प्राप्त तथा उपलब्ध कराये गये आवेदन पत्रों की हार्डकापी के साथ संलग्न प्रपत्रों का परीक्षण कराते हुये जिला स्तरीय समिति से अनुदान स्वीकृत कराकर कोषागार के माध्यम से शादी अनुदान की धनराशि रू. 20 हजार का एक मुश्त लाभार्थी के बैंक खाते में अन्तरित किये जाने का प्राविधान है।

न्यूज झरोखा

अपर मुख्य सचिव के आदेश पर कौशांबी में नहीं हो रहा अमल

कौशांबी। उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी ने 23 अप्रैल को पत्र जारी कर प्रदेश के समस्त जिलाधिकारी पुलिस अधीक्षक को निर्देशित किया था कि अवैध टेंपो विक्रम बस अड्डे का संचालन नहीं होगा लेकिन अपर मुख्य सचिव के आदेश आने के बाद शासन को गुमराह करने में जिम्मेदार लग गए हैं मंझनपुर मुख्यालय से बिना परमिट के तीन दर्जन अवैध बसें भरवारी मूरतगंज होकर इलाहाबाद के लिए संचालित होती थी स्थान बदलकर यह बसें अभी भी संचालित हो रही है अपर मुख्य सचिव का आदेश आने के बाद मंझनपुर चौराहे से चलने वाली बसें पुराने सीएमओ कार्यालय की सड़क से संचालित की जाने लगी हैं जबकि इन बसों को बंद किए जाने का निर्देश शासन स्तर से जिले को मिला है इतना ही नहीं मंझनपुर में स्थान बदलकर अवैध बसों के संचालन में कोखराज चरवा पूरा मुफ़्ती धूमनगंज और प्रयागराज के खुल्दाबाद कैंट थाना पुलिस की भूमिका भी सवालों के घेरे में है अवैध बसें सड़कों पर बेखौफ दौड़ रही है लेकिन आधा दर्जन थाना पुलिस तमाशबीन बनी है अवैध बसों के संचालन से प्रत्येक थाने के सिपाही अपने हिस्सेदारी वसूली तक सीमित है अपर मुख्य सचिव का निर्देश आने के बावजूद एआरटीओ और यातायात पुलिस अवैध बसों के संचालन पर रोक लगाती नहीं दिख रही है जिले के थानेदार और कोतवाल का कहना है कि इन अवैध बसों के संचालन के लिए एसडीएम स्तर से स्थान निर्धारित किए जाएंगे और वहां से बस चलेंगी अब सवाल उठता है कि जब अवैध बसों के संचालन से राजस्व को बड़ा नुकसान होता है तो इन अवैध बसों के संचालन पर अपर मुख्य सचिव के रोक लगाए जाने के बाद किस स्वार्थ से जिले में बसे संचालित हो रही है जो व्यवस्था पर बड़ा सवाल है।

डबल टायर फटने से ट्राला पलटा, ड्राइवर गम्भीर घायल

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र में नगर पंचायत अझुवा से कुछ दूर भौंतर मोड़ पर कोयला लदा ट्राला फ ख52 ॠ अ3059 राष्ट्रीय राजमार्ग पर पलट गया है। हादसे में ड्राइवर ट्रक के नीचे दब गया जिससे वह गंभीर घायल हो गया। जानकारी के अनुसार कोयला लदा ट्राला कानपुर की ओर से प्रयागराज की तरफ जा रहा था प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भौंतर मोड़ के पास जोरदार स्पीड में ट्राला के बगल के 2 टायर ब्लॉस्ट हो गए जिससे ट्राला सड़क पर पलट गया ट्राला पलटते हुए दूसरी मार्ग पर दो हिस्सों में बंट गया ड्राइवर उसके नीचे ही दब गया दुर्घटना देख हड़कम्प मच गया ड्राइवर को मौके पर मौजूद भीड़ ने निकाला सूचना पर मौके पर पहुंची अझुवा पुलिस ने गम्भीर घायल ड्राइवर को नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया है सड़क हादसे में घायल चालक का नाम गिरधारी चौधरी पुत्र बालूराम निवासी गोटियाना अजमेर बताया जाता है राष्ट्रीय राजमार्ग पर पलटे ट्रॉला और कोयले को हटवाने में पुलिस जुट गई है।

गरीब की बेटी की शादी में मदद को जि.पं. सदस्य ने बढ़ाया हाथ

कौशाम्बी। गरीब की बेटी की शादी में मदद के लिए जिला पंचायत सदस्य ने हाथ बढ़ाया है और उन्होंने शादी के 2 दिन पूर्व परिजनों को आर्थिक मदद के साथ साथ सामग्री भी उपलब्ध कराई है मेरा वार्ड मेरा परिवार की सोच के तहत मेरा एक ही संकल्प एक ही लक्ष्य असहाय व गरीबों की मदद करने के कथन को चरितार्थ करते हुए जिला पंचायत सदस्य मीनू योगेश साहू ने ग्राम गौसपुर के निवासी अर्चना राजपूत की सुपुत्री अनिता देवी की शादी के लिए अनाज रिफाइंड तेल नगदी का सहयोग किया है बताते चलें कि अनीता देवी की शादी दिनांक 27 अप्रैल को निश्चित है शादी में आर्थिक सहयोग और आवश्यक सामग्री मीनू योगेश साहू जिला पंचायत सदस्य जिला संयोजक पंचायत प्रकोष्ठ भाजपा कौशाम्बी ने दिया है।

जनसमर्थन से नहीं बल्कि संगीनों के साए में 2024 का चुनाव जीतना चाहते हैं सांसद!

सुशील केशरवानी

सत्य की लेखनी चलती रही तो 2024 में यह तय है कि सांसद का राजसी ठाठ बाट बदल जाएगा

कौशाम्बी। आजादी के बाद 1952 से लेकर लंबे अंतराल तक क्षेत्र में चुने जाने वाले सांसदों को अपने चरित्र बल पर इतना आत्मविश्वास रहता था कि किसी संगीन धारी की आवश्यकता उन्हें नहीं पड़ती थी जनता जनार्दन को भगवान मानकर उनकी बातें सुनकर सांसद न्याय पूर्ण तरीके से जन समस्याओं का समाधान करने का काम किया करते थे।

कालांतर में गिरते नैतिक मूल्यों के चलते माननीयो या सांसद को भी जनता जनार्दन के बीच अपना दबदबा बनाने के लिए सरकारी या गैर सरकारी संगीन धारियों की जरूरत पड़ रही है शायद यह उनकी गलतफहमी है कि जनता उनका समर्थन करेगी और लगातार बार वह चुनाव जीतते रहेंगे विधानसभा चुनाव के बाद सांसद भी संगीनो के घेरे में जनप्रतिनिधित्व करना चाहते हैं एक दो गनर नहीं बल्कि आधा दर्जन से अधिक संगीन धारियों का सुरक्षा कवच बनाकर कई लग्जरी वाहनों में सांसदीय क्षेत्र में भ्रमण करते सांसद देखे जाते हैं शायद संगीनों का असर है कि चुनाव के समय में नीचे से पैर छूने वाले सांसद अब बात बात पर उत्तेजित हो जाते हैं इसी स्वभाव के चलते सांसद अब सच्ची बात सुनने और उस पर विचार करने के बजाए आम जनता पत्रकारों को भी फर्जी मुकदमे में फंसाने की कुचेष्ठा शुरू कर चुके हैं लेकिन शायद उन्हें यह पता नहीं है कि सत्य कभी पराजित नहीं होता है कुछ समय के लिए सत्य परेशान जरूर हो सकता है लेकिन यदि सत्य की लेखनी चलती रही तो 2024 में यह तय है कि सांसद का राजसी ठाठ बाट बदल जाएगा और अपने पुराने स्थान बाग बगीचों में उनका जाना तय माना जा रहा है।

सराय अकिल कोतवाल के कारनामे से फिर एक बार हुई पुलिस वर्दी शर्मसार

अखंड भारत संदेश

गैर जनपद में भी तैनाती के दौरान सराय अकिल थानेदार पर लग चुके हैं गम्भीर आरोप, सराय अकिल थाना परिसर में कई दर्जन महिलाओं ने थानेदार के विरुद्ध खोला मोर्चा

कौशाम्बी। सराय अकिल कोतवाल के कारनामे से बार-बार पुलिस वर्दी शर्मसार हो रही है पुलिस वर्दी को कलंकित कर नियम विरुद्ध तरीके से थाने का संचालन करने में कोतवाल जुटे हुए हैं जिससे इलाके की जनता में भय व्याप्त है पुलिस महकमे को बदनाम कर कोतवाल मनमानी पर उतारू है गैर जनपद में भी तैनाती के दौरान सराय अकिल थानेदार पर गंभीर आरोप लग चुके हैं पीड़ितों पर अत्याचार और अपराधियों को संरक्षण देना इनकी दिनचर्या में शामिल हो गया है जिससे आम जनता में आक्रोश पनप रहा है। मंगलवार को फिर सराय अकिल थाना परिसर में कई दर्जन महिलाओं ने थानेदार के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है जमकर पुलिस प्रशासन विरोधी नारेबाजी हुई है लेकिन महिलाओं की बात सुनने और उसका न्याय पूर्ण निस्तारण करने के बजाए कोतवाल वर्दी के रौब पर महिलाओं पर दबाव बनाते देखे गए हैं पुलिस वर्दी शर्मसार करने वाले कोतवाल पर पुलिस आला अधिकारी लगातार उनके कार्यों को नजरअंदाज कर रहे हैं जिससे योगी सरकार की निष्पक्ष जांच प्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं थाना परिसर में नारेबाजी कर रही महिलाओं ने खुलेआम कोतवाल पर घूसखोरी बंद करने का आरोप लगाया है कोतवाल के कारनामे से त्रस्त न्याय मांगने गई महिलाओं को न्याय देने के बजाय उनकी आवाज दबाने के लिए उन पर फर्जी मुकदमा दर्ज करने की पुलिस तैयारी कर रही है इस मामले को आला अधिकारियों को संज्ञान लेना होगा और दोषी कोतवाल पर कार्यवाही करनी होगी और पीड़ित महिलाओं को न्याय देना होगा तभी योगी सरकार की न्याय प्रणाली लागू हो सकेगी।

फरियादियों पर रौब गांठते थानेदार

दो महीने बाद भी मोबाइल छिनैती का नहीं दर्ज हुआ मुकदमा

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। पिपरी थाना क्षेत्र के तिल्हापुर बाजार से 17 फरवरी को राम बाबू केसरवानी पुत्र छेदीलाल का मोबाइल छीन कर आरोपी फरार हो गए थे मामले की सूचना पुलिस ने स्थानीय पुलिस को दी थी कुछ दिन बाद मामले की सूचना पीड़ित ने एसपी कार्यालय में भी दी लेकिन 2 महीने बीत जाने के बाद भी पुलिस ना तो मोबाइल को बरामद कर सकी है और ना ही छिनैती करने वाले लोगों को पुलिस गिरफ्तार कर सकी है धीरे-धीरे 2 महीने से अधिक का समय बीत गया लेकिन मोबाइल छिनैती का मुकदमा थाना पुलिस ने नहीं दर्ज किया है 25 अप्रैल को फिर पीड़ित रामबाबू केशरवानी पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा है और उसने पुनः शिकायती पत्र देते हुए मोबाइल छीनने की घटना दर्ज करने की मांग की है।

मुकदमा वापस लेने के लिए दिया प्रार्थना पत्र

कौशांबी। विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान डिप्टी सीएम के पुत्र योगेश मौर्या के साथ अभद्रता करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है मुकदमा दर्ज किए जाने के बाद योगेश मौर्य ने मुकदमा वापस लेने के लिए एडिशनल एसपी को पत्र दिया है योगेश मौर्य डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के है पुत्र है पैइंसा थाने में 48 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी विधानसभा चुनाव के दौरान फरवरी में योगेश मौर्य ने अपने साथ घटना दिखाई थी चुनाव बाद 23 अप्रैल को थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है योगेश ने कहा कि नौजवानों का भविष्य बर्बाद ना हो और क्षेत्र की जनता के साथ कार्यवाही ना हो इसलिए लोगों के भावनाओं का आदर करते हुए मुकदमा वापस लिया गया है।

किसान मेला : किसानों को दी गई जानकारी

केन्द्रीय कृषि कल्याण मंत्री नरेन्द्र तोमर ने विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों में उपस्थित कृषकों से सीधी बात चीत करके तकनीकी दक्षता आयोजित किया

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर मोहनापुर में मंगलवार को किसान मेंला का आयोजन किया गया किसान मेला की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी ने किया है किसान भागीदारी प्राथमिकता हमारी अभियान के तहत सैकड़ों की संख्या में किसान कार्यक्रम में उपस्थित रहें बेबीनार फेमा के माध्यम से केन्द्रीय कृषि कल्याण मंत्री नरेन्द्र तोमर ने विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों में उपस्थित कृषकों से सीधी बात चीत करके तकनीकी दक्षता आयोजित किया किसान मेला कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि जयसिंह उप कृषि अधिकारी जिला उधान अधिकारी जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि योगेश साहू एंव कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा अजय कुमार, डां मनोज कुमार, डॉ आशीष श्री वास्तव व अन्य वैज्ञानिक ने संवाद माध्यम से किसानों को कृषि के बारे में जानकारी दी इस कार्यक्रम में इलाके के तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे।

किसान मेला में उपस्थित अधिकारी व नेता तथा मौजूद किसान

पुलिस के समर्थन से ठगी का आरोपी विदेश भागने की फिराक में

कौशाम्बी। पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के दान पुर गांव निवासी रामकृपाल पुत्र बुधराम के बेटे परवेश कुमार को विदेश भेजने के नाम पर 80 हजार रुपए की ठगी करने वाले आरोपी के विरुद्ध थाने से लेकर पुलिस कप्तान कार्यालय तक पीड़ित परिजनों ने शिकायत की लेकिन आरोपी पर कार्यवाही नहीं हो सकी है सूत्र बताते हैं कि रामकृपाल के बेटे को विदेश भेजने के नाम पर 80 हजार रुपए गद ठग लेने वाला रफीक खुद विदेश जाने की तैयारी में है उसका पासपोर्ट वीजा बन चुका है और वह 10 मई को विदेश जाने की तैयारी कर रहा है रामकृपाल के बेटे को जब आरोपी विदेश नहीं भेज सका तो इस बीच में रामकृपाल ने कई बार आरोपी से अपने रकम की मांग की जिस पर टालमटोल होता रहा अपनी रकम बार-बार मांगने के बाद आरोपी की बातों से भरोसा टूट जाने के बाद रामकृपाल ने पुलिस की चौखट में फरियाद शुरू कर दिया लेकिन थाना पुलिस से भी न्याय नहीं मिल सका आरोपी पर मुकदमा दर्ज करने के बजाय पुलिस मामले में 15 दिन आरोपी को बचाने का प्रयास कर रही है जिससे आरोपी विदेश चला जाए और उस पर मुकदमा ना दर्ज हो सके पीड़ित ने फिर पुलिस अधिकारियों को पत्र भेजकर आरोपी पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

अधीक्षण अभियंता ने सचल अनुरक्षण दल को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

कौशाम्बी। प्रदेश के उजार्मंत्री के निदेर्शानुसार जनपद में विद्युत अनुरक्षण हेतु सचल अनुरक्षण दल का गठन किया गया है जनपद मे अधीक्षण अभियंता, विद्युत वितरण खण्ड सुशील कुमार श्रीवास्तव द्वारा सचल अनुरक्षण दल को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया सचल दल द्वारा जनपद में विभिन्न विद्युत फीडरों की नियमित रूप से देख-रेख कर विद्युत अनुरक्षण का कार्य किया जायेगा जिससे जनपद में होने वाली विद्युत की समस्याओं को कम किया जा सके तथा बेहतर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी इस अवसर पर अधिशासी अभियंता अंकित कुमार एवं अवर अभियंता विनम्र पटेल सहित अन्य सम्बन्धित लोग उपस्थित रहें।

गली के खड़ंजा को उखाड़ कर रास्ते पर दबंगों ने किया कब्जा

शिकायत के बाद सरकारी नुकसान की वसूली और अराजकता करने वाले पर नहीं दर्ज हुआ मुकदमा

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। मंझनपुर विकास खण्ड क्षेत्र के देवरा गांव में गली का खड़ंजा उखाड़ कर रास्ते पर कब्जा करने वालों पर कार्यवाही नहीं हो सकी है रास्ता बंद कर दिए जाने से ग्रामीणों को दिक्कतों से जूझना पड़ता है शिकायत के बाद भी पुलिस ने आरोपियों पर कार्रवाई नहीं की है जिस पर डीएम मुख्यमंत्री डीपीआरओ सहित विभिन्न अधिकारियों को शिकायती पत्र भेजकर गली का खड़ंजा उखाड़ने वाले पर कार्यवाही की मांग की गई है।

बताते चलें कि देवरा गांव की लता श्रीवास्तव के घर के पीछे शिव मंदिर को जाने वाली सैकड़ो वर्ष पुराने रास्ता गली में पंचायत विभाग द्वारा सरकारी योजना से बीते वर्षो में खड़ंजा लगाया गया था इस खड़ंजा को गांव के बबलू कुम्हार पुत्र बुधई ने कुछ समय पूर्व उखाड़ दिया है और गली के रास्ते को अपने घर मे शामिल कर कब्जा कर लिया है गली के रास्ते से पानी बहता था और गली में कब्जा करने से पानी की निकासी रुक गयी है जिससे गली से आना जाना भी पूरी तरह से रुक गया है मामले की सूचना पुलिस को दी गयी थी लेकिन सरकारी संपत्ति के नुकसान के मामले को लेकर पुलिस गंभीर नही है जिससे सरकारी संपत्ति को नुकसान करने वाले बबलू कुम्हार पर अभी तक ठोस कार्यवाही नही हो सकी है। बताया जाता है कि देवरा गांव में गली से खड़ंजा उखाड़ने के बाद बबलू कुम्हार उसका ईट उठा ले गया और अपने घर के बाहर गली में दरवाजा लगा कर गली रास्ते पर खुद कब्जा कर लिया जिससे गली पूरी तरह से बन्द हो गयी है और पानी की निकासी भी बन्द हो गयी पंचायत विभाग के अधिकारियों के आदेश के बिना गली का खड़ंजा उखाड़ कर उठा ले जाने से सरकारी संपत्ति को बड़ा नुकसान हुआ है जो गम्भीर अपराध है और दोषी बबलू कुम्हार के इस कारनामे पर उसे दण्ड दिया जाना राजस्व हित मे आवश्यक है सरकारी खड़ंजा को उखाड़ कर पंचायत विभाग को आर्थिक क्षति पहुचाने वाले बबलू कुम्हार पर अभी तक पंचायत सचिव ने मुकदमा दर्ज करा कर सरकारी नुकसान की वसूली नही कराई है शिकायतकर्ता लता श्रीवास्तव का कहना है कि गली का खड़ंजा उखाड़ने वाले बबलू पर मुकदमा दर्ज करा कर सरकारी नुकसान की वसूली कराई जाए और गली को पूर्व की स्थिति में फिर बहाल किया जाए।

बंद किया गया रास्ता

संदिग्ध परिस्थिति में लापता हुआ युवक

कौशाम्बी। कोखराज क्षेत्र के रमेश चंद्र ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनका पुत्र रहस्यमय परिस्थितियों में गायब हो गया है घटनाक्रम के मुताबिक हेम प्रकाश पुत्र रमेश चंद्र नामक युवक जयपुर में नर्सिंग कॉलेज का छात्र है जोकि 24-4-2022 को अचानक अपने कमरे से लापता हो गया 25/04 को सुबह 9 बजे अपने पिता को फोन करके उसने बताया कि मैं वाराणसी पहुच आया लेकिन कैसा पहुचा इनकी जानकारी उसे नही है तब उसने एक टूरिस्ट एजेंट से बात कराया एजेंट ने उससे 1500 रुपया अपने खाते में मांगा तथा बच्चे को सुरक्षित घर पहुचने की बात कही,तो युवक के पिता ने तुरंत ही अपने खाते से पैसा भेज दिया,जिस टूरिस्ट बस में युवक बैठा था उसका नंबर फ्ख 14 ढ्क्र0151 है युवक के पिता का कहना है कि उनका लड़का कोखराज के पंचम होटल तक आया लेकिन वहां से फिर अचानक गायब हो गया जिसकी कोई जानकारी नही हो सकी गायब युवक के पिता ने लिखित सूचना कोखराज कोतवाली में दिया है।

सतर्कता और जागरूकता से ही होगा मलेरिया से बचाव : सीएमओ

अखंड भारत संदेश

निशुल्क जाँच व रैली का हुआ आयोजन, स्वास्थ्य केन्द्रों पर मनाया गया विश्व मलेरिया दिवस स्कूलों से बच्चो ने निकली रैली दी साफ सफाई की जानकारी

कौशाम्बी। विश्व मलेरिया दिवस के उपलक्ष्य में जनपद में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम का आयोजन कर लोगों को मलेरिया रोग के प्रति जागरूक किया` इस बार की थीम ह्लएंड मलेरिया फॉर गुडह्व पर आधारित थी जिसमे सभी को मिलकर मलेरिया को 2030 तक खत्म करना हैं जिला स्तरीय मलेरिया टीम ने मलेरिया दिवस पर बैठक कर जनपद को मलेरिया मुक्त करने के लिए नीति पर चर्चा की , वही दूसरी ओर स्वास्थ्य इकाइयों पर विभाग द्वारा निशुक्ल जाँच की गयी` स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को साफ सफाई की जानकारी एवं रोग बचाव की जानकारी दी गयी, तो कही विद्यार्थियों द्वारा ही मलेरिया दिवस पर रैली आयोजन भी किया गया मलेरिया एक घातक बीमारी हैं जिसके प्रति लापरवाही जान भी ले सकती हैं यदि कुछ इस तरह के लक्षण हो तो जाँच तुरंत कराए , डॉ. के.सी राय सी.एम.ओ ने कहा कि चार से आठ घंटे के चक्र में बुखार, सिरदर्द, शरीर दर्द, ठंड लगना, पसीना आना और मिचली व उल्टी जैसे लक्षण दिखें तो तुरंत आशा कार्यकर्ता या स्वास्थ्यकर्मी से संपर्क करें। उनकी मदद से प्रशिक्षित चिकित्सक को दिखा कर उनकी सलाह पर मलेरिया की जांच कराई जानी चाहिए` समय से जांच व इलाज न होने से मलेरिया जानलेवा हो सकता है मलेरिया की दवा बीच में नहीं छोड़नी है। लक्षण समाप्त होने पर भी मलेरिया का पूरा इलाज करवाना है। जिला स्तरीय अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएची), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) और हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स (एचडब्ल्यूसी) पर मलेरिया की जांच निःशुल्क है । जिला मलेरिया अधिकारी अनुपमा मिश्रा कहती हैं मलेरिया निरीक्षकों की टीम जिले में मच्छरों के लार्वा को नष्ट करने के लिए संबंधित विभागों और सामुदायिक योगदान के जरिये अभियान में जुटे हुए हैं, लेकिन लोगों की सतर्कता अधिक आवश्यक है मलेरिया से बचाव के लिए पूरे बांह के कपड़े पहने, मच्छरदानी का इस्तेमाल करें, मच्छररोधी क्रिम लगाएं, घर में मच्छररोधी अगरबत्ती का इस्तेमाल करें । घरों में किटनाशकों का छिड़काव करें, खुली नालियों में मिट्टी का तेल डालें ताकि मच्छरों के लार्वा न पनपने पाएं, मच्छरों के काटने के समय शाम व रात को घरों और खिड़कियों के दरवाजे बंद कर लें। इन उपायों के बावजूद अगर लक्षण दिखें तो मलेरिया की जांच करवा कर इलाज करवाएं।

संपादकीय

मैक्रो की जीत और भारत की उम्मीदें

फ्रांस में सत्ता परिवर्तन नहीं हुआ, मौजूदा हुकूमत यथावत रही। धुर दक्षिण पंथी नेत्री मेरी ली पेन को उम्मीद थी कि इस बार जनता बदलाव करेगी और चुनाव में उनका ही परचम लहराएगा। वैसा हुआ नहीं, जनता ने फिर से पुराने राष्ट्रपति में ही भरोसा जताया और इमैनुअल मैक्रों को प्रचंड बहुमत देकर वापसी करवा दी। अपने प्रतिद्वंद्वी को ठीक-ठाक मतों से मात देकर ला रिपब्लिक एन मार्श पार्टी के नेता व राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों दोबारा फ्रांस की सत्ता पर काबिज हुए। उम्मीदों और चुनौतियों के बीच वह दोबारा देश की बागडोर संभालेंगे। उन्हें रिकॉर्ड 60 फीसदी के आसपास वोट मिले। हालांकि विरोधी पार्टी ने अच्छी टक्कर दी और पहले राउंड में विपक्षी दल की बढ़त रही थी। राष्ट्रपति मैक्रों के दोबारा सत्ता में वापसी के कुछ कारण और भी हैं। कुछ ऐसी ऐतिहासिक परियोजनाएं ऐसी हैं जिन्हें जनता उन्हीं से करवाना चाहती हैं। बीते पांच वर्षों में भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देशों के साथ सामरिक, व्यापारिक व सियासी संबंध अच्छे बने हैं। विदेश नीतियों में पिछली सरकारों के मुकाबले अच्छा काम हुआ। भारत जैसे देशों से आयात-निर्यात, आपसी संबंधों की साझेदारी में और गहराई आई। इन्हीं योजनाओं को संबल देने के लिए जनता ने मैक्रों पर ही भरोसा करना समझदारी समझी। इमैनुअल मैक्रों के फ्रांस में लगातार दूसरी बार राष्ट्रपति चुने जाने पर भारत भी खुश है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मैक्रों को अपना अच्छा मित्र बताते हुए गर्मजोशी के साथ उन्हें बधाई दी और उम्मीद जताई कि उनकी जीत भारत-फ्रांस के मध्य सामरिक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करेगी और तेजगति से आगे बढ़ाएगी, साथ ही भविष्य में साथ मिलकर काम करने उम्मीद भी जतायी। गौरतलब है कि मौजूदा वक्त में दोनों देशों के बीच संबंध मधुर हैं। चाहे राजनीतिक कूटनीतिक हों, या मौसम, जलवायु परिवर्तन से संबंधित हों। ग्लोबल वार्मिंग को लेकर दोनों देशों के बीच एग्रीमेंट भी है। इसके अलावा और कई ग्लोबल स्तर के समझौते हैं जिन्हें नई सरकार के जरिए संबल मिलेगा। हरित क्षेत्र को लेकर भी दोनों देशों के बीच करार है। मैक्रों युवा नेता हैं और पहले ऐसे सर्वमान्य व लोकप्रिय हैं, जिन पर फ्रांस की जनता को ढेरों उम्मीदें हैं। वह पहले ऐसे राष्ट्रपति भी हैं जो दोबारा सत्ता में आए हैं, वह भी प्रचंड़ बहुमत के साथ। इसलिए उम्मीदों का पहाड़ उनके कंधों पर है। मैक्रों के पिछले कार्यकाल में कई ऐसी उपलब्धियां रहीं जिनके बूते वह दोबारा सत्ता में आए। कायदे से देखें तो मैक्रों का दोबारा राष्ट्रपति बनना यूरोप के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। जिस तरह से रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर दुनिया दो हिस्सों में बंटी हुई है, उस लिहाज से मैक्रों जैसे नेताओं का पावरफुल होना जरूरी हो जाता है। बीते पांच वर्षों में फ्रांस के राष्ट्रपति के रूप में इमैनुएल मैक्रों की पहचान प्रमुख वैश्विक नेता के तौर पर उभरी है। उनकी निष्पक्षता, साफगोई से बात कहना, उनके फैसले काबिल-ए-तारीफ रहे हैं। देश की अवाम के अलावा अपनी पार्टी ला रिपब्लिक एन मार्श में भी उनकी लोकप्रियता बढ़ी है। पार्टी के प्रमुख नेता उनके कार्यपद्धति से खुश हैं। वहीं, भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी एकाध मंचों पर उनकी दूरगामी सोच की तारीफ कर चुके हैं और भी कई ऐसे विदेशी नेता हैं, जिनके मुंह से फ्रांस के राष्ट्रपति के लिए तारीफ निकली हैं।

लोकतंत्र में जीवंत मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान

किशन भावनानी

मीडिया को संसद और विधायिकाओं में व्यवधान की जगह रचनात्मक भाषणों को लोगों के सामने लाना चाहिए। उन्होंने सनसनीखेज खबरों और संसद व विधानसभाओं में व्यवधान डालने वालों पर अधिक ध्यान देने को लेकर सावधान किया। उन्होंने आगे सार्वजनिक बहसों के गिरते मानकों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उनकी इच्छा है कि राजनीतिक दल विधायिकाओं और सार्वजनिक जीवन में अपने सदस्यों के लिए आचार संहिता अपनाकर खुद को विनियमित करें

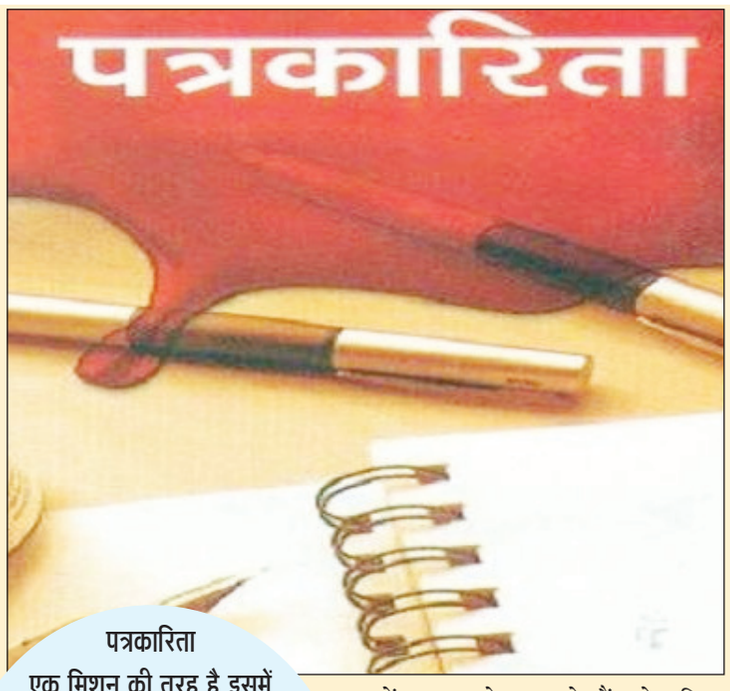

पत्रकारिता एक मिशन की तरह है इसमें जनहित सर्वोपरि है। समाज को उनका हक दिलाने, कुनीतियों,भ्रष्टाचार, अव्यवस्थाओं पर नजर रख सुव्यवस्थित लोक व्यवस्थाके निर्माण में सकारात्मक योगदान देकर समाज को एक सूत्र में बांधे रखने की जिम्मेदारी मीडिया पर है

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को दुनिया प्रशंसा के साथ देखती है कि कैसे लोकतांत्रिक मूल्यों, नियमों पर क्रियात्मक कार्यवाही सदाचार से लोकतंत्र अपने भविष्य का रास्ता तय करता है और दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा का डंका बजता है। 135 करोड़ लोगों द्वारा दिया गया फैसला हर दल, व्यक्ति और प्रत्याशी को स्वीकार होता है ऐसे लोकतंत्र के मंदिर, संसद भवन की सीढ़ियों पर माथा टेक कर अंदर जाते हुए पीएम महोदय को सारे विश्व में टीवी चैनलों, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से देखा था। इस लोकतंत्र के चार स्तंभ हैं। न्यायपालिका, कार्यपालिका विधायिका और मीडिया।

साथियों बात अगर हम लोकतंत्र के इस चौथे स्तंभ मीडिया की करें तो इसका रोल भी कम महत्वपूर्ण नहीं है क्योंकि यह इनपर निगाह रखने वाला स्तंभ हैं, जिसका काम जनहित में सूचनाएं दिखाना और लोक व्यवस्था का निर्माण कर समाज को एक सूत्र में बांधे रखने की जिम्मेदारी मीडिया की है, जिसमें प्रिंट मीडिया का स्वतंत्रता संग्राम काल से ही महत्वपूर्ण रोल रहा है। परंतु वक्त का तकाजा है बदलते परिपेक्ष में बढ़ते प्रौद्योगिकी युग में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मौडिय की एंट्री हुई, फिर आगे बढ़ते हुए इन्हें निजी क्षेत्रों को दिया गया, विभिन्न एपों, यूट्यूब, चैनलों सहित मीडिया क्षेत्र का भरपूर विकास हुआ जिससे प्रिंट मीडिया को फर्क पड़ा। जिससे कुछ बंद तो कुछ की हालत खस्ता तो कुछ ने बदलते परिपेक्ष में डिजिटल मीडिया की तरफ कन्वर्ट हुए परंतु इस बदलते क्रम में मीडिया की जवाबदारी, जिम्मेदारी भी बढ़ते चली गई और सरकारों को इनपर नियंत्रण के लिए कानून, नियमन, विनियमन की जरूरतों के अनुसार कानून कायदे बनाए गए जिसके आधार पर सैकड़ों चीनी एप्स पर बैन लगा!! और दो दिन पहले ही दस भारतीय और छह पड़ोसी मुल्क के यूट्यूब पर बैन लगा है!! साथियों बात अगर हम मीडिया की जवाबदारी की करें तो यह लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने, एक स्वतंत्र बंधन मुक्त मजबूत और जीवंत मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान है जिसकी प्रमाणिकता और विश्वसनीयता पत्रकारिता की नींव है, जिसमें हमें समाचारों और विचारों के बीच एक लक्ष्मण रेखा का सम्मान करना आधुनिक प्रौद्योगिकी युग में जरूरी है। क्योंकि पत्रकारिता एक मिशन की तरह है इसमें जनहित सर्वोपरि है। समाज को उनका हक दिलाने, कुनीतियों,भ्रष्टाचार, अव्यवस्थाओं पर नजर रख सुव्यवस्थित लोक व्यवस्थाके निर्माण में सकारात्मक योगदान देकर समाज को एक सूत्र में बांधे रखने की जिम्मेदारी मीडिया पर है। साथियों बात अगर हम दिनांक 25 अप्रैल 2022 को यूरोपियन आयोग की अध्यक्षा के रायसीना डायलॉग 2022 दिल्ली के मौके पर विचार व्यक्त करने की करें तो मीडिया के अनुसार उन्होंने कहा कि हर पांच साल में जब भारतीय संसदीय चुनावों में अपना वोट डालते हैं, तो दुनिया प्रशंसा के साथ देखती है क्योंकि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र अपने भविष्य का रास्ता तय करता है। 1.3 अरब लोगों द्वारा किए गए फैसलों का परिणाम दुनिया भर में गूंजता है। जीवंत लोकतंत्र के रूप में भारत-यूरोपीय संघ मौलिक मूल्यों और सामान्य हितों को साझा करते हैं। साथ में हम प्रत्येक देश के अपने भाग्य का निर्धारण करने के अधिकार में विश्वास करते हैं। हम कानून और मौलिक अधिकारों के शासन में विश्वास करते हैं। हम मानते हैं कि यह लोकतंत्र है जो नागरिकों के लिए सबसे अच्छा उद्धार करता है। साथियों बात अगर हम माननीय उपराष्ट्रपति द्वारा दिनांक 24 अप्रैल 2022 को एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जब कानून के संवैधानिक शासन को मजबूत करने की बात आती है तो एक स्वतंत्र व निष्पक्ष प्रेस, एक स्वतंत्र न्यायपालिका का पूरक होता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक स्वतंत्र, बंधनमुक्त व निडर प्रेस के बिना कोई मजबूतऔर जीवंत लोकतंत्र बचा हुआ नहीं रह सकता है।

उन्होंने सुझाव दिया कि भारत के लिए अपने लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने को लेकर एक मजबूत, स्वतंत्र और जीवंत मीडिया की जरूरत है। साथियों इसके अलावा उन्होंने मीडिया में मूल्यों के पतन को लेकर सावधान भी किया। उन्होंने निष्पक्ष और वस्तुनिष्ठ रिपोर्टिंग का आह्वान किया। उन्होंने आगे इस बात पर जोर दिया कि समाचारों को विचारों के साथ नहीं मिलाया जाना चाहिए। उन्होंने ने इस बातपर जोर दिया कि सदस्यों को विधायिकाओंमें सार्थक तरीके से बहस व चर्चा करनी चाहिए और निर्णय लेना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि मीडिया को संसद और विधायिकाओं में व्यवधान की जगह रचनात्मक भाषणों को लोगों के सामने लाना चाहिए। उन्होंने सनसनीखेज खबरों और संसद व विधानसभाओं में व्यवधान डालने वालों पर अधिक ध्यान देने को लेकर सावधान किया। उन्होंने आगे सार्वजनिक बहसों के गिरते मानकों पर चिंता व्यक्त की।उन्होंने कहा कि उनकी इच्छा है कि राजनीतिक दल विधायिकाओं और सार्वजनिक जीवन में अपने सदस्यों के लिए आचार संहिता अपनाकर खुद को विनियमित करें।

उन्होंने जनप्रतिनिधियों को सलाह दी कि वे अपने राजनीतिक विरोधियों पर व्यक्तिगत हमले करने से बचें। उन्होंने दल-बदल विरोधी कानून की किसी तरह की कमियों को दूर करने के लिए इस पर फिर से विचार करने का भी आह्वान किया। उन्होंने आगे इसका उल्लेख किया कि अतीत में पत्रकारिता को एक मिशन माना जाता था, जिसमें समाचार पवित्र होते थे। उन्होंने आगे इस तथ्य को रेखांकित किया कि घटनाओं की निष्पक्ष और सच्ची कवरेज व लोगों तक उनके विश्वसनीय प्रसारण पर अच्छी पत्रकारिता आधारित होती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि पत्रकारिता एक मिशन है। लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने एक स्वतंत्र, बंधन मुक्त, मजबूत और जीवंत मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान है। प्रमाणिकता और विश्वसनीयता पत्रकारिता की नींव है। समाचारों और विचारों के बीच एक लक्ष्मण रेखा का सम्मान करना आधुनिक समय की मांग है।

कश्मीर में पर्यटकों की रिकार्ड आवक का मतलब समझें

आर.के. सिन्हा

कश्मीर की वादियां अब कश्मीरियों के बीच एक उम्मीद जगा रही हैं। उम्मीद इस बात कि अब घाटी में जिंदगी पटरी पर लौट रही है। वहां पर भय तथा डर का माहौल लगभग समाप्त हो रहा है। यदि यह बात सच से परे होती तो श्रीनगर के एयरपोर्ट पर पिछले मार्च महीने में एक लाख 80 हजार टूरिस्ट सैर-सपाटा के लिए नहीं पहुंचते। यह आंकड़ा पिछले दस सालों की घाटी में पर्यटकों की मासिक आवक के लिहाज से सबसे बड़ा है। बात यहीं पर खत्म नहीं हो रही। अभी राज्य सरकार के पर्यटन क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों को लगता है कि आने वाले दिनों-महीनों में पर्यटकों की संख्या में और अधिक इजाफा हो सकता है। आखिर मई तथा जून में गर्मियों के कहर से बचने के लिए देशभर से पर्यटक घाटी की वादियों, झीलों, धार्मिक स्थलों का आनंद लेने के लिए जरूर आएंगे। क्या आतंकवाद के दौर में जब पयर्टकों पर पत्थर बरसाए जाते थे, तब कोई सोच भी सकता था कि घाटी में जल्दी ही हालात सामान्य होने लगेंगे और वहां पर पर्यटकों को घूमने-फिरने में किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होगी? फिलहाल स्थिति यह है कि घाटी में होटल या शिकारे मिलना भी असंभव हो रहा है। उनकी लंबी बुकिंग चल रही है। घाटी को लेकर सारे देश की सोच अब बदल रही है। इसलिए मुंबई से लेकर दिल्ली तथा भुवनेश्वर से लेकर केरल तक के पर्यटक यहां पर आ रहे हैं। मेरे एक मित्र, जो इनकम टैक्स कमिश्नर पद से रिटायर हुए हैं, उन्होंने भी पिछले दिनों घाटी की अपने परिवार के साथ यात्रा की। वे बता रहे थे कि कश्मीर के स्थानीय लोग पर्यटकों का तहेदिल से स्वागत-सत्कार कर रहे हैं, जैसे कि नब्बे के दशक के पूर्व किया करते थे। पर्यटकों की अभूतपूर्व आवक से उनके चेहरे खिल गए हैं। पहले आतंकवाद और उसके बाद कोविड के कारण यहां का पर्यटन क्षेत्र तबाह हो गया था। इस क्षेत्र से जुड़े लोग दाने-दाने को मोहताज हो गए थे। उनके सामने रोटी का गंभीर संकट पैदा हो गया था। अब वहां दहशत का माहौल लगभग ना के बराबर है। पर इसका मतलब यह भी नहीं है कि घाटी में पनप रहे सारे भारत विरोधी तत्व खत्म हो गए। वे तो अभी भी हैं। हां, पर उन्हें भी देश की मुख्यधारा से जुड़ना ही होगा। उनके सामने कोई दूसरा रास्ता भी तो नहीं है। अगर वे नहीं सुधरे तो उन्हें कस दिया जाएगा और कसा जा भी रहा है। अब कश्मीर के स्थानीय लोगों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे भारत विरोधी तत्वों को अलग-थलग करें। उनकी देश विरोधी हरकतों की शिकायत सुरक्षा बलों से करें। यही नहीं, उन्हें कश्मीर घाटी में काम करने वाले गैर-कश्मीरी लोगों को भी भरपूर सुरक्षा देनी होगी। उन्हें यह भरोसा दिलाना होगा कि कश्मीर तो सबका है। कश्मीर के कण-कण पर हरेक हिन्दुस्तानी का वैसा ही हक है जैसा कश्मीरियों का। कश्मीर में भले ही बड़ी तादाद में पर्यटक आ रहे हैं, पर कश्मीरी समाज को यह तो सोचना होगा कि उनके प्रदेश में भी बाहरी लोग काम धंधे के लिए आएँगे। जैसे सारा भारत कश्मीरियों का है, वैसे ही सारे भारत का भी कश्मीर पर वैसा ही हक है। हर साल कश्मीरी देश के अलग-अलग भागों में अपने राज्य के हथकरघा उद्योग के कपड़े और कालीन आदि बेचने के लिए निकलते हैं। क्या उन्हें कहीं भी कोई रोकता है? तो फिर उन्हें भी अपने राज्य में भी सबको कामकाज करने का मौका देना चाहिए। हो यह रहा है कि कश्मीर में बिहार से आए गोलगप्पे बेचने वाले इंसान को भी मार दिया जाता है। इतना सब होने पर भी कश्मीरी समाज की संवेदनाएं उस दीन-हीन के परिवार के पक्ष में खुलकर दिखाई नहीं देती। कश्मीर घाटी का एक सच यह भी है कि वहां आतंकवाद के शिकार अनेक प्रवासी बिहारी भी हुए हैं। कुछ समय पहले भागलपुर के गरीब वीरेन्द्र पासवान को भी गोलियों से भून डाला गया था। पासवान की मौत पर उसके घरवालों या कुछ अपनों के अलावा रोने वाला भी कोई नहीं था। वीरेंद्र पासवान गर्मियों के दौरान कश्मीर में रोजी रोटी कमाने के लिए आता था। वह श्रीनगर में ठेले पर स्वादिष्ट गोलगप्पे बनाकर बेचता था। दरअसल कश्मीरी मुसलमानों के साथ समस्या यह है कि वे हमेशा विक्टिम मोड में रहते हैं। वे यही साबित करने में लगे रहते हैं कि उनके साथ नाइंसाफी हुई। यह मानसिकता तो सही नहीं है।

अभिव्यक्ति

क्या कांग्रेस की नैया पार लगेगी?

सुरेश हिन्दुस्थानी

कांग्रेस अपनी डूबती नैया को पार लगाने का गंभीर प्रयास करती दिख रही है। कांग्रेस नेताओं को अहसास हो गया है कि केवल सरकार की नीतियों का विरोध करने मात्र से उसे राजनीतिक सफलता नहीं मिलेगी, इसके लिए कुछ और भी प्रयास करने होंगे। कांग्रेस की वर्तमान स्थिति के बारे में अध्ययन किया जाए तो यही परिलक्षित होता है कि पार्टी के पास कोई करिश्माई नेता नहीं बचा है। जिस गांधी परिवार से चमत्कार की आशा की जा रही थी, वह भी असफलता के टैग को स्थापित कर चुका है। इसलिए कांग्रेस नए प्रकार से सोचने के लिए विवश है। कांग्रेस की डूबती नैया को सहारा देने के लिए चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर पर विश्वास करने के अलावा कांग्रेस के पास कोई विकल्प नहीं है। अब सवाल यह उठता है कि प्रशांत किशोर कहां तक कांग्रेस को बचा पाएंगे। क्योंकि प्रशांत किशोर पैसे के लिए काम करते हैं, उन्हें नीति और सिद्धांत से सरोकार नहीं है। ऐसा इसलिए भी कहा जा सकता है कि प्रशांत किशोर ने कई ऐसे राजनीतिक दलों के साथ कार्य किया है, जो विचारधारा से एकदम विपरीत हैं। इतना ही नहीं, कांग्रेस को उबारना प्रशांत किशोर के लिए इसलिए भी टेड़ी खीर है, क्योंकि जब कांग्रेस नेतृत्व ही अपने नेताओं के निशाने पर है, तब प्रशांत किशोर किस उम्मीद के भरोसे कांग्रेस को उबारने का संकल्प लेने के लिए उतावले हैं। कांग्रेस को अधोगति से बचाने के लिए प्रशांत किशोर कितना कुछ कर पाएंगे, यह सवाल इसलिए भी उठ रहे हैं क्योंकि कांग्रेस के नेता प्रशांत किशोर की सुनेंगे या फिर सोनिया गांधी, राहुल गांधी या फिर प्रियंका वाड्रा की मानेंगे। क्योंकि यह परिवार कांग्रेस को पारिवारिक संगठन की तरह व्यवहार करता रहा है। कांग्रेस के कई नेता इन्हीं को अपना सब कुछ मानते हैं। हालांकि जो नेता कांग्रेस नेतृत्व पर सवाल उठा रहे हैं, उन्हें मिशन 2024 के लिए अपने ही नेतृत्व पर भरोसा नहीं है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का एक समूह अपने नेतृत्व के विरोध में मैदान में उतर चुका है। भले इन नेताओं के साथ प्रशांत किशोर पटरी बिठाने का प्रयास करने की कवायद कर रहे हैं, लेकिन यह प्रशांत किशोर को अपना नेता मानेंगे, इस बात की गुंजाइश कम ही है। आज कांग्रेस की बड़ी समस्या यह है कि उसके ज्यादातर राजनीतिक शूरमा पार्टी से किनारा कर चुके हैं और कुछ किनारा करने की सोच रहे हैं। जो कांग्रेसी दूसरे दलों की विचारधारा को आत्मसात कर चुके हैं, वे निश्चित ही कांग्रेस की कमजोरी का कारण ही बनेंगे। पंजाब विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस की शर्मनाक हार का कारण उसका राज्य नेतृत्व ही रहा। सरकार और संगठन के मुखिया एक-दूसरे के खिलाफ ताकत आजमाते रहे। इसी प्रकार की स्थिति राजस्थान में कई बार बनी है और आगे भी बनी रह सकती है। अशोक गहलौत और सचिन पायलट के बीच राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई किसी से छिपी नहीं है। अभी हाल ही में जिस प्रकार से सचिन पायलट की सोनिया गांधी से मुलाकात हुई है, उसे अशोक गहलौत पचा नहीं पा रहे। अशोक गहलौत ने अप्रत्यक्ष रूप से त्यागपत्र देने की धमकी दे दी। इसलिए यही कहा जा सकता है कि कांग्रेस के अंदर जो लावा सुलग रहा है, वह कभी भी फूट सकता है। इसी प्रकार के हालात गुजरात में भी दिख रहे हैं। उत्तर प्रदेश में भी कांग्रेस की स्थिति अत्यंत खराब है जबकि कहा जाता है कि दिल्ली का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर जाता है। लोकसभा की सीटों के हिसाब से यह परिभाषा सटीक बैठती है। यानी कांग्रेस को अपनी हालत सुधारनी है तो उसे उत्तर प्रदेश पर ध्यान केन्द्रित करना होगा। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में पूर्व में भी कई प्रयोग किए लेकिन वे सभी प्रयोग फेल होते गए। आज कांग्रेस की हालत यह है कि उसे कोई भाव नहीं दे रहा। हाल ही में राहुल गांधी ने मायावती से गठबंधन के बारे में वार्ता का जिक्र किया, जिसे मायावती ने सिरे से खारिज कर दिया। पार्टी अब चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर का सहारा लेने जा रही है। वैसे तो प्रशांत किशोर पेड सलाहकार माने जाते हैं, लेकिन कांग्रेस उन्हें अपना राष्ट्रीय महासचिव बनाकर सिर-आंखों पर बैठाने को आतुर है। अब प्रशांत किशोर कांग्रेस में शामिल होंगे या नहीं, इस पर संशय है।

सेक्युलर मुखौटे का कम्युनल मंसूबा

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

सेक्युलर सियासत का चश्मा गजब है। इसमें जहांगीरपुर के अवैध निर्माण पर चलता बुलडोजर तो दिखता है लेकिन राजस्थान में मंदिर व गौशाला की तबाही दिखाई नहीं देती। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भी यह नजरिया दिखाई दिया था, जिसे मतदाताओं ने नकार दिया था। मतदाताओं ने माफिया व दबंगों के अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाने की नीति को अपना समर्थन दिया। लेकिन राजस्थान में कांग्रेस शासन के बुलडोजर से जनमानस आहत हो रहा है। कथित सेक्युलर सियासत के दावेदार दोहरे पैमाने से स्वयं को बेनकाब करते रहे हैं। इनको गलतफहमी रहती है कि जनता इनके प्रत्येक रूप पर विश्वास करती है। जबकि इन सभी की दशा-दिशा ही असलियत को बयान कर देती है। इसके प्रमाण में अनगिनत उदाहरण हैं। पश्चिम बंगाल व केरल की राजनीतिक हिंसा पर ये खामोश रहते हैं। भाजपा शासित राज्यों की किसी अप्रिय घटना पर जमीन-आसमान एक कर दिया जाता है। ताजा उदाहरण दिल्ली और राजस्थान से जुड़ा है। दिल्ली में रामनवमी जुलूस पर सुनियोजित पत्थरबाजी के विरोध में जिन्होंने एक शब्द नहीं कहा, वही लोग आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई पर मुखर थे। बहुत दिनों के बाद ये सभी चेहरे एक साथ चर्चा में रहे। शायद इन लोगों को ऐसे ही अवसर की तलाश रहती है। इन सभी की राजनीतिक जमीन खिसक चुकी है। सेक्युलर सियासत के नाम पर इनके दोहरे मापदंड जगजाहिर हैं। इस बार भी ऐसा हुआ। इन्होंने दिल्ली में आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई को मुद्दा बनाया। लेकिन राजस्थान में तीन सौ वर्ष पुराने मंदिर के विध्वंस पर ये सभी खामोश रहे। इसके बाद ही राजस्थान में एक गौशाला को ध्वस्त कर दिया गया। वहां लगी पानी की टंकी को नष्ट कर दिया। यह भी नहीं सोचा गया कि इन गोवंश को पानी-चारा कैसे मिलेगा। अतिक्रमण हटना चाहिए लेकिन इस कार्य में मानवीय संवेदना की तिलांजलि नहीं देनी चाहिए। राजस्थान में मंदिर को जिस प्रकार नष्ट किया गया, उसका तरीका मध्ययुगीन था। मंदिर को हटाना अपरिहार्य था, तब भी वहां स्थापित प्रतिमाओं को पूरी प्रतिष्ठा के साथ अस्थाई रूप से अन्यत्र स्थापित करना चाहिए था। पिछले दिनों उत्तर प्रदेश का एक प्रसंग ध्यान में आ गया। अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ होने जा रहा था। वहां विराजमान श्रीरामलला की प्रतिमा को अस्थाई रूप से अन्य स्थान पर ले जाना था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं अयोध्या गए। श्रीरामलला की मूर्ति को उन्होंने अपनी गोद में उठाया। विधि-विधान व मंत्रोच्चार के साथ योगी इन मूर्तियों को अस्थाई मंदिर में ले गए। इसी प्रकार काशी में माँ अन्नपूर्णा की मूर्ति को पुनर्स्थापित करना था। योगी आदित्यनाथ काशी पहुंचे। उसी विधि-विधान व सम्मान के साथ वह माँ अन्नपूर्णा की मूर्ति को ले गए। यह कहना गलत है कि राजस्थान के उस क्षेत्र की नगरपालिका पर बीजेपी का कब्जा है इसलिए मंदिर ध्वस्त करने की जिम्मेदारी उसकी है। अब तथ्य सामने आ रहे हैं कि नगरपालिका ने मंदिर को हटाने का प्रस्ताव नहीं किया था। यह सब गहलौत सरकार के रुख को देखते हुए किया गया। सीकर सांसद सुमेधानंद सरस्वती ने बताया कि बुलडोजर भाजपा ने नहीं चलाया है। बोर्ड का प्रस्ताव अधूरे पड़े गौरवपथ के कार्य को पूरा करने के लिए था। उसमें स्पष्ट है कि अतिक्रमण को चिन्हित किया जाए। चिन्हित करने के बाद नोटिस देकर जवाब लिया जाए। जवाब से संतुष्ट नहीं होने पर कार्रवाई की जाए। लेकिन प्रशासन ने नोटिस नहीं दिए। मास्टर प्लान में उल्लेख है कि जिन लोगों के पास पुराने पट्टे हैं, दुकान व मकान है तो आवश्यकता पड़ने पर रास्ते को संकरा किया जा सकता है। इस प्रकार का प्रावधान है। यहां बोर्ड भाजपा का है इसलिए षड्यंत्र के तहत मकान मंदिर तोड़े गए। जिससे भाजपा पर ठीकरा फोड़ा जाए।

लेकिन कांग्रेस सरकार का यह दांव उल्टा पड़ रहा है। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस के मंत्री ने झूठ कहा कि नगर पालिका के प्रस्ताव के अनुसार मंदिर तोड़े गए। जबकि नगर पालिका की ओर से जो प्रस्ताव दिया गया था, उसमें साफ है कि 60 फीट की जगह 30 फीट जगह छोड़ दी जाए।

सत्य की प्रयोगशाला में वैक्सीन को ढूंढें

नंदितेश निलय

रूस -यूक्रेन युद्ध में अभी तक दोनों तरफ से हजारों सैनिक मारे जा चुके हैं और अगर हम यूएन की रिपोर्ट को मानें तो 3 मिलियन से ज्यादा लोग घर छोड़कर इधर-उधर शरण ले रहे हैं। तो क्या महामारी के वक्त भी हिंसा ही मनुष्य की बुद्धि का साधन और साध्य है? और यह भी हिंसा से कम नहीं है कि विश्व स्तर पर शांति का न कोई दूत है और न वो जनमानस। युद्ध 24 फरवरी को शुरू हुआ और बस चल ही रहा है। ऐसा नहीं लगता कि पूरे विश्व को फिर से महात्मा गांधी के अहिंसा के सिद्धांत को अपनाने की जरूरत है? 8 फरवरी 1922 को, एक हिंसक भीड़ ने चौरी-चौरा में इमारत में आग लगा दी, जहां 22 पुलिस अधिकारी थे। उस समय गृह सचिव ने कहा, यह राज के खिलाफ विद्रोह है। लेकिन महात्मा गांधी के लिए, यह हिंसा ही थी।

यहां तक कि उन्होंने हिंसा के लिए आत्म-दंड के रूप में पांच दिनों का उपवास भी किया। वे अहिंसा के साधनों के साथ प्रयोग कर रहे थे, और उनके लिए साधन उतने ही आवश्यक थे जितने कि साध्य। उनके लिए किसी भी प्रकार की हिंसा का तरीका अस्वीकार्य था। महात्मा गांधी के अनुसार, अहिंसा हमारी प्रजाति का कानून है क्योंकि हिंसा जानवर का कानून है। ताकत शारीरिक क्षमता से नहीं आती है। यह एक अदम्य इच्छाशक्ति से आती है। गांधी विश्व-व्यवस्था में विश्वास करते थे, जहां साध्य की खोज में साधनों का समान महत्व होगा। मानव-विकास को प्राप्त करने के लिए उन्होंने कभी भी साधनों से समझौता नहीं किया। जब हम पिछले सत्तर वर्षों के भारत को देखते हैं तो कोई भी इनकार नहीं कर सकता है कि सर्वोत्तम इरादों के बावजूद कई बार हमने नागरिक से ज्यादा उपभोक्ता बनने की कोशिश की है। उपभोक्तावाद की ऊंची आकांक्षाओं ने नागरिकता के मूल्यों को ढक दिया है। इसने हमें तनावग्रस्त और क्रोधित बना दिया है।

ओस्लो ई-स्पोर्ट्स कप शतरंज प्रग्गानंधा का जलवा बरकरार ,लगातार तीसरी जीत से शीर्ष पर कायम

ओस्लो , नॉर्वे । दुनिया का अपनी तरह का पहला शतरंज ई-स्पोर्ट्स टूर्नामेंट ओस्लो स्पोर्ट्स कप के लगातार तीसरे दिन भी भारत

के 16 वर्षीय ग्रांड मास्टर प्रग्गानंधा का बेहतरीन प्रदर्शन जारी रहा और उन्होने विश्व चैम्पियन कार्लसन को हराने वाले वियतनाम के ले कुयांग लिम को भी एकतरफा मुक़ाबले में 2.5-0.5 से पराजित कर दिया । हर राउंड में वैसे तो चार रैपिड मुक़ाबले खेलने होते है पर लगातार तीसरे दिन प्रग्गानंधा नें जीत के लिए जरूरी अंक सिर्फ तीन रैपिड मुकाबलों में ही अर्जित कर लिए । ले कुयांग लिम के खिलाफ प्रग्गानंधा नें काले मोहरो से पहली बाजी ड्रॉ खेली पर उसके बाद पहले सफ़ेद मोहरो से और फिर काले मोहरो से जीत दर्ज करते हुए 2.5-0.5 के अंतर से राउंड अपने नाम कर लिया । लगातार तीसरी जीत से प्रग्गानंधा अब 9 अंको के साथ एकल बढ़त पर चल रहे है और अब अगले राउंड में उनका मुक़ाबला नॉर्वे के विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन से होने वाला है । तीसरे राउंड में कार्लसन नें नीदरलैंड के अनीश गिरि को 2.5-0.5 से हराकर वापसी की जबकि पोलैंड के यान डूड़ा नें नीदरलैंड के के जोर्डन वान फॉरेस्ट को 2.5-0.5 से तो कनाडा के एरिक हेनसेन नें अजरबैजान के शकरियार ममेद्यारोव को 2.5-1.5 से हराकर बड़ा उलटफेर किया ।

15.25 करोड़ रुपए में बिके ईशान किशन, इतने लाख में पड़ रहा है मुंबई इंडियंस को एक रन

मुंबई। आईपीएल की सबसे सफलतम टीम मुंबई इंडियंस का इस सीजन ऐसा हाल होगा यह किसी ने सपने भी नहीं सोचा होगा। 5 बार की चैंपियंन मुंबई इस आईपीएल सीजन में अपने पहले 8 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। टीम एक जीत के लिए तरसती हुई दिखाई दे रही है। वह अंकतालिका में 10वें स्थान पर है। इस सीजन में ना तो टीम के बल्लेबाज रन बना पा रहे हैं और ना गेंदबाज विकेट ले पा रहे हैं। वहीं टीम के सलामी बल्लेबाज ईशान किशन जिन्हें मुंबई इंडियंस ने 15.25 करोड़ रुपए में खरीदा था। वह मैदान पर रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस सीजन मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज ईशान किशन से काफी उम्मीदें थी। क्योंकि मुंबई ने पहली बार आईपीएल ऑक्शन में किसी खिलाड़ी पर 10 करोड़ रुपए से अधिक खर्चे हैं। पर अब तक ईशान किशन ने टीम और अपने फैंस को निराश ही किया है। वह अब तक 8 मैचों में 28.43 की औसत से मात्र 199 रन ही बना पाए हैं।

पिछली 6 पारियों में बुरी तरह फ्लॉप

ईशान किशन के बल्ले से इस आईपीएल सीजन में पहले दो मैचों में रन निकले थे। जिसमें उन्होंने नाबाद 81 और 54 रन बनाए थे। पर इसके बाद उनकी बल्लेबाजी का ग्राफ नीचे ही गिरता चला गया। पिछले 6 मैचों में ईशान किशन के बल्ले से 14, 26, 3, 13, 0, और 8 रन बनाए हैं। इस दौरान ईशान का स्ट्राइक रेट भी बहुत नीचे रहा है। लखनऊ के खिलाफ उन्होंने आईपीएल की दूसरी सबसे धीमी पारी खेल दी।

वर्स्टापेन सर्वश्रेष्ठ पुरुष और थॉमसन सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुनी गई, नीरज चोपड़ा को नहीं मिला अवॉर्ड

मुंबई। गत फॉर्मूला वन चैंपियन मैक्स वर्स्टापेन और जमैका की ओलंपिक फर्राटा चैंपियन इलेइन थॉमसन हेराह ने 2022 लॉरेस विश्व खेल पुरस्कारों में शीर्ष सम्मान हासिल किए। यह पुरस्कार खेल जगत में 2021 में प्रदर्शन के आधार पर दिए गए। यूरोपीय चैंपियनशिप जीतने वाली इटली की टीम को दूसरी बार साल की सर्वश्रेष्ठ लॉरेस टीम चुना गया। लॉरेस विश्व खेल अकादमी ने शीर्ष खिलाड़ियों के बीच से रात वर्स्टापेन को साल का सर्वश्रेष्ठ विश्व पुरुष खिलाड़ी और इलेइन थॉम्पसन को साल की सर्वश्रेष्ठ विश्व महिला खिलाड़ी चुना। 'कमबैक आफ द ईयर' का पुरस्कार स्काई ब्राउन को जबकि दिव्यांग वर्ग में साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मार्सेल हग को मिला।

पुर्तगाल में मोटो जीपी-2 ग्रांप्री में लगी आग

8 राइडर्स की बाइक आपस में टकराई, क्रैश के बाद उन्हें छोड़नी पड़ी रेस

पुर्तगाल। पुर्तगाल में मोटो जीपी-2 ग्रांप्री में राइडर्स बड़ी दुर्घटना का शिकार हो गए। अलगर्वे इंटरनेशनल सर्किट पर रेस में जब 15 लैप बाकी थे, तब अचानक बारिश होने लगी। इस बारिश के चलते राइडर्स का संतुलन बिगड़ गया। दूसरे कॉर्नर के पास 8 राइडर्स दुर्घटना का शिकार हो गए। उनकी बाइक्स आपस में टकरा गई थीं।

नीदरलैंड के राइडर की बाइक में लगी आग

सबसे पहले नीदरलैंड के जोंटा वान डेर गोरबर्ग की बाइक में आग लगी। थोड़ी देर में अन्य 7 राइडर्स भी इसकी चपेट में आ गए। इसके बाद राइडर्स को अपनी

बाइक्स छोड़कर जाना पड़ा। दुर्घटना के कारण कुछ देर के लिए रेस रोकनी पड़ी। मोटो जीपी ने सभी राइडर्स के सुरक्षित होने की पुष्टि की। यामाहा के फ्रेंच रेसर फेबियो क्वारटारेरो चैंपियन बने।

रेस को अधिक सुरक्षित बनाने की जरूरत

लंबे अरसे से इन आयोजनों में सुरक्षा इंतजामों को और अधिक पुख्ता किए जाने को लेकर बात होती रही है। इंटरनेशनल सर्किट पर उठती आग की लपटों ने फिर एक बार इस बहस को नए सिरे से जन्म दे दिया है। हालांकि MotoGP ने पुष्टि की है कि दुर्घटना में शामिल सभी सवार सुरक्षित हैं।

अमेरिकन रेसर कैमरन ब्यूबियर ने पूरे घटनाक्रम पर कहा, ईमानदारी से कहूं तो यह बहुत डरावना था। जो मायने रखता है वह यह है कि हम सभी सुरक्षित और अच्छे हैं।

17 वर्षों में शीर्ष 10 में शामिल अल्कारेज सबसे युवा खिलाड़ी, अपने हीरो नडाल के नक्शे-कदम पर कार्लोस

स्पेन । ठीक 17 साल पहले 18 साल के स्पेन के टेनिस के स्टार राफेल नडाल बार्सिलोना ओपन जीतकर पहली बार एटीपी रैंकिंग के शीर्ष 10 में शामिल हुए थे। अब हमवतन और नडाल को अपना आदर्श मानने वाले कार्लोस अल्कारेज ने भी ठीक उनके नक्शे कदम पर वही उपलब्धि हासिल की है। स्पेन के दोनों खिलाड़ियों के बीच संयोगवश कई घटनाक्रम एक जैसे हैं। नडाल की तरह वह भी बार्सिलोना ओपन खेलने से पहले दुनिया में 11वीं रैंकिंग पर थे।

अल्कारेज ने स्पेन के ही पाब्लो कैरेना बुस्टा को 6-3, 6-2 से हराकर इस सीजन का अपना तीसरा खिताब जीता। बार्सिलोना ओपन से पहले उन्होंने फरवरी में रियो डि जेनेरियो और मियामी में खिताब जीते थे। टूर पर उनका पहला खिताब पिछले वर्ष उमग में आया था। सेमीफाइनल में प्रवेश के साथ ही अल्कारेज ने शीर्ष दस में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया था।

नई रैंकिंग में वह नौवें पायदान पर होंगे। 2005 में नडाल के बाद शीर्ष दस में शामिल अल्कारेज सबसे युवा खिलाड़ी होंगे। सर्वाधिक 21 ग्रैंड स्लैम खिताब विजेता राफेल तब से हमेशा शीर्ष दस में शामिल रहे हैं। अल्कारेज ने कहा कि मैं बचपन से बार्सिलोना ओपन देखता आ रहा हूं। मैंने हमेशा इस टूर्नामेंट में खेलने और जीतने का ख्वाब देखा। अब इसके विजेताओं की सूची में शामिल होकर बेहद खुश हूं।

धोनी का करिश्मा फेल, पंजाब ने 11 रन से जीता मैच

जालंधर। पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच आईपीएल 2022 का 38वां मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। चेन्नई के कप्तान रविंद्र जडेजा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी के लिए पंजाब किंग्स की टीम ने शिखर धवन के बड़े अर्धशतक की बदौलत चेन्नई के सामने 188 रन का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने आई चेन्नई की टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही। पर बीच के ओवरों में अंबाती रायुडू ने तेज तर्रार अर्धशतक लगाकर मैच में वापसी कराई। चेन्नई को आखिरी ओवर में 27 रन चाहिए थे पर धोनी के आउट होते टीम की पूरी उम्मीदें टूट गई। चेन्नई 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 177 रन बना पाई और 11 रन से मैच हार गई।

पंजाब किंग्स (पहली पारी)

पंजाब किंग्स को कप्तान मयंक अग्रवाल और शिखर धवन ने सधी हुई शुरूआत दी। दोनों ही बल्लेबाजों ने पहले संभल कर शुरूआत की फिर उसके बाद रन बनाने शुरु किए। महेश थीक्षाना ने पंजाब के कप्तान मयंक को 18 रन पर आउट कर चेन्नई को पहली सफलता दिलाई।

धवन और राजपक्षे ने दूसरे विकेट के लिए 110 रन की शतकीय साझेदारी निभाई। इस साझेदारी को ड्वेन ब्रावो ने तोड़ा। ब्रावो ने राजपक्षा को 42 रन पर आउट कर टीम को दूसरी सफलता दिलाई। उन्होंने अपनी पारी में 2 चौके और 2 छक्के लगाए। आखिरी ओवर में ड्वेन एक चौके और 2 छक्के की मदद से 19 रन बनाकर आउट हुए।

ब्रावो ने तेजतर्रार पारी खेलने वाले लियाम लिविंग्स्टोन को चलता कर टीम को तीसरी सफलता दिलाई। लिविंग्स्टोन 7 गेंदों पर शिखर धवन ने इस मैच में 59 गेंदों पर नाबाद 88 रन बनाए। अपनी इस पारी के दौरान धवन ने 9 चौके और 2 छक्के लगाए। वहीं आखिरी गेंद पर दो रन चुराने के चक्कर में जॉनी बेयरस्टो 6 रन बनाकर रन आउट हुए।

चेन्नई सुपर किंग्स (दूसरी पारी)

लक्ष्य का पीछा करने आई चेन्नई सुपर किंग्स टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उथप्पा के रूप में पहला विकेट गिरा। उथप्पा को एक रन पर संदीप शर्मा ने अपना शिकार बनाया और पंजाब को पहली सफलता दिलाई। अर्शदीप सिंह ने मिचेल सैंटनर को आउट करके पंजाब को दूसरी सफलता दिलाई। सैंटनर 15 गेंदों पर 9 रन बनाकर धीमी पारी खेलकर आउट हो गए। 6 साल बाद आईपीएल खेल रहे ऋषि धवन ने शिवम दुबे को आउट कर चेन्नई की टीम को तीसरा झटका दिया। दुबे 8 रन बनाकर आउट हुए। रुतुराज गायकवाड़ एक छोर से संभाल कर बल्लेबाजी कर रहे थे। पर रबाडा की गेंद पर वह अपना विकेट गंवा बैठे। गायकवाड़ 27 गेंदों पर 4 चौकों की मदद से 30 रन बनाकर आउट हुए। अंबाती रायुडू ने 39 गेंदों पर 7 चौके और 6 छक्के लगाकर 78 रन बनाए और चेन्नई सुपर किंग्स की मैच में वापसी कराई। रायुडू को कागिसो रबाडा ने आउट कर पंजाब को बड़ी सफलता दिलाई।

आखिरी ओवर में चेन्नई को 27 रन चाहिए थे। ऋषि धवन की पहली गेंद पर छक्का लगाकर धोनी ने चेन्नई की उम्मीदें जगाई। पर अगली ही गेंद पर वह छक्का मारने के चक्कर में आउट हो गए। धोनी 8 गेंदों पर 12 रन बनाकर आउट हुए।

विश्व कप से पहले अपनी फिटनेस और गति पर ध्यान केंद्रित कर रही है महिला हॉकी टीम

बेंगलुरू। भारतीय महिला हॉकी टीम की कोच यानेक शोपमैन ने कहा है कि टीम अगले महीने होने वाले एफआईएच प्रो लीग मैचों और आगामी विश्व कप में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने के लिए अपनी फिटनेस और गति को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगी। एफआईएच प्रो लीग के घरेलू चरण के मैचों में सफलता हासिल करने के बाद भारत अभी अंकतालिका में शीर्ष पर चल रहा है। भारतीय टीम ने अगले महीने होने वाले प्रो लीग के अंतिम चरण के मैचों और एक जुलाई से स्पेन और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिये अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं।

भारत प्रो लीग में बेल्जियम, अर्जेंटीना और अमेरिका जैसी टीम का सामना करने के बाद विश्व कप में भाग लेगा। शोपमैन ने कहा कि हमने पिछले महीने अच्छी प्रगति की थी और हम उसी प्रदर्शन को आगे बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान अपनी फिटनेस और गति के स्तर में बढ़ोतरी करने पर रहेगा और हम खेल की अपनी रणनीति को मूर्तरूप देने की कोशिश करेंगे। मैं चाहती हूं कि खिलाड़ी स्वयं ही अपने खेल में सुधार करने का बीड़ा उठाएं क्योंकि वे जानते हैं कि उन्हें

किस क्षेत्र में काम करने की जरूरत है।

टीमें इस प्रकार हैं-

महिला सीनियर टीम

गोलकीपरः सविता, रजनी एतिमारपू और बिचु देवी खरीबाम

रक्षापंक्ति : दीप ग्रेस एक्का, गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, सुमन देवी थौदाम, अक्षता अबसो ढेकाले, रश्मिता मिंज, निशा, सलीमा टेटे

मध्य पंक्ति : महिमा चौधरी, सुशीला चानू , ज्योति, नवजोत कौर, मोनिका, नमिता टोप्पो, सोनिका, बलजीत कौर, उपासना सिंह

अग्रिम पंक्ति : लालरेम्सियामी, नवनीत कौर, नेहा, राजविंदर कौर, वंदना कटारिया, शर्मिला देवी, मारियाना कुजुर, दीपिका, संगीता कुमारी, प्रीति दुबे, ऐश्वर्या राजेश चव्हाण। रानी, रीना खोखर, मनप्रीत कौर 'रिहैबिलिटेशन' में हैं।

पुरुष सीनियर टीम

गोलकीपर : पीआर श्रीजेश, कृष्ण बी पाठक, सूरज करकेरा

रक्षापंक्ति : हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, सुरेंद्र कुमार, वरुण कुमार, जरमनप्रीत सिंह, नीलम संजीव जेस, दीपसन टिर्की, मंदीप मोर, संजय

मध्य पंक्ति : मनप्रीत सिंह, नीलकांत शर्मा, सुमित, हार्दिक सिंह, जसकरण सिंह, राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबीचंद्र सिंह मोइरंगथेम, आशीष कुमार टोपनो, जुगराज सिंह

अग्रिम पंक्ति : गुरजंत सिंह, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, आकाशदीप सिंह, गुरसाहिबजीत सिंह, शिलानंद लकड़ा, दिलप्रीत सिंह, अभिषेक , मोहम्मद राहील, सुखजीत सिंह, सिमरनजीत सिंह, गुरिंदर सिंह।

इंग्लिश प्रीमियर लीग : लीवरपूल ने एवर्टन को हराया

मैनचेस्टर। लीवरपूल ने यहां इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में एवर्टन को 2-0 से हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर चल रहे मैनचेस्टर सिटी पर दबाव बढ़ा दिया। इस हार के बाद एवर्टन पर निचली लीग में खिसकने का खतरा भी बढ़ गया है। लीवरपूल की ओर

से दूसरे हाफ में एंड्रयू रॉबर्टसन (62वें मिनट) और डिवोक ओरिगी (85वें मिनट) ने गोल दागे। इस जीत से लीवरपूल के 33 मैच में 79 अंक हो गए हैं और वह शीर्ष पर चल रहे मैनचेस्टर सिटी से सिर्फ एक अंक पीछे है जिसके इतने ही मैच में 80 अंक हैं। इस हार के बाद एवर्टन की टीम 20 टीम की अंक तालिका में 18वें स्थान पर है। बर्नले की टीम वोल्वरहैम्पटन को 1-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए निचली लीग में खिसकने वाली तीन टीम की सूची से बाहर आ गई है। टीम 17वें स्थान पर है और उसके एवर्टन से दो अंक अधिक हैं।

पूर्व कोच रवि शास्त्री का बड़ा बयान, भारत में जलने वाले लोग चाहते थे कि मैं विफल हो जाऊं

लंदन। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के नए क्रिकेट निदेशक बनाए गए रॉबर्ट की को सलाह देते हुए कहा है कि इंग्लैंड के इस पूर्व सलामी बल्लेबाज को ड्यूक गेंद की तरह 'मोटी चमड़ी' विकसित करने की जरूरत है जैसे उन्होंने 'जलने वाले लोगों' का सामना करने के लिए किया था। शास्त्री 2014 से 2021 के बीच एक साल को छोड़कर बाकी समय भारत के कोचिंग स्टाफ के प्रमुख रहे। इस एक साल के दौरान अनिल कुंबले को मुख्य कोच नियुक्त किया गया था।

एक समाचार पत्र को दिए साक्षात्कार में शास्त्री ने कहा कि भारत में 'जलने वाले लोगों का गुट' था जो हमेशा चाहता था कि वह विफल हो जाएं। शास्त्री की तरह रॉबर्ट की भी लंबे समय से प्रतिष्ठित कमेंटेटर हैं और उनके पास कोई कोचिंग डिग्री नहीं है। शास्त्री ने कहा, 'मेरा पास भी कोई कोचिंग डिग्री नहीं थी। लेवल एक? लेवल दो? और भारत जैसे देश में हमेशा आपसे जलने वाले लोग या लोगों का गुट होता है जो चाहते हैं कि आप विफल हो जाओ। मेरी मोटी चमड़ी (लोगों की बातों पर ध्यान नहीं देने वाला) है, आप जिस ड्यूक गेंद का इस्तेमाल करते हैं, उससे भी मोटी।'

ब्रिटेन के समाचार पत्र ने इस पूर्व भारतीय मुख्य कोच के हवाले से कहा, 'आपको इसका सहारा लेना होता है। रॉब (रॉबर्ट की) जब काम करना शुरू करेगा तो वह इसे विकसित करना सीखेगा क्योंकि प्रत्येक दिन आपके काम को लेकर टिप्पणियां होंगी। मुझे खुशी है कि केंट के साथ खेलने के दौरान उसे कप्तानी का काफी अनुभव है क्योंकि खिलाड़ियों के साथ संवाद सर्वोच्च होता है।' भारतीय टीम के साथ काम करने के अपने अनुभव के आधार पर शास्त्री का मानना है कि दुनिया भर के क्रिकेट जगत में सभी राष्ट्रीय टीम लगभग एक ही तरह से संचालित होती हैं।

शास्त्री ने टीम संस्कृति पर जोर देते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलिया में लगातार दो श्रृंखला

जीतने के दौरान यह भारतीय टीम का अहम हिस्सा थी। उन्होंने कहा, 'इससे पता चलता है कि हम कैसे खेलना चाहते हैं- आक्रामक होकर और विरोधी टीम को कोई मौका नहीं देना, फिटनेस का शीर्ष स्तर, तेज गेंदबाजों का समूह तैयार करना जो विदेशों में 20 विकेट चटका सकें। और यह आपके रवैये से भी जुड़ा है विशेषकर जब अब आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हैं। मैंने लड़कों से कहा कि अगर आपको एक अपशब्द कहा जाता है तो आप तीन वापस कीजिए: दो हमारी भाषा में और एक उनकी भाषा में।'

शास्त्री का मानना है कि रॉबर्ट की को पूर्व टेस्ट कप्तान जो रूट के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने की जरूरत है जिससे कि समझ सकें कि सारा काम कैसे किया जाता है। शास्त्री का साथ ही मानना है कि इंग्लैंड के नए कप्तान के रूप में बेन स्टोक्स आदर्श पसंद होंगे। उन्होंने कहा, 'उसे इसकी जरूरत नहीं है लेकिन कप्तानी का जोश उसे वह अभी जितना बेहतरीन खिलाड़ी है उससे भी बेहतर बना सकता है। कप्तान के साथ रिश्ता महत्वपूर्ण होता है- जैसे ही मनमुटाव होता है, चीजें खराब होने लगती हैं।' शास्त्री ने कहा, 'लेकिन चीजें ठीक होंगी क्योंकि मैंने पिछले साल देखा कि इंग्लैंड के पास प्रतिस्पर्धा देने के लिए पर्याप्त प्रतिभा और कौशल है। इसे लेकर मेरे मन में कोई संदेह नहीं है। यह सब मानसिकता से जुड़ा है।'

मैच के बाद धोनी से बातचीत करते नजर आए कुंबले, मयंक और धवन

मुंबई। चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ मुंबई में वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 के मैच में पंजाब किंग्स ने 11 रन से जीत दर्ज की। इस जीत के बाद पंजाब के मुख्य कोच अनिल कुंबले और कप्तान मयंक अग्रवाल ने सीएसके के पूर्व कप्तान एमएस धोनी के साथ बातचीत करते हुए नजर आए। इस दौरान सीएसके बल्लेबाज को शिखर धवन से बात करते हुए भी देखा गया जिन्होंने अपने 200वें आईपीएल मैच में नाबाद 88* (59) रन बनाए। मैच की बात करें तो 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके ने रॉबिन उथप्पा का विकेट जल्दी गंवा दिया, जब सलामी बल्लेबाज

संदीप शर्मा की गेंद पर सर्कल के अंदर कैच आउट हुए। अर्शदीप सिंह ने मिशेल सेंटनर के विकेट से पहले रुतुराज गायकवाड़ ने उन्हें दो चौके लगाए और सीएसके पावरप्ले के अंत में 32-2 थी। शिवम दुबे अगले बल्लेबाज थे जिन्हें आउट होने के बाद बाएं हाथ के बल्लेबाज ने ऋषि धवन के खिलाफ गेंद को स्टंप्स पर लगाया।

रायुडू ने एक चौका और छक्का लगाने के बाद नौवें ओवर में 13 रन बनाए। रायुडू के एक और चौका और छक्का जोड़ने से पहले सीएसके 69/3 स्कोर के साथ आधे रास्ते पर थी। रबाडा ने 13वें ओवर में साझेदारी तोड़ते हुए गायकवाड़ को डीप में कैच आउट करवाया। रायुडू ने 15वें ओवर में छक्का लगाकर अर्धशतक पूरा किया और सीएसके को अंतिम पांच ओवर में 70 रन चाहिए थे।

16वें ओवर में रायुडू ने लगातार तीन छक्के और एक चौका लगाने के बाद 23 रन खाते में जोड़े। समीकरण 24 गेंदों में 47 रन पर आ गया था। रबाडा ने 18वें ओवर में अंबाती रायुडू को क्लीन बोल्ड कर वापसी करवाई। अंतिम ओवर में सीएसके को 6 गेंदों पर 27 रन चाहिए थे लेकिन अर्शदीप सिंह ने अच्छी गेंदबाजी करते हुए 8 रन दिए। एमएस धोनी ने पहली गेंद पर एक छक्का लगाया लेकिन धोनी के डीप में फंसने (विकेट गंवाने) के बाद पीबीकेएस ने अंत में 11 रन से मैच जीत लिया।

बार्सिलोना की हार से मैड्रिड खिताब से एक अंक दूर, रायो वालेकानो के हाथों मिली 0-1 से पराजय

नई दिल्ली। बार्सिलोना की रायो वालेकानो के हाथों अप्रत्याशित हार ने रियल मैड्रिड की ला लिगा की खिताबी जीत का रास्ता साफ कर दिया है। वालेकाने ने बार्सिलोना को उसके घर कैंप नोउ में 0-1 से पराजित किया। यह घर में उसकी लगातार तीसरी हार थी। ला लिगा में पांच दौर के मुकाबले शेष हैं और मैड्रिड खिताब से सिर्फ एक अंक दूर है। अगला मैच ड्रा खेलने पर भी मैड्रिड विजेता बन जाएगा। अगर वह जीतता है तो तीसरे सत्र में यह उसकी दूसरी खिताबी जीत होगी। बार्सिलोना को इस हार के साथ अपने प्रशंसकों की नाराजगी का भी शिकार होना पड़ा। मैच समाप्ति की रेफरी की सीटी बजने के साथ ही बार्सिलोना के प्रशंसकों ने अपनी ही टीम की हूटिंग शुरू कर दी। यह हार इस वजह से चुभाने वाली रही क्यों कि बार्सिलोना का वालेकानो के खिलाफ घर में रिकार्ड शानदार रहा था। इससे पहले उसने कैंप नोउ में वालेकानो के खिलाफ सात लगातार मुकाबले जीते थे। खेल के सातवें ही मिनट में इवारो गारसा के गोल से वालेकानो ने जीत हासिल कर ली। इस हार के साथ बार्सिलोना का लीग में दूसरा स्थान बनाए रखना मुश्किल हो गया। तीसरे स्थान पर मौजूद सेविला और उसके अंक बराबर हो गए हैं, जबकि एटलेटिको मैड्रिड दोनों से दो अंक पीछे है। लीग में दूसरे स्थान पर रहने से बार्सिलोना को मोटी ईनामी राशि वाले स्पेनिश सुपर कप में जगह मिल जाएगी। बार्सिलोना 24 से 25 साल पहले 1997-98 और 1998-99 के सत्र में घर में लगातार तीन मैच हारा था।

नवाज शरीफ के पाकिस्तान लौटने का रास्ता साफ, शहबाज सरकार ने जारी किया पासपोर्ट

लंदन। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को ब्रिटेन से अपने गृह देश लौटने के लिए पासपोर्ट जारी किया गया है, जहां वह इलाज करा रहे हैं। यह जानकारी सोमवार को मीडिया के हवाले से सामने आई। 72 वर्षीय नवाज तीन बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। नवाज के खिलाफ पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सरकार द्वारा भ्रष्टाचार के कई मामले शुरू किए गए थे। नवाज नवंबर 2019 में लाहौर हाई कोर्ट द्वारा उन्हें इलाज के वास्ते चार सप्ताह के लिए विदेश जाने की अनुमति दिए जाने के बाद लंदन रवाना हुए थे।

शहबाज सरकार ने जारी किया पासपोर्ट

समाचार पत्र ने बताया कि नवाज को उनके छोटे भाई व पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली नई सरकार द्वारा पासपोर्ट जारी किया गया है। जियो न्यूज ने बताया कि पासपोर्ट की प्रकृति साधारण है और इसे तत्काल श्रेणी में बनाया गया था। नवाज पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के वरिष्ठ नेता हैं। उन्होंने पिछले हफ्ते लंदन में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो-जरदारी से मुलाकात की थी और पाकिस्तान में मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की थी। दोनों नेताओं ने राजनीति और राष्ट्रीय हित से संबंधित कई मुद्दों पर एक साथ काम करने का संकल्प जताया था।

कोलंबो में चीनी राजदूत ने जताई नाराजगी, कहा- ऋण पुनर्गठन का भविष्य के द्विपक्षीय ऋणों पर पड़ेगा प्रभाव

कोलंबो: कोलंबो में चीनी राजदूत क्यूई जेनहोंग ने मदद और चेतावनी के लिए आईएमएफ से संपर्क करने के सरकार के कदम पर नाराजगी व्यक्त की है। कोलंबो में चीनी राजदूत क्यूई जेनहोंग ने सोमवार को कहा कि चीन ने श्रीलंका को डिफॉल्ट न करने में मदद करने की पूरी कोशिश की है, लेकिन दुख की बात है कि वे आईएमएफ के पास गए और डिफॉल्ट करने का फैसला किया।।

उन्होंने कहा कि ऋण पुनर्गठन का निश्चित रूप से भविष्य के द्विपक्षीय ऋणों पर प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि चीन अभी भी श्रीलंका के अनुरोध पर 1.5 बिलियन अमरीकी डालर के खरीदार के ऋण और एक और 1 बिलियन अमरीकी डालर के ऋण पर विचार कर रहा था। चीनी राजदूत ने कहा कि हम आईएमएफ की चर्चा पर करीब से नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्रीलंका के पूर्व औपनिवेशिक आकाओं पर देश की मदद करने के लिए अधिक दायित्व हैं। क्यूई ने कहा हालांकि, चीन सहमति के अनुसार पुराने ऋणों का वितरण जारी रखेगा। गौरतलब है कि आईएमएफ में जाने से पहले श्रीलंका ने 12 अप्रैल को देश के स्वतंत्र इतिहास में अपनी पहली ऋण डिफाल्ट की घोषणा की। इन दिनों कर्ज में डूबा श्रीलंका 1948 में ब्रिटेन से अपनी स्वतंत्रता के बाद से एक अभूतपूर्व आर्थिक उथल-पुथल से जूझ रहा है। श्री लंका का ये संकट विदेशी मुद्रा की कमी के कारण है।

शहबाज शरीफ ने व्यक्त की भारत के साथ अच्छे संबंधों की इच्छा

इस्लामाबद: पाकिस्तान के नवनियुक्त प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ ने भारत के साथ अच्छे संबंधों की इच्छा व्यक्त की है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि कश्मीर विवाद के न्यायसंगत समाधान के बिना स्थायी शांति हासिल नहीं की जा सकती है। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता असीम इफ्तिखार अहमद ने इस्लामाबाद में एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि भारत के साथ अच्छे संबंधों की इच्छा को ध्यान में रखते हुए प्रधान मंत्री शरीफ ने पहले ही कहा है कि जम्मू-कश्मीर मुद्दे के न्यायसंगत समाधान के बिना स्थायी शांति हासिल नहीं की जा सकती। पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बधाई पत्र के जवाब में उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की इच्छाओं के अनुसार जम्मू-कश्मीर विवाद को हल करने की आवश्यकता को रेखांकित किया है। प्रवक्ता के अनुसार, शहबाज ने कहा कि यह दोनों देशों को विकास की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बनाएगा।

बीजिंग को बचाने के लिए दो करोड़ से ज्यादा टेस्ट, लॉकडाउन के बावजूद शंघाई में हाहाकार

शंघाइ । शंघाई में बेकाबू कोरोना लहर के बाद चीन ने राजधानी बीजिंग में इसकी पुनरावृत्ति रोकने के लिए सारे संसाधन झोंक दिए हैं। चीन इस वक्त ओमिक्रॉन की लहर से जूझ रहा है। यह बीजिंग में कहर न बरपा सके, इसलिए चीन दो करोड़ से ज्यादा लोगों के इस शहर में ताबड़तोड़ परीक्षण कर संक्रमितों को तलाश रहा है।

चीन नहीं चाहता है कि उसे शंघाई की तरह बीजिंग में भी लॉकडाउन करना पड़े। सोमवार को उसने बीजिंग के बिजनेस, विदेशी दूतावास वाले चाओयांग जिले में व्यापक कोरोना परीक्षण शुरू किया। इस पांच दिनी अभियान के तहत अस्थाई जांच केंद्रों पर सोमवार को लंबी कतारें नजर आईं। बीजिंग में व्यापक जांच शुरू होने से वहां भी शंघाई की तरह घबराहट भरी खरीदारी शुरू हो गई। रात आठ बजे तक ही 37 लाख से ज्यादा कोरोना टेस्ट किए जा चुके थे। देर रात तक

अधिकारियों ने बताया कि इनमें से करीब पांच लाख की रिपोर्ट निगेटिव आ चुकी थी। उन्होंने बताया कि मंगलवार को भी टेस्ट जारी रहेंगे और इसमें बीजिंग के पांच बाहरी जिलों को शामिल कर दो करोड़ से ज्यादा लोगों का परीक्षण किया जाएगा। इन जिलों में बीजिंग के कुल 2.15 करोड़ लोगों में से 195 लाख लोग रहते हैं। बीते 24 घंटे में बीजिंग में 29 कोरोना केस मिलने के बाद व्यापक जांच अभियान की घोषणा की गई। सोमवार को मिले नए मामले महामारी नियंत्रण वाले क्षेत्रों में मिले हैं।

बीजिंग में तेज हो रहा ओमिक्रॉन का प्रकोप

उधर, बीजिंग नगरपालिका के प्रवक्ता जू हेजियन ने कहा है कि बीजिंग में ओमिक्रॉन का प्रकोप तेज से उग्र हो रहा है। ऐसे में महामारी नियंत्रण के उपाय निर्णायक दौर में पहुंच गए हैं। बीजिंग में कुल 80 नए कोरोना केस आए है, हालांकि सक्रिय केस अभी भी कम है, लेकिन चीन सरकार कोई जोखिम नहीं लेना चाहती, क्योंकि शंघाई में ओमिक्रॉन का प्रकोप कितनी तेजी से हजारों केस तक पहुंच गया है। आठ जिलों में दर्जनों आवासीय परिसर पहले से ही सख्त लॉकडाउन झेल रहे हैं। नागरिकों को अपने घरों या सामुदायिक मैदानों तक सीमित कर दिया गया है। उनसे कहा गया है कि जब तक आवश्यक न हो शहर से बाहर न निकलें। वहां परंपरागत लेबर डे के तहत आगामी पांच दिनों की छुट्टी दी गई है। इस दौरान चीन में बड़े पैमाने पर लोग यात्राएं करते हैं, लेकिन इस बार इसका उत्साह कम रहने की आशंका है।

नहीं मानेंगे किम जोंग : उत्तर कोरिया के परमाणु हथियारों को धार देते रहेंगे, प्योंगयांग की परेड में बोले सैन्य शासक

प्योंगयांग । पश्चिमी देश व उनके सहयोगी चाहे जितना दबाव डालें, लेकिन उत्तर कोरिया के सैन्य शासक किम जोंग उन ने साफ कहा है कि वे अपने देश को तेजी से परमाणु शक्ति से लैस बनाते रहेंगे।

उत्तर कोरिया की सरकारी न्यूज एजेंसी के अनुसार राजधानी प्योंगयांग में सैन्य परेड के दौरान किम ने यह बात कही। किम जोंग उन ने कहा कि वे देश के परमाणु हथियारों को मजबूत व विकसित करने

का काम जारी रखेंगे। उधर, अमेरिका का परमाणु ऊर्जा से चलने वाला विमान वाहक पोत अब्राहम लिंकन जापान सेल्फ डिफेंस फोर्सेज के साथ जापान सागर में तैनात है। जापान व अमेरिका की सेना ने बीते दिनों यहां युद्धाभ्यास किया। उत्तर कोरिया से खतरे को देखते हुए यह अभ्यास किया गया। इससे पहले जापान सागर में एक अमेरिकी परमाणु संचालित विमान वाहक पोत को पिछली बार साल 2017 में देखा गया था। तब प्योंगयांग ने परमाणु परीक्षण किए थे और एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की थी। अमेरिका ने मार्च में कोरियाई प्रायद्वीप के पश्चिम में भी इस पोत से अभ्यास किया था।

चीन का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत शेडोंग नहीं दिखा पाया दम, अब नए सिरे से होगा और नवीनीकरण

बीजिंग: चीन का स्वदेश निर्मित दूसरा विमानवाहक पोत शेडोंग सेवा में आने के दो साल बाद भी अपनी परिचालन कुशलता हासिल करने में देरी की अटकलों के बीच अपने पहले रखरखाव और व्यापक परीक्षण से गुजरने जा रहा है। चीन के दूसरे विमानवाहक और पहले घरेलू रूप से विकसित पोत शेडोंग का पहला रखरखाव और नवीनीकरण शुरू हो गया है, जिससे इसकी कार्यक्षमता बढ़ने की उम्मीद है। चीन सरकार द्वारा संचालित ग्लोबल टाइम्स ने सोमवार को यह जानकारी दी। अखबार ने एक विशेषज्ञ के हवाले से कहा कि कैरियर के लिए एक व्यापक परीक्षण किया जा सकता है और उन हिस्सों को अपग्रेड और ओवरहॉल किया जा सकता है जिनमें दिक्कतें हैं।

कोविड-19 मामलों में उछाल से पड़ा असर

शेडोंग के मरम्मत से गुजरने की रिपोर्ट के बाद शंघाई में कोविड-19 मामलों के मौजूदा उछाल के कारण चीन के तीसरे विमानवाहक पोत के लॉन्च में देरी की रिपोर्ट आई है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी (पीएलएएन) से व्यापक रूप से 23 अप्रैल को अपनी 73वीं वर्षगांठ के आसपास विमानवाहक पोत को लॉन्च करने की उम्मीद जताई थी। चाइना मॉर्निंग पोस्ट अखबार ने हाल ही में रिपोर्ट दी थी कि योजना को देरी का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि शंघाई में बड़े पैमाने पर महामारी के कारण कुछ आवश्यक कलपुर्जों के परिवहन में देरी हुई। 2017 से शंघाई के चांगक्सिंग द्वीप पर जियांगन शिपयार्ड में टाइप 003 एयरक्राफ्ट कैरियर का निर्माण चल रहा है और इस साल की शुरुआत में लॉन्च के लिए तैयार होने की उम्मीद थी।

रिश्तों में दरार : अपने आका पाकिस्तान के खिलाफ ही शिकायत लेकर यूएन पहुंच गया तालिबान, दिखाई आंख

संयुक्त राष्ट्र । अब पाकिस्तान व अफगानिस्तान के बीच रिश्तों में दरार पैदा होने लगी है। अपने आका पाकिस्तान के खिलाफ शिकायत लेकर तालिबान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पहुंच गया है। तालिबान ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तान की सेना ने हमारे खोश्त और कुनार प्रांत में हवाई हमले किए। शिकायत के साथ ही तालिबान ने पाकिस्तान सरकार को कड़ी नसीहत दी है।

दो साल पहले तक तालिबान पाकिस्तान के इशारे पर नाचता था। अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज होने के बाद पाकिस्तान ने ही उसकी उंगली पकड़कर विश्व बिरादरी से जोड़ने का प्रयास किया था, लेकिन अब दोनों देशों के बीच खटास बढ़ती जा रही है।

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ नसीर अहमद फैक ने यूएनएससी में शिकायत की है। फैक की शिकायत का समर्थन

तालिबान, हक्कानी नेटवर्क और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने भी किया है। तालिबान का कहना है कि पाक सेना के हवाई हमले में 40 लोगों की मौत हुई है। इनमें महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। फैक ने यूएनएससी के अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा है कि पाकिस्तान का हवाई हमला अंतरराष्ट्रीय कानूनों का खुला उल्लंघन है। बहुत से घरों को भी नुकसान पहुंचा है। तालिबान, हक्कानी नेटवर्क और तहरीक-ए-तालिबान तीनों ही पख्तूनों से जुड़े संगठन हैं। वे पाकिस्तान की ओर से डूरंड सीमा रेखा पर तारबंदी के खिलाफ हैं। इनका कहना है कि इसके जरिए पाकिस्तान पख्तूनों को अलग करने का काम कर रहा है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की बड़ी आबादी पख्तूनों की है। अफगानिस्तान भी पख्तून बहुल देश है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को भेजे पत्र में अफगानिस्तान ने लिखा है कि पाकिस्तान की सेना ने जो किया है, वह अंतरराष्ट्रीय कानूनों, मानवाधिकार के नियमों, यूएन चार्टर के सिद्धांतों का उल्लंघन है। इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र महासभा और सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का भी इससे हनन हुआ है। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने सुरक्षा परिषद के जरिए पाक सरकार को चेताया है कि ऐसे हमलों से दोनों देशों के रिश्तों पर आंच आएगी। क्षेत्र की शांति व्यवस्था भी इससे प्रभावित होगी।

यरुशलम हिंसा पर चिंता : भारत ने की सभी धर्मस्थलों में यथास्थिति की अपील, तनाव घटाने के प्रयासों की सराहना

संयुक्त राष्ट्र । भारत ने पवित्र रमजान माह में इस्राइल के यरुशलम व अन्य स्थानों पर हुई हिंसा को लेकर गहरी चिंता प्रकट की है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के उप स्थाई प्रतिनिधि आर. रवींद्र ने कहा कि सभी धर्मस्थलों का सम्मान किया जाना चाहिए और वहां यथास्थिति कायम रखी जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में मध्य पूर्व की स्थिति पर चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि जो भी कृत्य धर्मस्थलों की पवित्रता का उल्लंघन करते हैं, चाहे वह यरूशलम, नब्लस या कहीं और हो, की स्पष्ट रूप से निंदा की जानी चाहिए। हम इस्राइल, जॉर्डन, फलस्तीन प्राधिकरण तथा अन्य देशों द्वारा तनाव को बढ़ने से रोकने के लिए किए गए प्रयासों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि धर्मस्थलों में तोड़फोड़, उपद्रव, अपवित्र किए जाने की घटनाएं निंदनीय हैं।

उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि तनाव घटाने के प्रयासों के बावजूद जमीनी स्थिति एक बार फिर खराब हुई है। हम सभी पक्षों से उकसावे को रोकने

की अपील करते हैं। उकसावे से स्थिति और खराब हो सकती है। हम शांति बहाल करने के उद्देश्य से सभी कदमों का समर्थन करते हैं।

भारतीय प्रतिनिधि ने कहा कि रमजान के पवित्र महीने के दौरान यरूशलम के पवित्र स्थानों पर हुई घटनाओं से हम बहुत चिंतित हैं। यरुशलम के पवित्र स्थानों की ऐतिहासिक यथास्थिति का सम्मान किया जाना चाहिए और इसे बरकरार रखा जाना चाहिए।

रूस की चेतावनी दरकिनार, नाटो से जुड़ेंगे स्वीडन और फिनलैंड

स्टॉकहोम/ हेलसिंकी- रूस की चेतावनी को दरकिनार कर स्वीडन और फिनलैंड ने नाटो से जुड़ने का फैसला किया है। ये दोनों देश अगले माह नाटो की सदस्यता के लिए अपना आवेदन करेंगे। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की सदस्यता भी रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच बड़ा मुद्दा है। 1949 में स्थापित नाटो के सदस्य देशों की संख्या इस समय 30 है। अब स्वीडन और फिनलैंड ने भी नाटो की सदस्यता लेने का फैसला लिया है। ये दोनों देश मई के मध्य तक नाटो सचिवालय में अपनी सदस्यता के लिए आवेदन जमा कर देंगे। यदि इनके आवेदन को स्वीकृति मिल जाती है तो ये दोनों देश जल्द ही नाटो के सदस्य बन जाएंगे। इसके साथ नाटो के सदस्य देशों की संख्या 32 हो जाएगी। रूस लगातार इन दोनों देशों को नाटो से न जुड़ने की चेतावनी देता रहा है। रूस को लगता है कि यदि ये देश नाटो से जुड़ते हैं तो ये रूस के लिए चुनौती बन सकते हैं। दरअसल, फिनलैंड रूस के साथ 1300 किलोमीटर की सीमा साझा करता है। रूस कई बार स्वीडन और फिनलैंड को नाटो में शामिल होने के नतीजों के बारे में चेतावनी दे चुका है। रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन ने कहा था कि फिनलैंड या स्वीडन नाटो में शामिल होने का फैसला करते हैं तो रूस बाल्टिक देशों और स्कैंडिनेविया के पास परमाणु हथियार तैनात करेगा। इसके बाद भी फिनलैंड की प्रधानमंत्री सना मारिन और स्वीडन की प्रधानमंत्री मैग्डेलेना एंडरसन ने नाटो की सदस्यता लेने पर सहमति जता दी है।

पाकिस्तान के खिलाफ खुलकर सामने आया तालिबान, संयुक्त राष्ट्र में की शिकायत

न्यूयॉर्क। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। अफगानिस्तान की सत्ता संभाल रहा तालिबान अब पाकिस्तान के खिलाफ मुखर होकर सामने आया है। उसने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान की शिकायत की है। तालिबान ने पाकिस्तान पर अफगानिस्तान में हवाई हमलों का आरोप लगाया है। पाकिस्तान में लगातार आतंकी हमलों के लिए प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान जैसे अफगानिस्तान स्थित कई आतंकी संगठनों को जिम्मेदार माना जा रहा है। पाकिस्तान ने स्पष्ट शब्दों में तालिबान से कहा है कि वह या तो इन आतंकवादी संगठनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे या फिर इसके परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहे। पिछले दिनों पाकिस्तान ने एयर स्ट्राइक कर अफगानिस्तान में आतंकी अड्डों पर हमला भी किया था। तालिबान इन आतंकी संगठनों को समाप्त करने के लिए तैयार नहीं है। तालिबान का मानना है कि इन संगठनों ने अमेरिकी नेतृत्व वाले विदेशी सुरक्षा बलों से लड़ाई में तालिबान की मदद की थी, इसलिए उन्हें समाप्त नहीं किया जा सकता। अब तालिबान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान को कठघरे में खड़ा कर पलटवार किया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अफगानिस्तान की तालिबान सरकार की ओर से नसीर अहमद फैक ने शिकायत की है कि पाकिस्तान की सेना ने अफगानिस्तान के खोश्त और कुनार प्रांत में हवाई हमले किए। तालिबान का कहना है कि पाकिस्तान सेना के हवाई हमले में 40 लोगों की मौत हुई है। इनमें महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। बहुत से घरों को भी नुकसान पहुंचा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को भेजे पत्र में अफगानिस्तान ने लिखा है कि पाकिस्तान की सेना ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों, मानवाधिकार नियमों और संयुक्त राष्ट्र संघ के सिद्धांतों का उल्लंघन किया है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
211019 से प्रकाशित
स्वामी श्री योगी सत्यम एवम् योग सत्संग समिति द्वारा
विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज
से मुद्रित एवम् क्रियायोग आश्रम अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
Title UPHIN 29506

रूस का दावा : यूक्रेन की सीमा से लगे गांव में गोलाबारी में दो घायल

मास्को। यूक्रेन की सीमा से लगे रूस के बेलगोरोड क्षेत्र के एक गांव में गोलाबारी में दो लोग घायल हो गए। इस क्षेत्र के गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। ग्लैडकोव ने कहा कि नवीनतम गोलाबारी में कुछ घर क्षतिग्रस्त हो गए, बिना अधिक जानकारी दिए। उन्होंने इससे पहले सोमवार को कहा था कि एक अन्य गांव में गोलाबारी में चार घर और एक कार क्षतिग्रस्त हो गई।

दक्षिणी रूसी क्षेत्रों के अधिकारियों ने पिछले कुछ हफ्तों में उन मामलों की रिपोर्ट की है जिनमें सीमा पार से गोलाबारी से आवासीय भवनों को नुकसान पहुंचा था

दक्षिणी रूसी क्षेत्रों के अधिकारियों ने पिछले कुछ हफ्तों में उन मामलों की रिपोर्ट की है जिनमें सीमा पार से गोलाबारी से आवासीय भवनों को नुकसान पहुंचा था।

अमेरिका की कीव में फिर से दूतावास खोलने की तैयारी, ब्लिंकन और ऑस्टिन ने कीव में की जेलेंस्की से वार्ता

कीव: युद्धग्रस्त यूक्रेन की राजधानी कीव में अमेरिका जल्द ही अपने दूतावास को फिर से खोलेगा। अमेरिका के शीर्ष राजनयिक एवं विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सोमवार को कहा कि वे और अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने कीव का दौरा किया तथा यूक्रेन को और अधिक सैन्य सहायता का वादा किया। उन्होंने यूक्रेन को रूस को पीछे धकेलने में सफलता की सराहना की। विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि वे यूक्रेन की राजधानी कीव गए थे। पिछले महीने कीव पर हमला करने वाले रूस को मजबूरन पीछे हटना पड़ा था। यह यूक्रेन के ही दृढ़ता का प्रमाण था। ऑस्टिन ने पोलैंड से ट्रेन यात्रा के बाद राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से रात भर एक बैठक में कहा कि कीव की लड़ाई में रूसियों को खदेड़ने में आपने जो किया है वह असाधारण है और बाकी दुनिया के लिए प्रेरणादायक है। हम हर संभव आपका समर्थन करेंगे। वहीं ब्लिंकन ने कहा कि इस भयानक रूसी आक्रमण को पीछे धकेलने में यूक्रेन की उपलब्धि की जितनी प्रशंसा की जाए वह कम है। उन्होंने कहा कि रूस के युद्ध का उद्देश्य पहले ही विफल हो चुका है और यूक्रेन पहले ही सफल हो चुका है। पोलैंड में यूक्रेन से वापस जाने पर ऑस्टिन ने एक ब्रीफिंग में कहा कि हम रूस को इस हद तक कमजोर देखना चाहते हैं कि वह उस तरह की चीजें नहीं कर सके, जो उसने यूक्रेन पर हमला करने में की है।